डिजिटल डेमोक्रेसी के लिए मार्गदर्शिका

सीखें डिजिटल तकनीक का ककहरा

भाग - 2

VIKAS SAMVAD

किताब का नाम : **सीखें डिजिटल तकनीक का ककहरा**

सहयोगी : सचिन कुमार जैन, राकेश कुमार मालवीय, अरविंद मिश्र, दीपक मिस्त्री, वरुण नामदेव, गगन नायर, सीमा प्रकाश, निलेश देसाई, युसुफ बेग, विनोद गुप्ता, राजीव भार्गव, रामकुमार विद्यार्थी, सचिन श्रीवास्तव, गुरुशरण सचदेवा, चिन्मय मिश्र, प्रकाश मालवीय, पन्ना, झाबुआ, भोपाल और खंडवा के सभी ईवालंटियर साथी और विकास संवाद के सभी सहयोगी

प्रकाशक : विकास संवाद, ई-7/226, अरेरा कॉलोनी, भोपाल.

प्रतियां : 500

वर्ष : 2019

डिजाइन : अफ़ज़ाल अली | # 8889766693

मुद्रक : स्पेसिफिक प्रिंटर्स, एम.पी. नगर, भोपाल

वित्तीय सहयोग : फोर्ड फाउंडेशन

ISBN No. : 978-93-81408-44-5

© कॉपीराइट : इस किताब का उपयोग किया जा सकेगा। विकास संवाद को क्रेडिट अपेक्षित है।

यह पुस्तिका क्यों?

आज का युग डिजिटल क्रांति की ओर तेज़ी से दौड़ रहा है। इस दौड़ में हम सभी शामिल हैं। देश का बहुत बड़ा तबका ऐसा भी है जो इस दौड़ में सही मायनों में शामिल नहीं हो पा रहा। ग्रामीण क्षेत्र को देखें तो हमें सभी के हाथों में डिजिटल उपकरण तो दिखते हैं, पर उसके सुरक्षित उपयोग कर पाने में पीछे हैं। यह दूरदराज़ के आदिवासी या ग्रामीण क्षेत्र की बात नहीं शहरी क्षेत्रों में भी देखा जा सकता है। शहरों में पलायन करके आए और झुग्गी बस्तियों में रहने वाले वंचित समुदाय के बीच सरकार द्वारा चलाई जा रही डिजिटलाइज़ेशन और डिजिटल साक्षरता से जुड़ी योजनाओं के अंतर्गत कई सारी गतिविधियाँ की जा रही हैं, पर इसके बावजूद समुदाय डिजिटल साक्षरता और दक्षता हासिल कर पाने में सफल नहीं है।

इन्हीं जमीनी अनुभवों को ध्यान में रख कर यह पुस्तिका बनाई गई है ताकि डिजिटल भारत का लक्ष्य सही मायनों में प्राप्त किया जा सके और डिजिटल माध्यमों से सभी वर्ग और समुदाय अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों को खुद ही पूरा कर सकें। और लोकतंत्र में अपनी भागीदारी करने में सक्षम हो पाएं।

इस पुस्तिका के माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति खुद को डिजिटल साक्षर बना सकते हैं और साथ में नियमित उपयोग से दक्षता हासिल कर सकते हैं। अभी स्मार्टफोन सिर्फ संपर्क-संचार और मनोरंजन के उपयोग में देखा जा रहा है पर इस डिजिटल टूल की अपार क्षमताओं को पहचान पाने में असमर्थ हैं।

इस पुस्तिका में बेसिक डिजिटल स्किल्स जैसे फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और एडिटिंग के साथ साथ सोशल मीडिया ट्वीटर, फेसबुक, व्हाट्सएप के सही उपयोगों के बारे में बताया गया है ताकि जाने अनजाने में किसी अनचाहे संकट में न पड़ें। ऐसा नहीं है कि यह सारी जानकरी कहीं और उपलब्ध नहीं है। यह आसानी से गूगल सर्च और ब्लॉगस्पॉट पर ढूंढी जा सकती है पर कई बार पठन सामग्री की भाषा सिर्फ अंग्रेजी होती है या बहुत ही कठिन हिंदी में। भाषा के अलावा जो एक बड़ी बाधा आती है वो है इंटरनेट कनेक्टिविटी और सामग्री जैसे अनचाहे विज्ञापन, स्पाम्स और नोटिफिकेशन की।

इस पुस्तिका में एक ही जगह पर सारी सामग्री को संग्रहित कर बोलचाल की भाषा में रखा गया है जो कि सभी को सहज और रोचक भी लगेगी। दक्षता हासिल करने के लिए उसका अभ्यास बेहद ज़रूरी होता है नहीं तो सीख लेना भी किसी काम नहीं आता। पुस्तिका में विषयवस्तु के साथ क्या अभ्यास करने के लिए गतिविधियों को डाला गया है जो की एक दूसरे से जुड़ी है और मजेदार भी है। आप सभी को पुस्तिका पढ़ कर सीखने को मिलेगा और उस से भी अधिक आशा है कि आप इस पुस्तिका के माध्यम से अपने घर में परिजनों और आस-पास के साथियों को भी सिखा कर प्रेरित करेंगे। यह आपके खुद के और गाँव/बस्ती के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान साबित होगा।

अनुक्रम

1. स्मार्टफोन फोटोग्राफी 1-7
2. स्मार्टफोन वीडियोग्राफी 8-16
3. स्मार्टफोन वीडियो एडिटिंग (KineMaster App) 17-35
4. गूगल मेल (GMail) 36-44
5. गूगल ड्राइव (Google Drive) 45-52
6. गूगल मैप एंड्राइड एप्लीकेशन 53-59
7. ट्वीटर 60-68
8. फेसबुक 69-73
9. व्हाट्सएप्प 74-78
10. फेक न्यूज़ 79-88
11. साइबर क्राइम 89-95

स्मार्टफोन फोटोग्राफी

सीखने और समझने के लिए :

- स्मार्टफोन कैमरा की उपयोगिता पहचानने के लिए
- समुदाय के विभिन्न मुद्दों एवं समस्याओं का फोटो दस्तावेज़ीकरण के लिए
- फोटो फाइल को सोशल और प्रेस मीडिया से साझा करने के लिए

परिचय

आज स्मार्टफोन, दुनिया के सबसे लोकप्रिय कैमरा उपकरण बन गए हैं। ये हमेशा आपके पास रहते हैं। इन्हें इस्तेमाल करना आसान है और साथियों के साथ तस्वीरें साझा करना भी चुटकियों में हो जाता है। कैमरे की तुलना में स्मार्टफोन को अपने पास रखना ज़्यादा आसान है और तस्वीरों की गुणवत्ता में भी लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। इन दिनों मिलने वाले ज़्यादातर स्मार्टफोन शानदार तस्वीरें ले सकते हैं। हालांकि, यह सब, बहुत हद तक, यूज़र पर भी निर्भर करता है।

सिर्फ महंगा स्मार्टफोन खरीदने से बात नहीं बन जाती। फोटोग्राफी एक तकनीक है, चाहे आप कैमरा फोन का ही इस्तेमाल क्यों न कर रहे हों। अगर आप स्मार्टफोन से फोटोग्राफी करने की तकनीक में सुधार करना चाहते हैं तो ये सत्र आपके काम आएगा।

रोशनी

बेहतरीन फोटोग्राफी रोशनी (लाइट) की समझ पर निर्भर करती है। बिना रोशनी के कोई फोटोग्राफी नहीं संभव है, इसलिए रोशनी को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना आना ज़रूरी है।

खास किस्म की तस्वीरों के लिए सुनहरे घंटे (Golden Hours) बेहद ही अहम होता है। सुनहरे घंटे का मतलब है, सूर्योदय के कुछ देर के बाद का वक्त और सूर्यास्त होने से ठीक पहले का वक्त, यह समय लैंडस्केप शॉट के लिए बेहतरीन होता हैं और साथ में स्मारकों की तस्वीर लेने के लिए भी। बीच दिन में ली गयी तस्वीरों में ज़्यादा रोशनी के कारण लैंडस्केप शॉट खराब हो जाते हैं। कोहरा या फिर बादलों से भरा आसमान फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त नहीं होता, फिर भी आप बेहतरीन तस्वीरें ले सकते हैं।

रचना (कम्पोज़ीशन)

आसपास देखने पर आप पाएंगे कि हर लम्हा एक शानदार तस्वीर के लिए ही बना है। सबसे मुश्किल काम होता है - फ्रेम को तय करना या फिर उसकी रचना करना। ऐसा करने के लिए कुछ मूल नियमों का पालन करना होता है। ज़्यादातर स्मार्टफोन कैमरा ग्रिड व्यू (GRID VIEW) के साथ आते हैं। इन्हें एक बार चालू करने पर आप पाएंगे कि स्क्रीन पर चार लकीरें नज़र आती हैं जो फ्रेम को 9 बराबर हिस्सों में बांटती हैं। रूल ऑफ थर्ड्स (RULE OF THIRD) कहता है कि आपका विषय (सब्जेक्ट) एक रेखा पर रहना चाहिए, खासकर ऐसी जगह पर जहां यह रेखाएं एक दूसरे को काट रही हों। ऐसा नहीं है कि आपको इस नियम को हर बार मानना ही पड़ेगा, लेकिन आप फोटोग्राफी में शुरुआत कर रहे हैं तो पाएंगे कि इस नियम का पालन कर आप बेहतर तस्वीरें ले पा रहे हैं।

एक और अहम सुझाव है कि आप तस्वीरों में रेखाओं का इस्तेमाल करके विषय तक पहुंच सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप एक बच्चे की तस्वीर को रचें (कंपोज़) जो सीढ़ियों पर बैठा है जहां रेलिंग, फ्रेम के दूसरे छोर पर शुरू हो रही है। ऐसे में तस्वीर आपको लड़के की तरफ खींचती है। बैकग्राउंड का इस्तेमाल भी कहानी बयां करने के लिए किया जा सकता है।

फोकसिंग / री-फोकसिंग

फोकस करते वक्त सही वस्तु को चुनना तस्वीर को बेहतर बना सकता है, चाहे वह विषय फोरग्राउंड में हो या बैकग्राउंड में। जिन स्मार्टफोन में फोटो खींचने के बाद री-फोकस करने की सुविधा होती है वे आपको प्रयोग करने का मौका देते हैं और उनके कैमरे से ली गई तस्वीरें भी बेहतर आती हैं।

अच्छी फोटोग्राफी के लिए ज़रूरी नहीं कि आपके पास प्रोफेशनल कैमरा ही हो बल्कि अपने स्मार्टफोन के कैमरे से भी प्रोफेशनल फोटोग्राफी कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए ज़रूरी है कि कैमरे की बारीकियों को समझें। आगे हम आपको स्मार्टफोन से प्रोफेशनल फोटोग्राफी के लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं :-

- **कैमरे का लैंस साफ करें -**

  फोटो खींचने के लिए सबसे पहले आप अपने फोन के कैमरे का लैंस अच्छे से साफ कर लें, क्योंकि अक्सर फोन को जेब में रखने या इधर-उधर रखने से उसके लैंस पर धूल लग जाती है। इस कारण फोटो धुंधली (Blurr) हो सकती है।

- **डिजिटल ज़ूम का कम इस्तेमाल -**

  जब भी स्मार्टफोन से फोटो क्लिक करें तो ध्यान रखें कि डिजिटल ज़ूम का उपयोग कम से कम ही करें। डिजिटल ज़ूम का उपयोग करने के बजाय यदि आप विषय (SUBJECT) को पास से क्लिक करेंगे तो शानदार फोटो क्लिक कर पाएंगे।

- **फ्लैश का उपयोग भी कम –**

  स्मार्टफोन में फ्लैश की सुविधा तो है, लेकिन ज़रूरी नहीं कि हर फोटो के लिए फ्लैश का उपयोग किया जाए। कई बार प्राकृतिक रौशनी में खींची गई फोटो भी अच्छी आती है। कम रोशनी में फोटो क्लिक करना है तो उसके लिए आप कैमरा सेटिंग में जाकर एक्सपोज़र (EXPOSURE) या आईएसओ (ISO) को बढ़ा सकते हैं लेकिन इसे बढ़ाने की भी एक सीमा है, अधिक बढ़ाने से भी फोटो खराब हो जाती है।

- **कैमरे का रेज़ल्यूशन (RESOLUTION) बढ़ाएं –**

  स्मार्टफोन में फोटो की गुणवत्ता अक्सर कैमरे के रेज़ल्यूशन पर निर्भर करती है। कैमरा रेज़ल्यूशन जितना ज़्यादा होगा फोटो उतनी ही शानदार होगी। इसे बढ़ाने के लिए आपको कैमरे की सेटिंग में रेज़ल्यूशन के विकल्प पर जाना होगा।

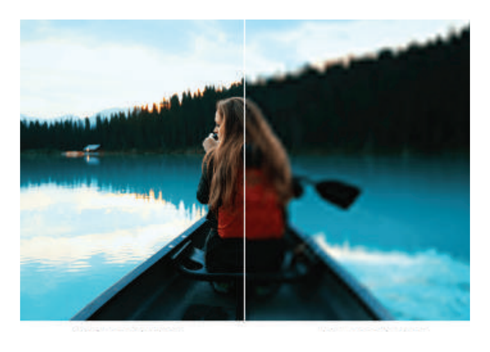

- **फोटो को करें फिल्टर (FILTER) –**

  स्मार्टफोन में फोटो क्लिक करने के बाद आपको फिल्टर का विकल्प मिलता है। जिसके उपयोग से आप क्लिक की गई फोटो में उसकी शैली आदि को बदल सकते हैं। जिससे फोटो को प्रोफेशनल बनाने में आसानी होती है।

- **कैमरा एक्सेसरीज़ का उपयोग –**

  बाज़ार में कई ऐसे स्मार्ट उपकरण (गैजेट्स) उपलब्ध हैं जिन्हें मोबाइल से जोड़ कर आप व्यावसायिक फोटोग्राफी कर सकते हैं। जिनमें कैमरा लैंस, ज़ूम और स्मार्टफोन कैमरा ट्राईपॉड शामिल हैं। इन्हें आप अलग से अपने फोन के कैमरे में उपयोग कर के तस्वीर को और बेहतर कर सकते हैं। ज़ूम क्षमता को बढ़ाने के अलावा आपके पास कैमरा मेगा पिक्सल को बढ़ाने की भी सुविधा होगी।

- **फोटो की जाँच करना है ज़रुरी –**

  फोटो खींचने के तुरंत बाद एक बार फोटो को ज़रूर चेक कर लें। अगर उसमें कोई कमी है तो दुबारा क्लिक कर सकते हैं। इसके लिए आप फोटो की डिटेल (DETAIL) में जाकर देखें कि उसमें आईएसओ (ISO) और ऍपर्चर (APERTURE) है या नहीं; उसमें बदलाव कर फोटो को बेहतर बना सकते हैं।

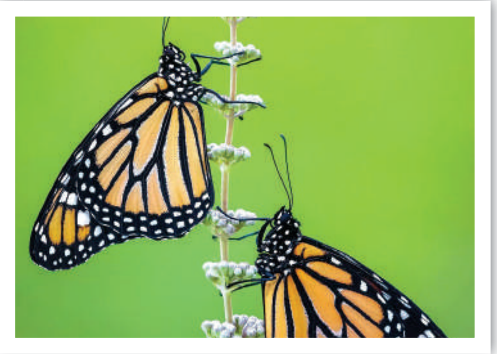

चलिए अब एक उदाहरण के माध्यम से कोशिश करते है कुछ तसवीरें खीचने की। आपके गाँव में ऐसे कई दृश्य होंगे जिनको आप अपने कैमरे में कैद करना चाहेंगे जैसे कि गाँव में आम के पेड़ का बगीचा, गाँव के पास बहती नदी या झरना, गाँव का कोई प्राचीन मंदिर इत्यादि। इनकी आप सुन्दर तस्वीर निकल कर लोगों के साथ साझा कर सकते हैं। मान लीजिये यदि समुदाय का कोई व्यक्ति किसी समस्या से जूझ रहा हो जैसे कि ख़राब सड़क, गन्दी नाली, पीने का पानी, स्कूल की जर्जर हालत इत्यादि को भी आप तस्वीर खींच कर उस व्यक्ति की आवाज़ अन्य लोगों, अधिकारी या प्रशासन तक पहुँचा कर उस व्यक्ति की मदद कर सकते है। ऐसा करने से समुदाय के लोगों का आप पर विश्वास भी बढेगा और ऐसे अच्छे कार्य करने से आपको सभी का मान-सम्मान भी प्राप्त होगा।

समीक्षा प्रश्न

1. क्या किसी भी स्मार्टफोन से फोटोग्राफी की जा सकती है?
2. अच्छी तस्वीर खींचने के लिए हमें किन-किन ज़रुरी बातों का ध्यान रखना चाहिए?
3. रुल ऑफ थर्ड क्या है?
4. तस्वीर धुंधली/ब्लर न हो इसके लिए क्या सावधानी रखनी होगी?
5. लैंडस्केप और पोर्ट्रेट मोड में क्या अंतर है?
6. ऑनलाइन साझा करते वक्त फोटो की क्वालिटी कम न हो इसके लिय क्या-क्या किया जा सकता है?
7. एचडीआर फोटो क्या होता है?
8. स्पष्ट (क्लिअर) फोटो खींचने के लिए किन किन बिंदुओं को ध्यान में रखना होगा ?

प्रोजेक्ट गतिविधि

1. अपने गाँव और आसपास की दस अलग-अलग सुन्दर लैंडस्केप तस्वीरें खींचें
2. अपने समुदाय से दस अलग-अलग लोगों के पोर्ट्रेट खींचें
3. तस्वीरों का विवरण लिखें (25 शब्दों में) फिर ट्विटर और फेसबुक पर #EVolunteer #digitaldemocracy या आपके मुताबिक कोई अन्य हैशटैग लगा कर पोस्ट करें
4. सभी लैंडस्केप और पोर्ट्रेट तस्वीरों को ईमेल या गूगल ड्राइव के माध्यम से संबंधित कोसाझा करें
5. अपने गाँव की कोई भी एक समस्या/मुद्दे पर 7-10 फोटो की फोटो स्टोरी बना कर ट्विटर, फेसबुक और ईमेल पर साझा करें

स्मार्टफोन वीडियोग्राफी

सीखने और समझने के लिए :

- स्मार्टफोन वीडियो कैमरा की उपयोगिता पहचानने के लिए।
- समुदाय के विभिन्न मुद्दों व समस्याओं का वीडियो दस्तावेज़ीकरण करने के लिए।
- वीडियो फाइल/बाइट को सोशल और प्रेस मीडिया से साझा करने के लिए।

परिचय

मोबाइल फोन में कैमरा आने से इस यंत्र की उपयोगिता कई गुना बढ़ गयी। लोग जब चाहें तब अपने खूबसूरत पलों को कैमरे में संजो लेते हैं। ज़्यादातर फोन कैमरे का उपयोग तस्वीर लेने के लिए किया जाता है, लेकिन आज वीडियोग्राफी के मामले में भी मोबाइल कैमरा कम नहीं आंका जा सकता। आज लोग अपने बच्चों का और दोस्तों का वीडियो बनाकर फोन में रखते हैं। इतना ही नहीं, फोन का कैमरा आज इतना ताकतवर हो गया है कि शादी-ब्याह और पार्टी में भी लोग फोन कैमरे का उपयोग वीडियोग्राफी में करने लगे हैं।

फोन से वीडियोग्राफी के दौरान आपको कुछ बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है। आगे हमने ऐसे ही कुछ ज़रूरी उपाए सुझाए हैं जिनकी मदद से आप फोन से बेहतर वीडियो शूट कर सकते हैं।

तकनीकी से जुड़े हुए पहलू (Technical Features) :

- **सेटिंग (Setting)**

  फोटोग्राफी की तरह वीडियो में भी आपके पास सेटिंग्स होती है। यहां आप रौशनी, विभिन्न मोड (MODE) और गुणवत्ता (Resolution) का चुनाव कर सकते हैं। रेज़ल्यूशन को छोड़कर सभी सेटिंग को ऑटो (AUTO) पर रखने की कोशिश करें। यदि आपको फोन के शटरस्पीड (Shutter Speed) और ऍपर्चर (Aperture) की जानकारी नहीं है तो सेटिंग को ऑटो मोड (Auto Mode) पर रखें। फोन में ग्रिडलाइन (Grid Line) का विकल्प है तो उसे ऑन कर दें। इससे मुख्य विषय (SUBJECT) को आपको बीच में रखने में मदद मिलेगी। इससे वीडियोग्राफी बेहतर होती है।

- **रेज़ल्यूशन सेटिंग (Resolution Setting)**

  फोन से वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान गुणवत्ता वाली जिसे रेज़ल्यूशन सेटिंग कहते है, बहुत खास होती है। यदि आप सिर्फ व्हाट्सएप्प (WhatsApp) के लिए वीडियो शूट कर रहे हैं तो कम रेज़ल्यूशन पर इसे सेट कर सकते हैं। वहीं यदि आप किसी बड़े मौके का वीडियो रिकॉर्ड कर रहे हैं, जिसे आप टीवी या लैपटॉप पर प्ले करना चाहते हैं तो ऊंचे रेज़ल्यूशन का उपयोग करें। इससे वीडियो फटेगा नहीं या यूँ कहे की पिक्सलेट (Pixelate) नहीं होगा।

- **फ्लैश (Flash) का उपयोग**

  रिकॉर्डिंग के वक्त फ्लैश के उपयोग से जितना हो सके बचें। रोशनी यदि बहुत ही कम है तभी फ्लैश को चालू रखें। अनावश्यक फ़्लैश के उपयोग से आपके फ़ोन की बैटरी का स्तर तेज़ी से नीचे जाएगा और फिर आपका फ़ोन बीच काम में ही बंद हो सकता है।

- **संग्रहण/मैमोरी (Storage)**

  ध्यान रहे कि वीडियोग्राफी में बहुत ज़्यादा संग्रहण क्षमता (Storage/Memory) की ज़रूरत होती है। ऐसे में आपके फोन में यदि संग्रहण की जगह कम है तो उसे खाली कर लें अन्यथा संग्रहण (मैमोरी) कार्ड है तो आप रिकॉर्डिंग को कार्ड पर सुरक्षित (Save) करें। यदि रिकॉर्डिंग ज़्यादा देर करनी है तो संग्रहण (मैमोरी) का विकल्प पहले से ही तैयार कर लें तो बेहतर होगा।

- **बैटरी (Battery)**

  फोटोग्राफी की अपेक्षा वीडियो में बैटरी का उपयोग भी बहुत ज़्यादा होता है। ऐसे में यदि लंबे समय के लिए आपको वीडियो रिकॉर्ड करना है तो बैटरी को पूरी तरह से चार्ज कर के रखें ताकि आपका काम बाधित न हो।

उपयोग करने के तरीके से जुड़े हुए पहलू (Camera Handling)

- **क्षैतिज अवस्था (Horizontal Mode) में करें उपयोग**

  वीडियो बनाने के दौरान हम ध्यान नहीं देते और फोटोग्राफी की तरह वीडियो में भी फोन को सीधा अर्थात लंबवत कर रिकॉर्ड करने लगते हैं। परंतु यह वीडियोग्राफी का सही तरीका नहीं है। इससे वीडियो कतई भी सही नहीं आएगा। वीडियो रिकॉर्ड के दौरान फोन को हमेशा क्षैतिज अवस्था में ही रखें। इससे वीडियो का उपयोग आप हर जगह कर पाएंगे। यू-ट्यूब हो या दूसरे सोशल नेटवर्किंग साइट, क्षैतिज अवस्था में बनाई गई वीडियो को आसानी से अपलोड किया जा सकता है।

- **दोनों हाथों का करें उपयोग**

  वीडियो बनाने के क्रम में कोशिश यही करें कि फोन को दोनों हाथों से पकड़ें। इससे फोन कम हिलेगा और आप बेहतर वीडियो बना सकते हैं। कई फोन में कैमरा बिल्कुल कोने में होता है इस कारण अक्सर वीडियोग्राफी के दौरान उंगली कैमरे के सामने आ जाती है। ऐसे में आप रिकॉर्डिंग के वक्त उंगली का ध्यान रखें और हो सके तो रिकॉर्डिंग शुरु करने से पहले एक दो बार ट्रायल कर लें।

- **माइक्रोफोन (MIC) का रखें ध्यान**

  फोन से वीडियो बनाने के क्रम में माइक्रोफोन का भी ध्यान रखना ज़रूरी है। यदि उंगली माइक्रोफोन पर आ जाती है तो अच्छी वीडियो के बावजूद आवाज़ खराब हो जाएगी और आपकी पूरी मेहनत बेकार जाएगी। ऐसे में ज़रूरी है कि आप माइक्रोफोन पर उंगली न रखें।

- **ज़ूम (Zoom) से बचें**

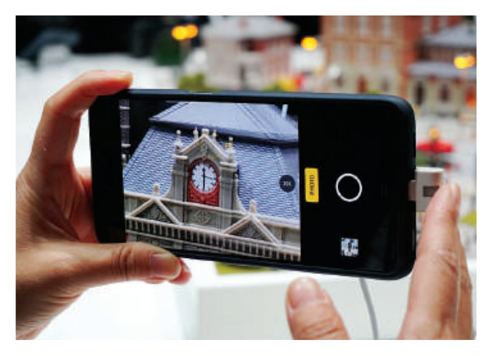

फोटोग्राफी में तो फिर भी दोगुना (2X) तक के ज़ूम का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन अच्छी वीडियो रिकॉर्ड करना चाहते हैं तो ज़ूम का उपयोग बिल्कुल भी न करें। मोबाइल फोन में डिजिटल ज़ूम का उपयोग होता है और इसका उपयोग वीडियो को खराब करने के बराबर ही है। वीडियोग्राफी के दौरान जितना हो सके विषय (Subject) के नज़दीक रहें। फोन का लैंस (Lens) काफी छोटा होता है ऐसे में दूर से वीडियो रिकॉर्ड करना वीडियो खराब करने के समान ही है।

- **रोशनी का ध्यान रखें**

फोन से रिकॉर्डिंग के दौरान कोशिश करें कि रोशनी विषय पर ही पड़े न कि कैमरे पर। यदि रोशनी विषय की विपरीत दिशा में है तो रिकॉर्डिंग थोड़ा अंधेरा और काला होगा। कभी-कभार प्रभाव (Effects) डालने के लिए आप इसका प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन हमेशा सही नहीं होगा।

- **ट्राईपॉड का उपयोग करें**

यदि लंबी रिकॉर्डिंग करनी है तो ट्राईपॉड का उपयोग करना बेहतर होगा। इससे फोन हिलेगा नहीं और रिकॉर्डिंग भी बेहतर होगी। बाज़ार में आज फोन के लिए भी कई ट्राईपॉड उपलब्ध हैं।

व्यावहारिक सावधानियां

- **खुद की आवाज़ और सांस पर नियंत्रण रखें**

  मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड के दौरान आप फोन के बेहद करीब होते हैं और माइक्रोफोन भी आपके नज़दीक होता है। ऐसे में आपकी हल्की सी आहट भी फोन में रिकॉर्ड हो जाती है। इसलिए ज़रूरी है कि कैमरे के पीछे रहकर बिल्कुल भी न बोलें और अपनी सांसों पर भी नियंत्रण रखें। यदि आप ज़ोर से सांस भी लेते हैं तो वह रिकॉर्ड हो जाएगी और आपका पूरा वीडियो खराब हो जाएगा।

- **लैंस की सफाई (Lens Cleaning)**

  अक्सर हम जब फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी कर चुके होते हैं तब पता चलता है कि वह धुंधली हुई आई है। इसके दो कारण होते हैं। एक तो आपका विषय सही तरह से फोकस नहीं हो पाया और दूसरा अक्सर लैंस गंदा होता है। लैंस फोन के पीछे होता है और कभी उस पर उंगली लगती है तो कभी हाथ। इस कारण वह गंदा हो जाता है। ऐसे में वीडियो रिकॉर्ड करने से पहले लैंस को हमेशा अच्छी तरह से साफ कर लें।

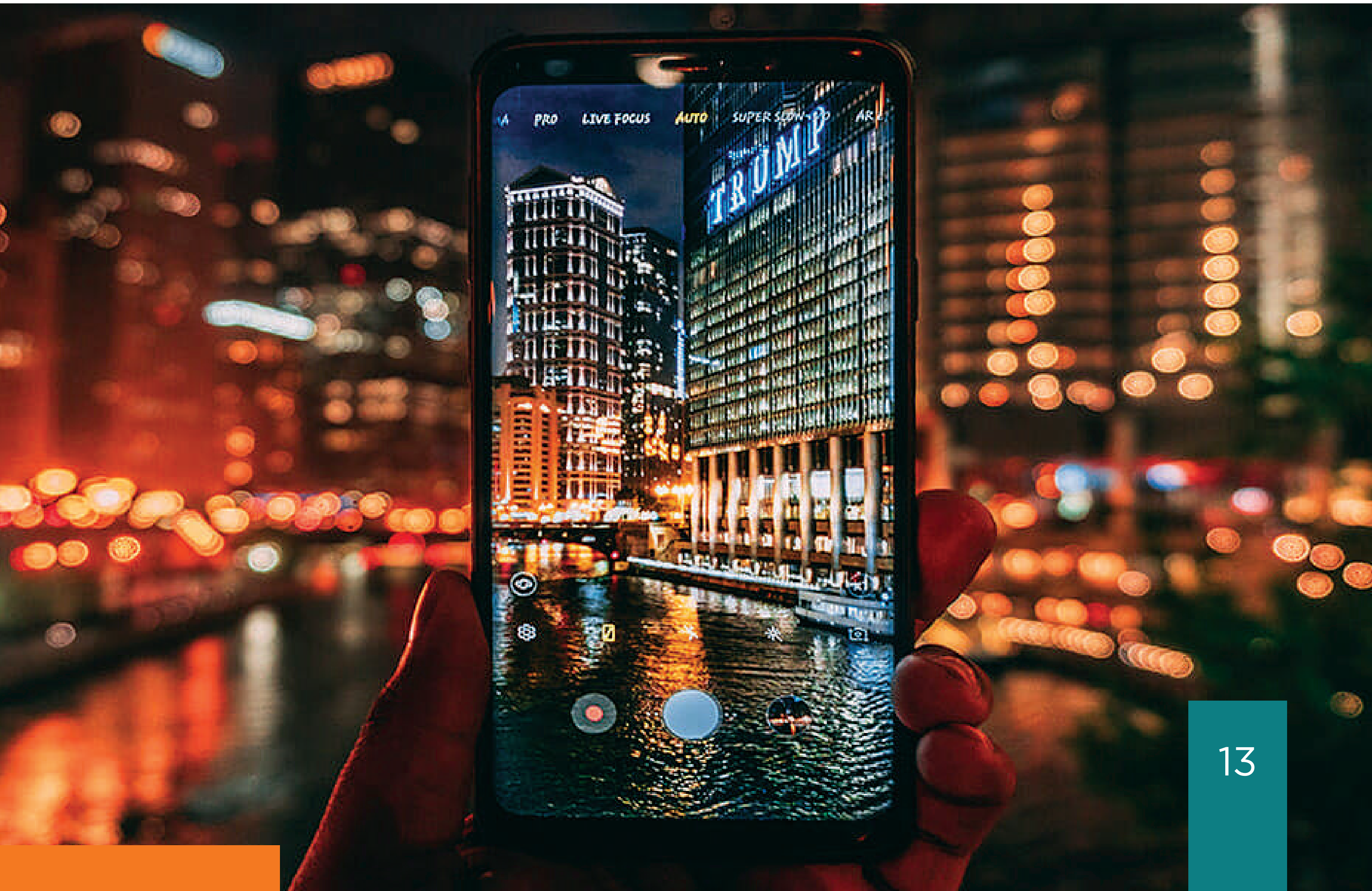

- **कैमरा कम घुमाएँ (Camera Movement)**

  फोन से वीडियो रिकॉर्ड करने के क्रम में इस बात का ध्यान रखें कि कैमरे को कम से कम घुमाएं और हिलाएं और यदि कैमरा घुमाना है तो बेहद धीमे-धीमे इसे करें। तेज़ी से घुमाते वक्त वीडियो खराब हो जाएगी।

  आईये अब ज़रा कुछ उदाहरण के तौर पर स्मार्टफोन के माध्यम से कोशिश करते हैं कुछ अच्छे वीडियो रिकॉर्डिंग की। आपके गाँव में ऐसे कई दृश्य, जगह या व्यक्ति होंगे जिनके बारे में आप सभी को बताना चाहते होंगे, जैसे कि गांव में आम के पेड़ का बगीचा, या कोई पास की पहाड़ी, गांव के पास बहती नदी या झरना, गांव का कोई प्राचीन मंदिर, गाँव का मुखिया, सरपंच, बुज़ुर्ग, महिला, किशोरी या बच्चा जो की गांव और समुदाय के हित में अच्छा कार्य कर रहा हो। जिनके आप वीडियो बना कर लोगों के साथ साझा कर सकते हैं। मान लीजिये यदि समुदाय का कोई व्यक्ति किसी समस्या से जूझ रहा हो जैसे कि ख़राब सड़क, गन्दी नाली, पीने का पानी, स्कूल की जर्जर हालत इत्यादि को भी आप वीडियो शूट कर के उस व्यक्ति की आवाज़ अन्य लोगों, अधिकारी या प्रशासन तक पहुंचा कर उस व्यक्ति की मदद कर सकते हैं। ऐसा करने से समुदाय के लोगों का आप पर विश्वास भी बढेगा और ऐसे अच्छे कार्य करने से आपको सभी का मान-सम्मान भी प्राप्त होगा।

समीक्षा प्रश्न

1. वीडियो शूट करते समय मोबाइल कैमरा किस अवस्था में रखना चाहिए?
   (Horizontal/Portrait)
2. वीडियो अगर टीवी या कंप्यूटर स्क्रीन पर प्ले करना हो तो शूट करते वक्त कैमरा रेज़ल्यूशन कितना होना चाहिए?
   (न्यूनतम LOW / मध्यम MEDIUM / उच्चतर HIGH)
3. अच्छे वीडियो शूट के लिए रोशनी का स्रोत कहाँ होना चाहिए?
   (कैमरे के सामने / कैमरे के ऊपर / कैमरे के थोड़ा पीछे)
4. वीडियो किस कारण से धुंधला आ सकता है?
   (सही से फोकस न करना, विषय पर कम रोशनी होना, कैमरा लैंस साफ़ न होना, यह सभी)
5. फोन ठीक से काम करे इसके लिए वीडियो फाइल कहां सुरक्षित करना चाहिए?
   (फोन संग्रहण या कार्ड संग्रहण)
6. अच्छी गुणवत्ता का वीडियो बने इसके लिए क्या क्या सावधानियां रखनी होंगी?
   (कोई भी 5 बिंदुओं का उल्लेख करें)
7. वीडियो में अच्छी ऑडियो रिकॉर्डिंग के लिए महत्वपूर्ण बातें बताएं?
8. शूट करते वक्त वीडियो में स्थिरता कैसे प्राप्त की जा सकती है?
9. वीडियो सेटिंग्स में ग्रिडलाइन चालू क्यों रखा जाता है?
10. वीडियो शूट में हर वक्त फ्लैश चालू रखने से क्या दिक्कत आ सकती है?

प्रोजेक्ट गतिविधि

11. अपने गांव और आसपास की खासियत को दर्शाने के लिए दस अलग-अलग वीडियो शूट करें
12. अपने गांव की समस्याओं को ध्यान में रख, समुदाय के दस अलग-अलग लोगों का इंटरव्यू रिकॉर्ड करें
13. रिकॉर्ड किए गए सभी वीडियो (जिनकी गुणवत्ता अच्छी हो) को गूगल ड्राइव पर अपलोड करें और पर ईमेल पर साझा करें
14. इंटरव्यू वीडियो (जिनकी लम्बाई 60 सेकंड हो) को चुनकर ट्वीटर पर #EVolunteer #digitaldemocracy हैशटैग के साथ पोस्ट करें (कोई भी 6)

स्मार्टफोन वीडियो संपादन (Video Editing)

सीखने और समझने के लिए :

- वीडियो संपादन की प्रक्रिया सीखने के लिए
- KineMaster वीडियो संपादन एप्प की उपयोगिता समझने के लिए
- KineMaster एप्प चलाना और वीडियो बनाना
- गांव की खासियत, खूबियों, समस्याओं और मुद्दों पर छोटे छोटे वीडियो बना कर ऑनलाइन मीडिया पर साझा करने के लिए

परिचय

टेलीविज़न हमारी जिंदगी से किसी पारिवारिक सदस्य की तरह जुड़ गया है। टेलीविज़न के कार्यक्रम देखते हुए दर्शक अक्सर तरह-तरह के दृश्यों, उनकी चाल, गति और ध्वनि प्रयोगों से प्रभावित हुए बिना नहीं रहते हैं। किसी भी दृश्य को सिलसिलेवार गति प्रदान करने में संपादन का योगदान सबसे ज़्यादा होता है। टीवी कार्यक्रम निर्माण में जितना महत्व निर्देशक (Director) या छायाकार (Cinematographer) का है, उतना ही महत्वपूर्ण काम वीडियो संपादक (Video Editor) का भी है।

टीवी कार्यक्रम निर्माण के महत्वपूर्ण चरण

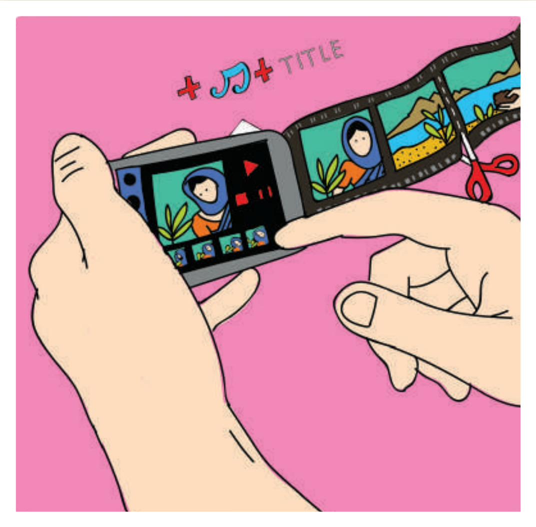

मुख्यतः किसी भी टीवी कार्यक्रम का निर्माण तीन चरणों में पूरा होता है। पहला चरण होता है विषय-वस्तु और अवधारणा पर काम करना, शोध (Research) करना, पटकथा लिखना व फिल्मांकन के लिए तमाम तैयारी करना। उसके बाद फिल्मांकन का चरण आता है। फिर इसे स्टूडियो या बाहरी स्थान पर फिल्माया जाता है। सबसे आखिर में आता है वीडियो संपादन का चरण। यहां, दृश्यों और ध्वनियों की रिकॉर्डिंग को एक साथ मिलाया जाता है। इस चरण में आवश्यकतानुसार विशेष प्रभाव, संगीत व ग्राफिक्स (Graphics) को जोड़ा जाता है।

वीडियो कार्यक्रम देखते समय दर्शक जिन दृश्यों को देखकर प्रभावित होता है, उसमें होता है निर्देशक की प्रतिभा का कमाल, लेकिन इस कमाल को बेमिसाल बनाने में वीडियो संपादन का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होता है। किसी भी वीडियो कार्यक्रम में वीडियो संपादक का फिल्म बनाने की प्रक्रिया में उल्लेखनीय योगदान देता है। इसमें फिल्म का सौंदर्य पक्ष भी शामिल होता है।

वीडियो संपादक का काम

वीडियो संपादक का प्रमुख काम चित्र, दृश्यों की गति, भिन्न-भिन्न प्रभाव, ध्वनियों, फिल्म तथा वीडियो का संपादन करना है। वीडियो संपादक फिल्माए गये टेप में से दृश्यों के अनुक्रम को सिलसिलेवार तरीके से जमाने के साथ-साथ दर्शकों को आकर्षित करने के लिए आवश्यक ध्वनि संगीत व प्रभाव को जोड़ता है। वीडियो संपादक का कौशल ही अंतिम उत्पाद की गुणवत्ता और प्रभाव निर्धारित करता है ।

वीडियो संपादक दृश्यों के विश्लेषण, उनके मूल्यांकन, उनकी काट-छाँट, उन्हें जमाने या जोड़ने के लिए आधुनिकतम उपकरणों का उपयोग करते हैं। आमतौर पर, वीडियो संपादन करने वाले उपकरणों और मशीनों की मदद से एडिटिंग या संपादन का काम किया जाता है। यह कार्य निश्चित रूप से थका देने वाला होता है, क्योंकि इसमें बहुत सारा समय खपाना पड़ता है, लेकिन अब कम्प्यूटर टेक्नॉलॉजी का उपयोग कर के यह कार्य डिजिटल रूप से किया जाने लगा है। डिजिटल संपादन में सारे वीडियो और ऑडियो डेटा को हार्ड डिस्क पर स्थानांतरण कर लिया जाता है या किसी अन्य डिजिटल संग्रहण यंत्र पर ले लेने के बाद संपादन के लिए उपलब्ध कई तरह के सॉफ्टवेयर और एंड्राइड एप्प की मदद से संपादन कर ली जाती है।

संपादन क्या है?

संपादन का मतलब होता है कुछ बदलना यानी पहले से किये गये काम में कुछ फेरबदल करना या कुछ जोड़ना-घटाना। संपादन या एडिटिंग (Editing) शब्द कंप्यूटर से सम्बंधित है। वैसे आमतौर पर एडिटिंग का काम मोबाइल, कंप्यूटर, इंटरनेट इत्यादि की मदद से कभी भी, कहीं भी हो सकता है। संपादन से एकदम साधारण चीज़ों को भी काफी अच्छा बनाया जा सकता है। अगर आप कोई वीडियो या फिल्म अपने कैमरा या मोबाइल से बना कर और फिर उसे सम्पादित कर उसमें अच्छा संगीत, रौशनी, प्रभाव इत्यादि लगा दें तो वह पहले के मुकाबले ज़्यादा अच्छा लग सकता है। वीडियो और संगीत संपादन करने के लिए काफी सॉफ्टवेयर और एप्प आते हैं जैसे: KineMaster, Wondershare Filmora, Pinnacle Studio 16 Ultimate, AVS Video Editor, Adobe Premiere Elements 11, Final Cut Pro X, iMovie 11, Cy-berLink PowerDirector, Magix Movie Edit Pro इत्यादि। संपादन करके फिल्मों और गानों को काफी रोचक बनाया जाता है। संपादन का काम आप कंप्यूटर और मोबाइल से कर सकते हैं। वैसे कंप्यूटर से संपादन का काम बेहतर होता है, लेकिन आप चाहें तो किसी वीडियो के लिए छोटी-मोटी संपादन की प्रक्रिया अपने स्मार्टफोन में कर सकते हैं ।

KineMaster एप्प से वीडियो संपादन की प्रक्रिया

चरण 1 :- गूगल प्ले स्टोर से अपने फोन पर KineMaster एप्प स्थापित (Install) करें। स्थापित (Install) करने के बाद जब आप एप्प को खोलेंगे (Open) करेंगे तो स्क्रीन पर जोड़ (+) के चिह्न वाला लाल गोला दिखाई देगा। नये वीडियो संपादन प्रोजेक्ट के लिए इस चिह्न पर ऊँगली रखिये।

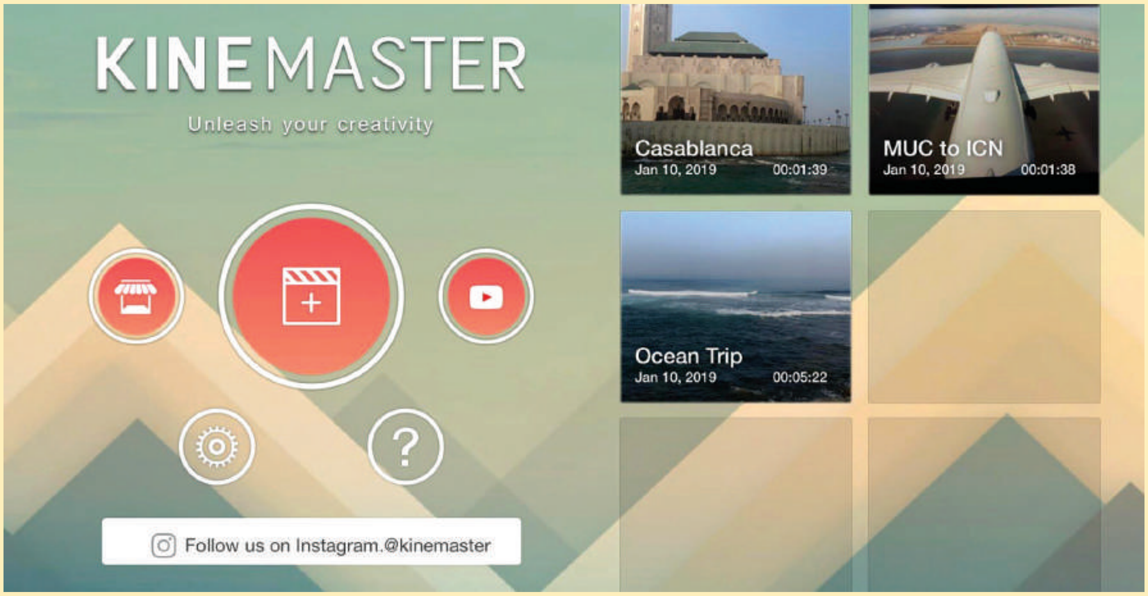

चरण 2 :- अब आपको PROJECT ASSIGNMENTवाले गोले पर ऊँगली से छूना होगा ।

चरण 3 :- आपके फ़ोन के स्क्रीन पर एडिटिंग टाइमलाइन खुल जाएगा ।

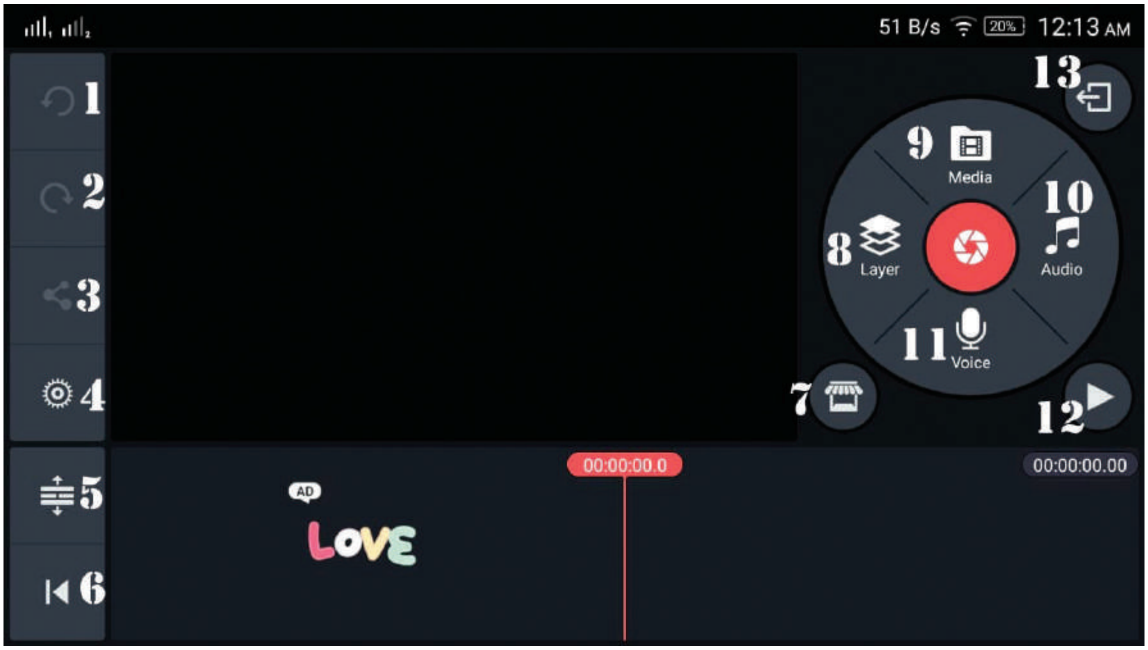

चरण 4 :- जिन क्लिप्स, फोटोज़, स्क्रीन्शॉट्स इत्यादि को एडिट करना चाहते हैं आप उन्हें MEDIA BROWSERसे चुन सकते हैं।

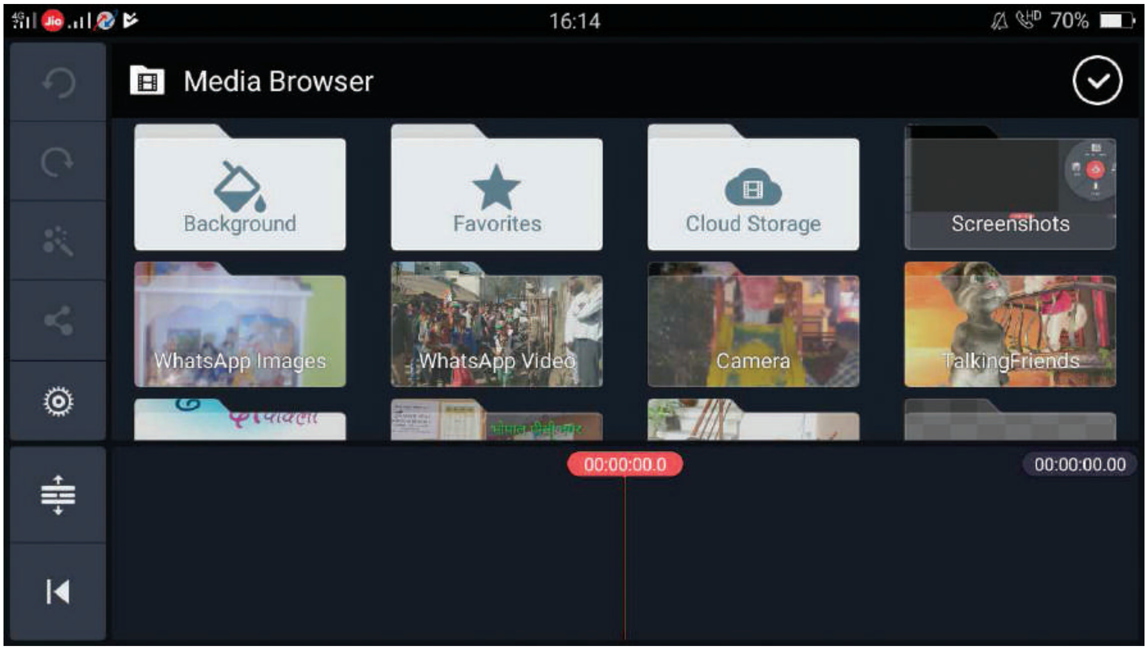

चरण 5 :- संपादन के लिये जिस फोल्डर से आपको वीडियो चाहिए, आप उस फोल्डर ऊँगली से छू लीजिये। आपको सभी वीडियो दिखने लग जाएंगे।

चरण 6 :- अब आप एक-एक करके क्लिप्स चुनते जाइये। चुनी गयीं क्लिप्स टाइमलाइन की निचली पट्टी पर रील की तरह दिखने लगेगी।

चरण 7 :- क्लिप्स सिलेक्शन के बाद आपको एडिटिंग टाइमलाइन भरा हुआ दिखने लगेगा और स्क्रीन पर क्लिप प्ले भी कर सकते हैं।

चरण 8 :- नीचे वाली पट्टी पर आप क्लिप को दाएँ-बाएँ करके देख सकते हैं। जब आप क्लिप पर दाएँ-बाएँ खींचेंगे तो स्क्रीन की दाएँ ओर आपको कैंची का विकल्प दिखेगा जिसकी मदद से आप क्लिप की काट-छांट कर सकते हैं।

चरण 9 :- क्लिप पर दिखाई दे रही लाल रेखा के माध्यम से आप क्लिप की टाइमिंग देख सकते हैं। TRIM/SPLITसे आप चाही गई जगह से क्लिप काट सकेंगे।

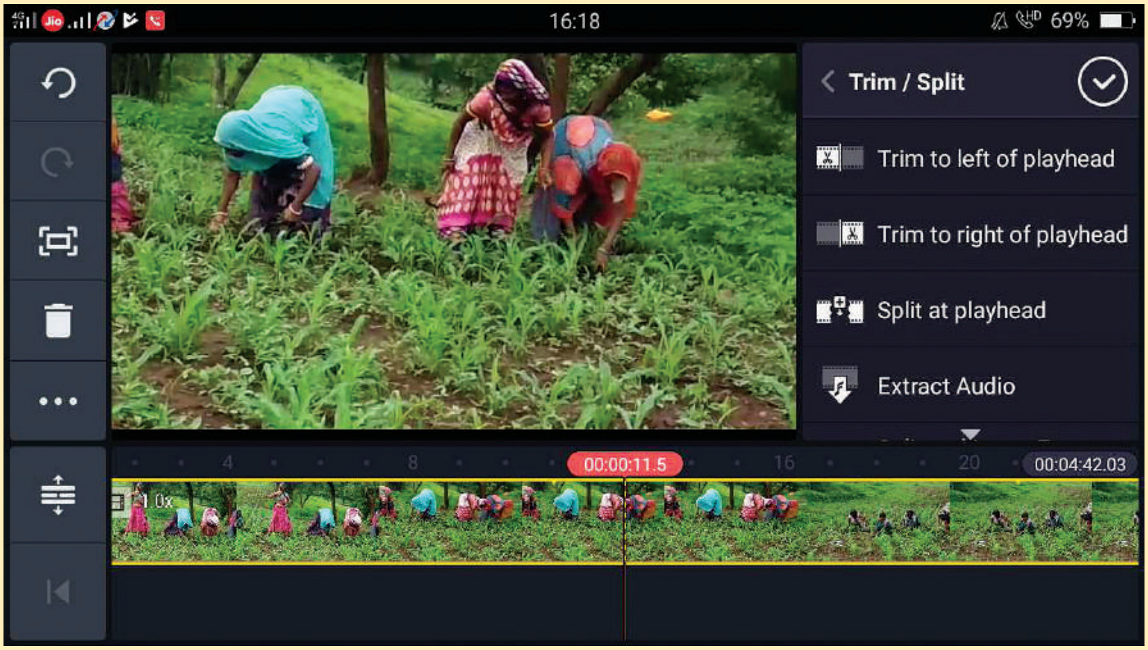

चरण 10 :- जब क्लिप पर कट हो जायेगा तो नीचे पट्टी पर क्लिप के दोनों भागों के बीच सिलेटी डब्बा दिखने लग जाता है।

चरण 11 :- LAYERकी मदद से आप क्लिप पर टेक्ष्ट, इमेज, स्टिकर और हैण्ड राइटिंग जोड़ सकते हैं ।

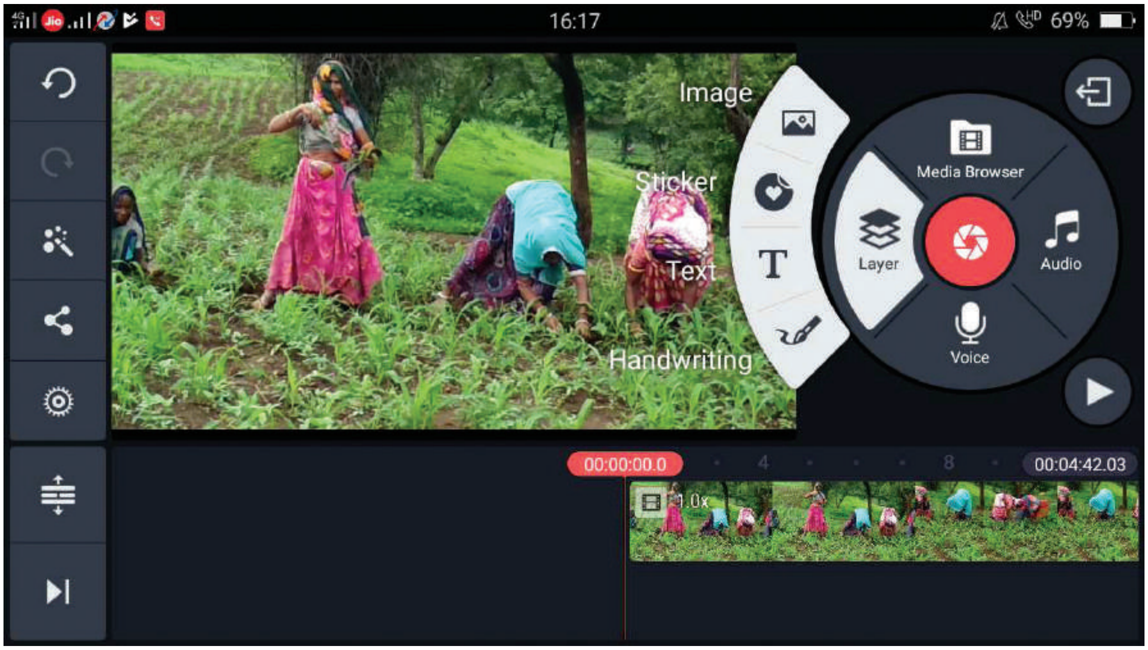

चरण 12 :- Text को छूते ही स्क्रीन पर टाइपिंग बोर्ड खुल जायेगा । आप टाइटल/सबटाइटल डाल कर OKकरेंगे तो टेक्ष्ट वीडियो पर आ जाएगा और CANCELसे टेक्स्ट हट जाएगा ।

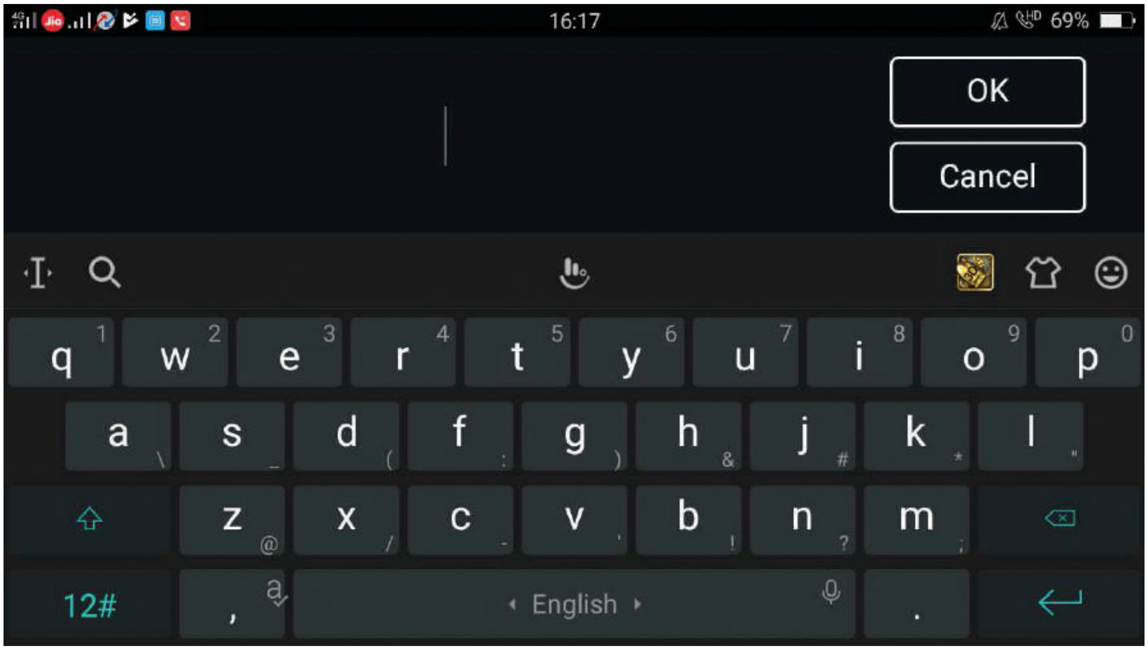

चरण 13 :- OKकरने के बाद टेक्ष्ट पर COLORप्लेट से आप मनचाहा रंग चुन सकते हैं।

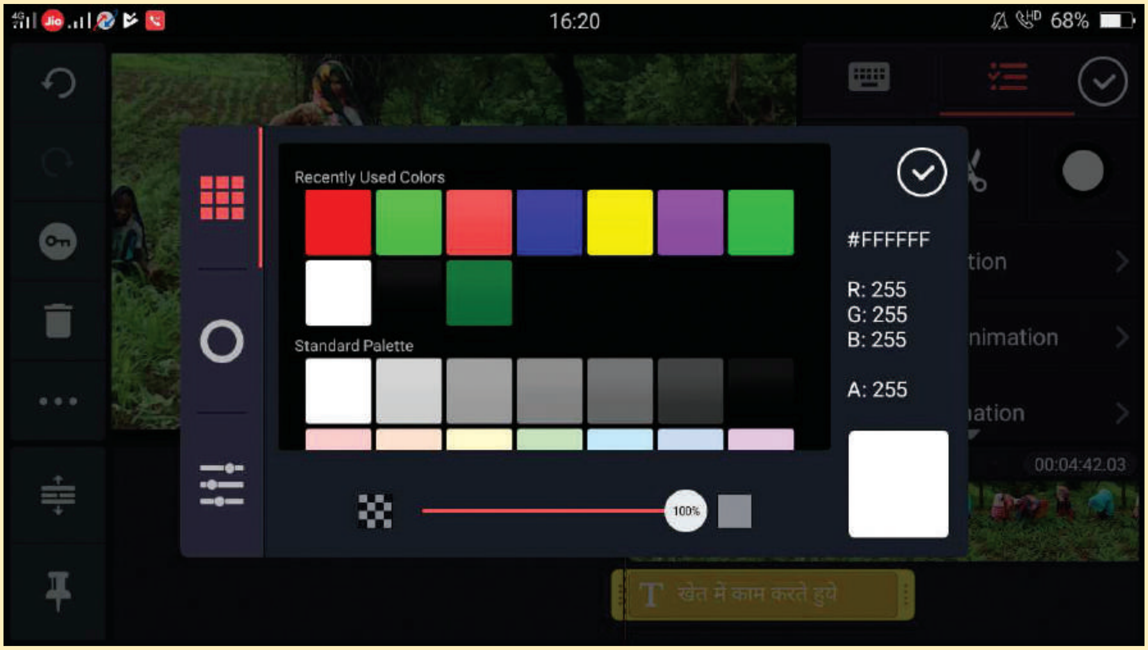

चरण 14 :- 14 टेक्स्ट फाइनल करते ही टाइमलाइन की निचली पट्टी पर T नाम की पीली टेम्प्लेट जुड़ जाएगी।

चरण 15 :- आप टेक्स्ट में एनीमेशन भी जोड़ सकते हैं। In Animation वाले विकल्प से वीडियो आकर्षक बन सकता है, पर ऐसा हर बार ज़रूरी नहीं। कई बार एनीमेशन से वीडियो ख़राब भी दिखता है।

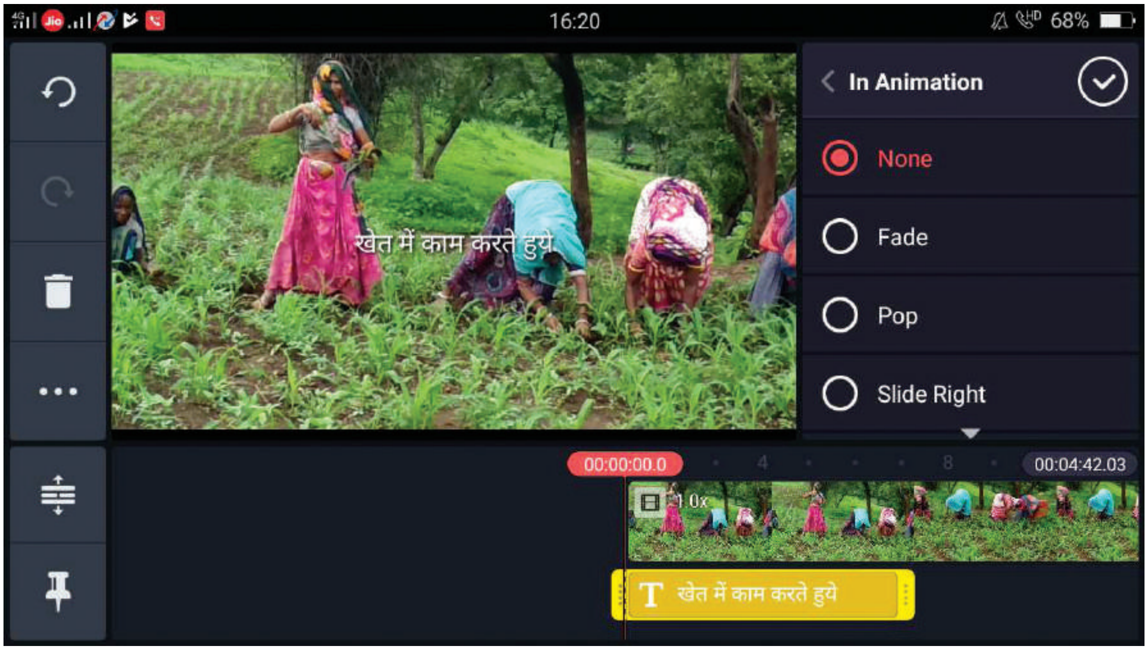

चरण 16 :- जिस तरीके से हमने एडिटिंग टाइमलाइन में वीडियो क्लिप डाली उसी तरह AUDIO BROWSERसे संगीत डाल सकते हैं। यह काम हम पृष्ठ-संगीत, गाने या कथानक के लिए करते हैं।

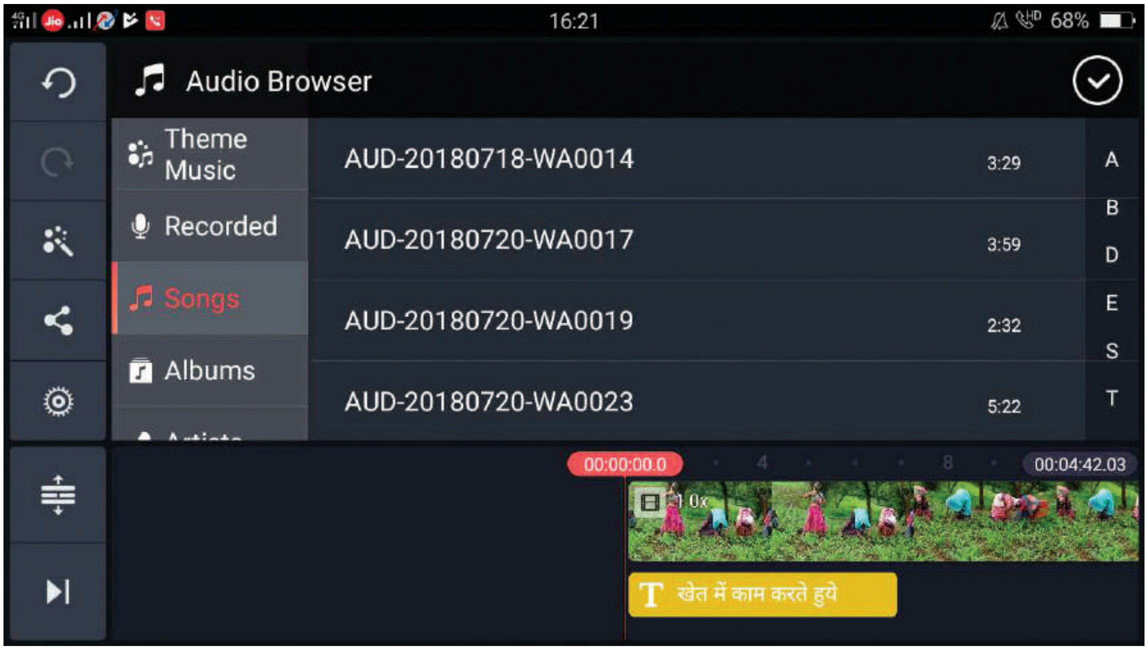

चरण 17 :- Audio Browserमें आप विभिन्न फोल्डर देख सकते हैं जैसे Theme Music, Recorded, Songs, Albumsइत्यादि । फोल्डर पर टेप करने पर आपको फोल्डर की सभी ऑडियो फाइल दिख जाएँगी जिनमें से आप ऑडियो प्ले करके फाइनल ऑडियो चुन सकते हैं ।

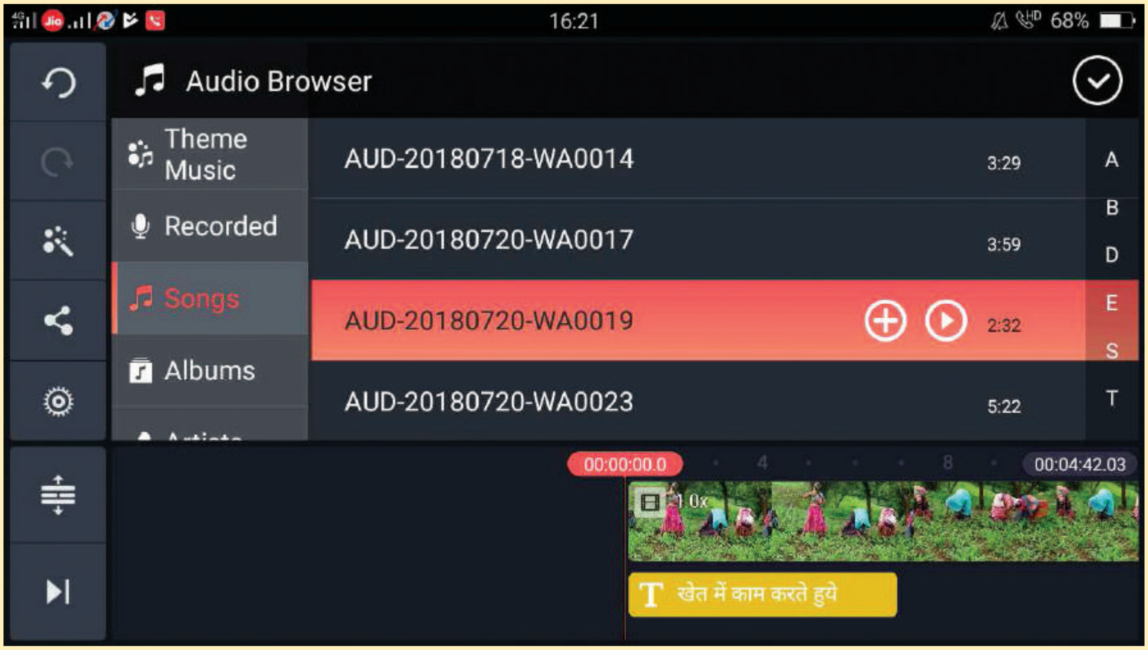

चरण 18 :- ऑडियो का चुनाव करते ही आपको टाइमलाइन के सबसे नीचे हरी पट्टी में ऑडियो ट्रैक दिखने लग जाएगा जिसे आप आगे पीछे खींच कर समायोजित कर सकते हैं ।

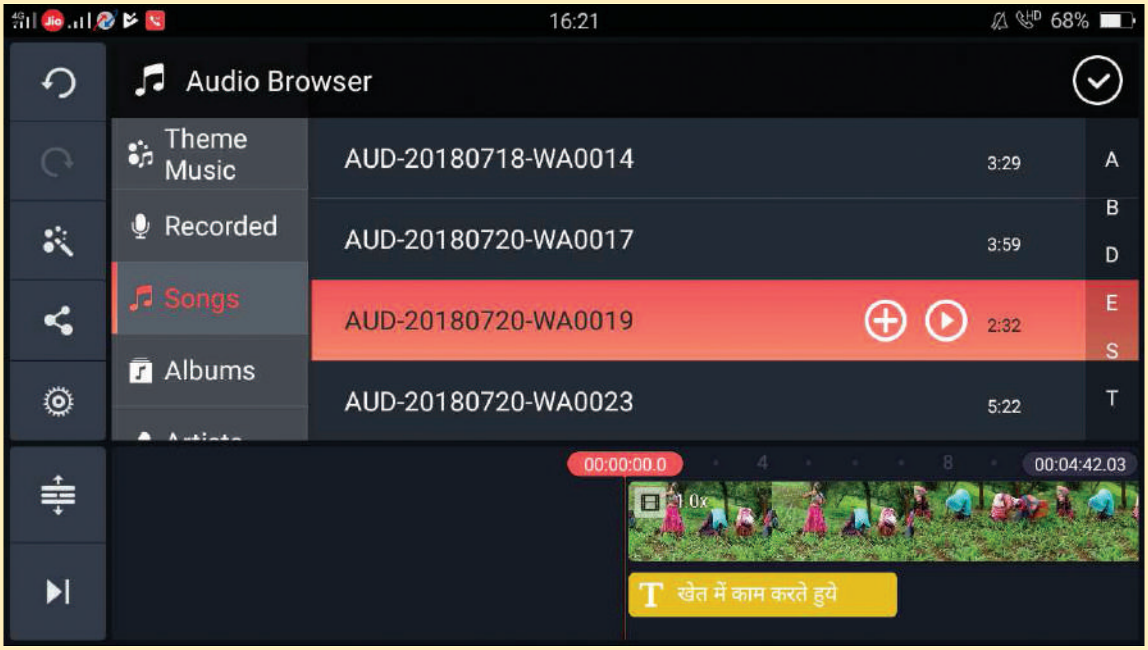

चरण 19 :- एडिटिंग खत्म करने के बाद फाइनल वीडियो प्रोजेक्ट सुरक्षित (Save) कर लें। सुरक्षित (Save) करते ही वीडियो प्रोजेक्ट KineMaster की गैलरी में संग्रहित हो जाता है। डिफ़ॉल्ट सेटिंग के चलते एप्प, प्रोजेक्ट को UNTITLEDनाम देता है जिसे आप अपने अनुसार नामांकित (Rename) कर सकते हैं।

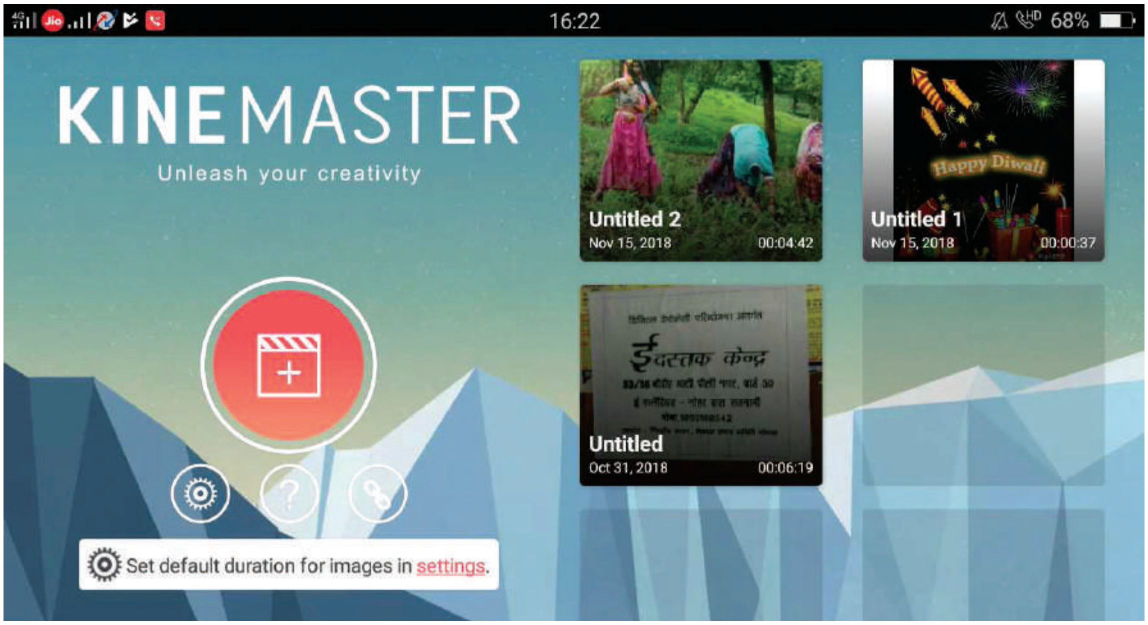

चरण 20 :- प्रोजेक्ट को वीडियो फाइल में बदलने के लिए उस पर ऊँगली से छू लीजिये। इसके बाद, दूसरे गोले पर ऊँगली से छूना होता है। अगर आपको प्रोजेक्ट डिलीट करना है तो चौथे गोले पर छू कर डिलीट कर सकते हैं।

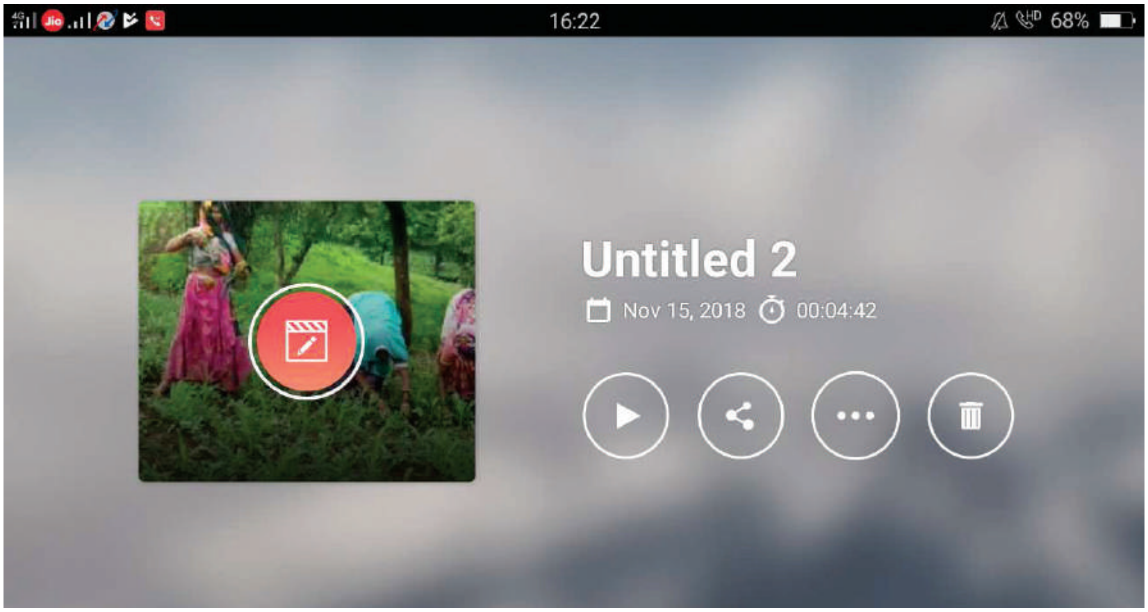

चरण 21 :- दुसरे गोले पर छूने पर आपको SAVE VIDEO TO GALLERY का विकल्प दिखाई देगा। इसके अलावा अगर आप इस वीडियो को सोशल मीडिया साइट्स जैसे YOUTUBE, FACEBOOK, GOOGLE, DROPBOX इत्यादि पर अपलोड करना चाहते हैं तो सीधे साझा कर सकते हैं।

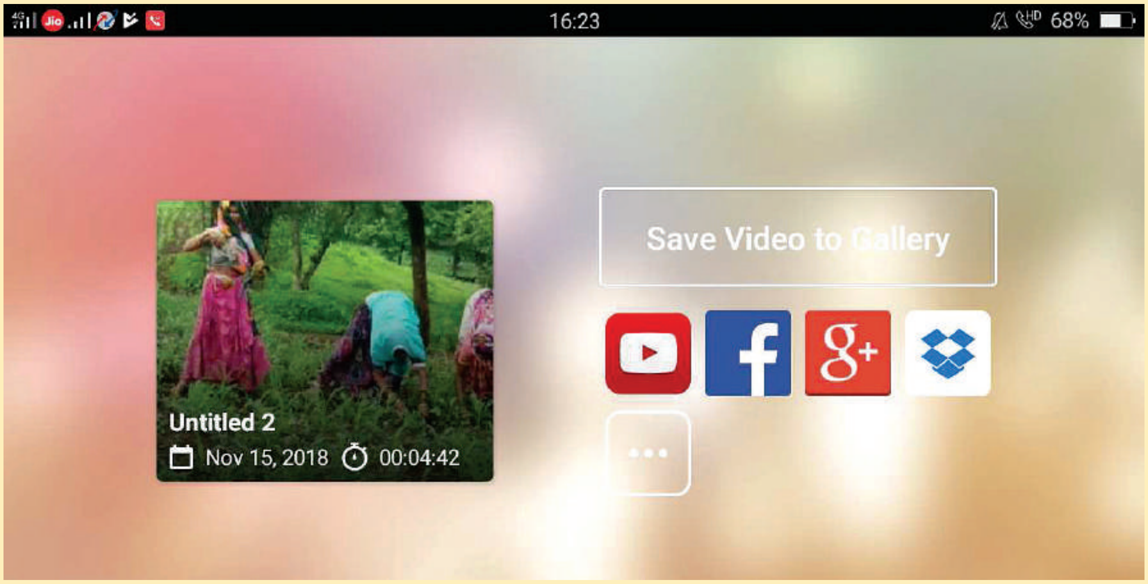

चरण 22 :- फ़ोन की गैलरी में वीडियो सुरक्षित (Save) करने के लिए हम जब SAVE VIDEO TO GALLERYकरते हैं तो KineMaster हमें अलग अलग वीडियो रिसोलुशन का विकल्प देता है।

रेज़ल्यूशन (Resolution) मतलब गुणवत्ता। वीडियो जितने ज्यादा रेज़ल्यूशन का होगा, स्क्रीन पर देखने में उतना स्पष्ट और बेहतर होगा।

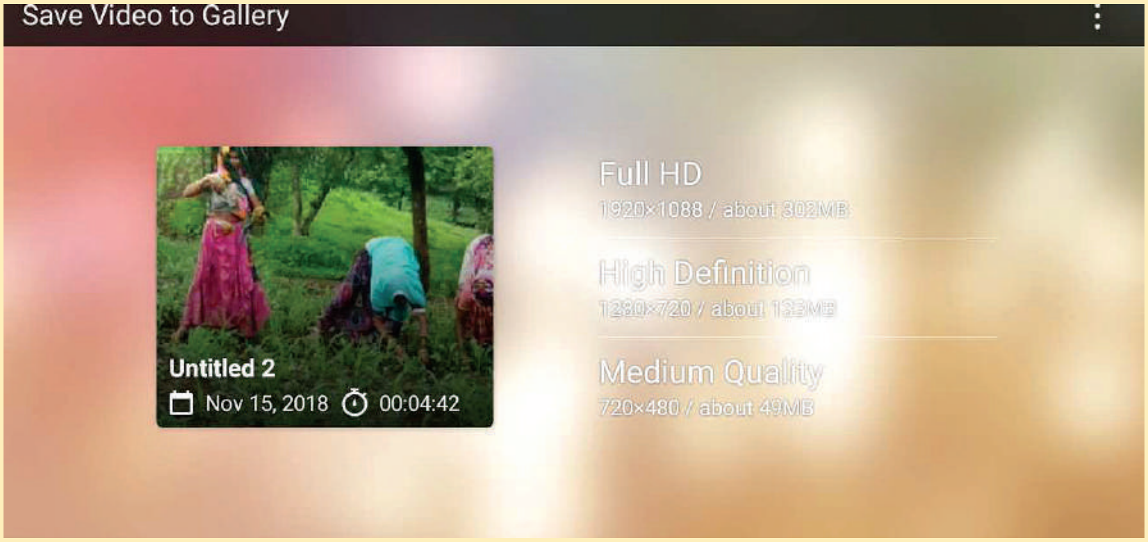

चरण 23 :- वीडियो रेज़ल्यूशन सेलेक्ट होने के बाद आपका वीडियो एक्सपोर्ट होने लग जाएगा ।

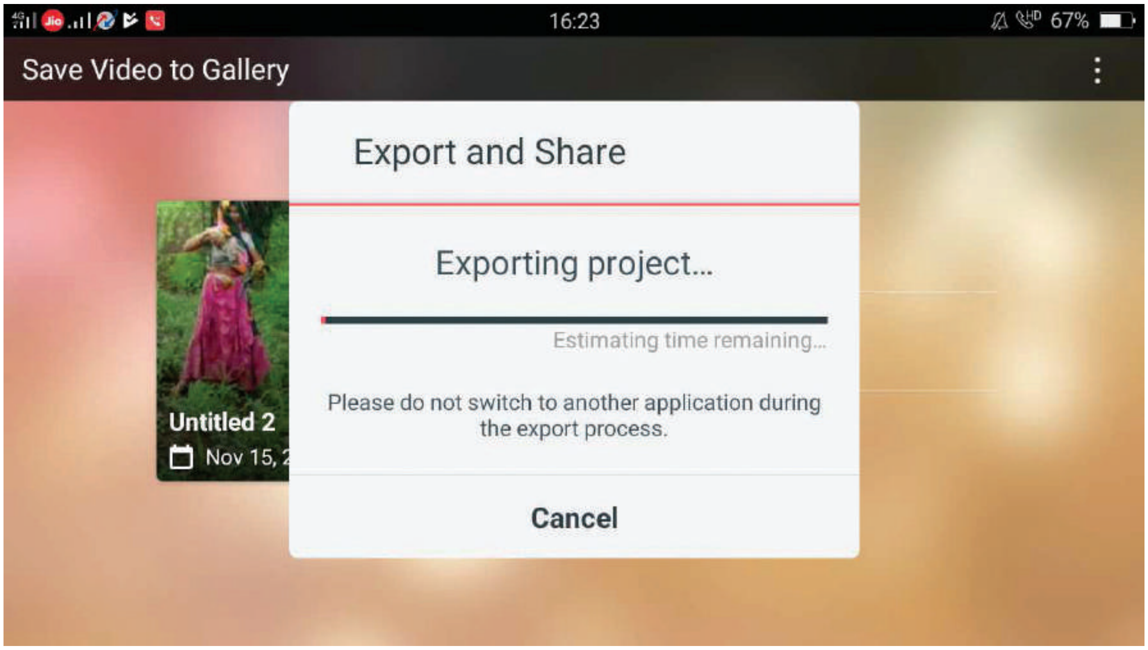

कुछ ही मिनटों में लाल पट्टी के पूरा होते ही आपका वीडियो, गैलरी में SAVE हो जाएगा। जिसे आप प्ले और साझा (SHARE) कर सकते हैं ।

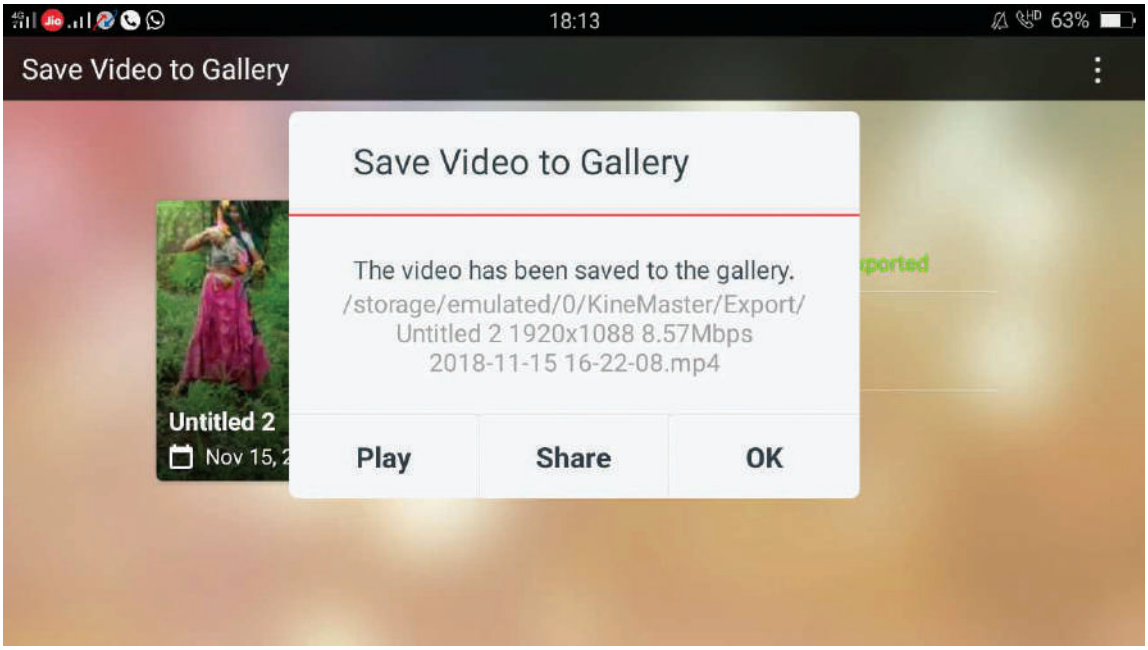

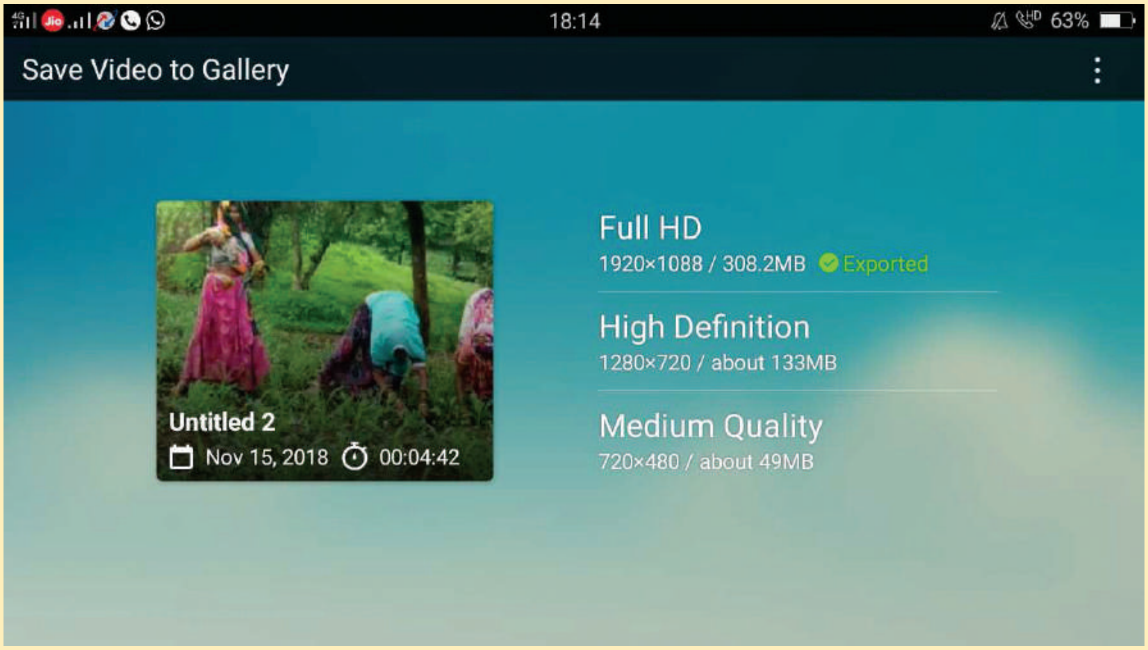

OK करते ही आपका वीडियो KineMaster की गैलरी में सही चिन्ह के साथ Exported दिखने लगेगा, जो यह संकेत देता है कि वीडियो फाइल, फ़ोन की गैलरी पर स्टोर हो चुकी है। जिसे आप अपने फ़ोन के गैलरी फोल्डर में जाकर देख सकते हैं। आपने जिस नाम से वीडियो प्रोजेक्ट सुरक्षित (Save) किया था, सम्पादित वीडियो उसी नाम से गैलरी में दिखाई देगा। अगर कोई नाम नहीं दिया था तो डिफ़ॉल्ट नाम UNTITLED से दिखाई देगा।

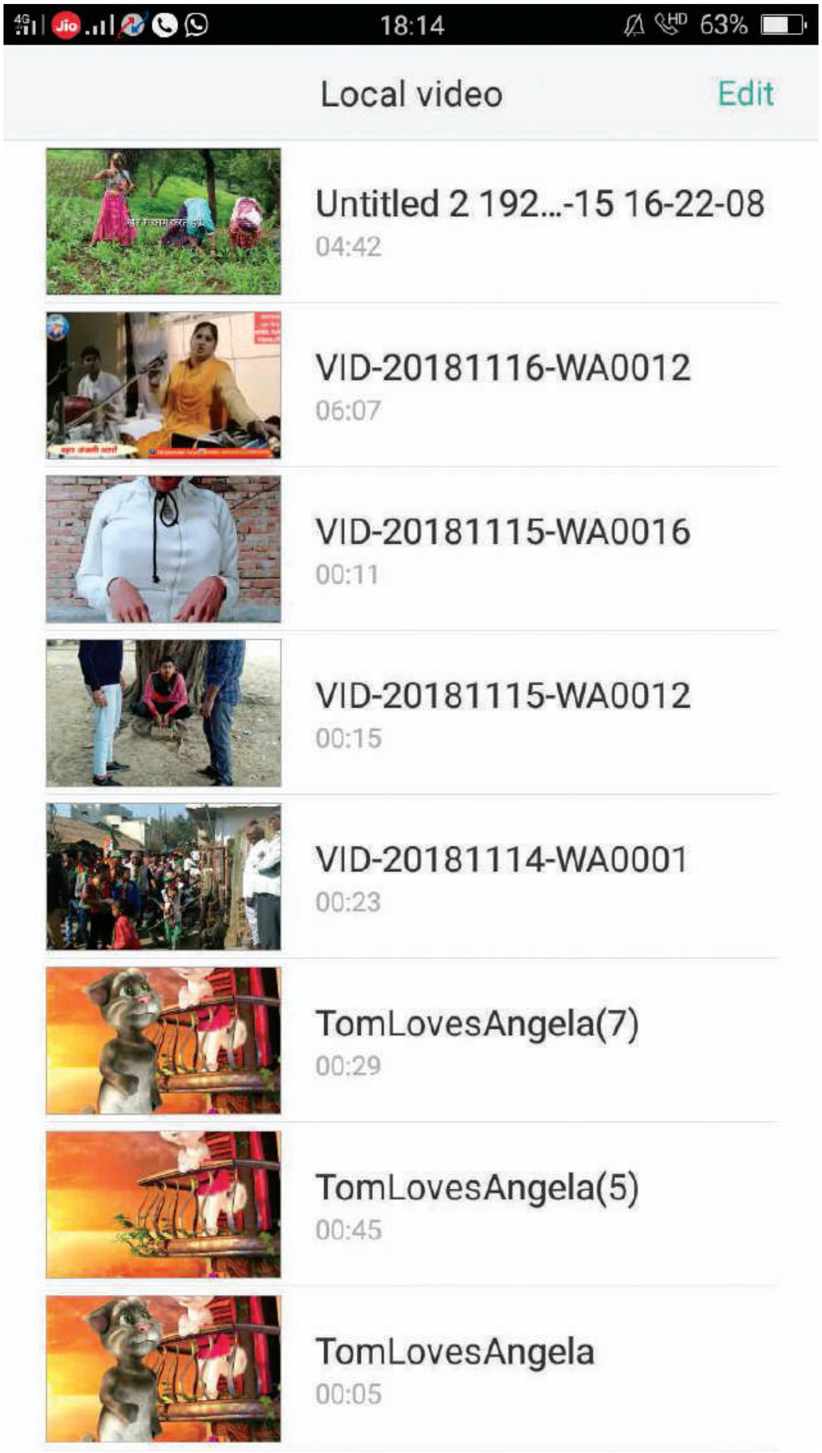

आप इस फाइल को ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से साझा और प्ले भी कर सकते हैं।

क्यों न अब हम कुछ रोचक और प्रभावी वीडियो तैयार करें जो कि हमारे फ़ोन में पहले से शूट करके सुरक्षित (Save) रखे हो। या फिर हम कुछ वीडियो फिर से शूट करे जिसमे अपने गाँव के सुन्दर दृश्य, जगह, समुदाय से जुड़े विषय या व्यक्ति हो जिनके बारे में आप सभी को बताना और दिखाना चाहते हो, जैसे की गाँव में आम के पेड़ का बगीचा, या कोई पास की पहाड़ी, गाँव के पास बहती नदी या झरना, गाँव का कोई प्राचीन मंदिर, गाँव का मुखिया, सरपंच, बुज़ुर्ग, महिला, किशोरी या बच्चा जो की गाँव और समुदाय के हित में अच्छा कार्य कर रहा हो। जिनके आप वीडियो बना कर प्रोत्साहन के उदेश्य से अन्य लोगों के साथ साझा कर सकते हैं।

इसी तरह और भी अन्य मसलों के लिए वीडियो संपादन के हुनर का उपयोग किया जा सकता है। मान लीजिये यदि समुदाय का कोई व्यक्ति किसी समस्या से जूझ रहा हो जैसे कि ख़राब सड़क, गन्दी नाली, पीने का पानी, स्कूल की जर्जर हालत इत्यादि को भी आप वीडियो शूट कर के और रोचक तरीके से वीडियो संपादन करके उस व्यक्ति की आवाज़ अन्य लोगों, अधिकारी या प्रशासन तक पहुँचा कर उस व्यक्ति की मदद कर सकते हैं। ऐसा करने से समुदाय के लोगों का आप पर विश्वास भी बढेगा और ऐसे अच्छे कार्य करने से आपको सभी का मान-सम्मान भी प्राप्त होगा ।

समीक्षा प्रश्न

1. एक क्लिप को दो भागों में काटने के लिए कौनसे टूल का उपयोग करेंगे?
(Text या Trim)
2. वीडियो पर टाइटल डालने के लिए कौन सा टूल टेप करेंगे?
(LAYERSया Settings)
3. एडिटिंग के बाद वीडियो प्रोजेक्ट सुरक्षित (Save) करने पर, वीडियो फ़ोन की गैलरी पर स्टोर हो जाता है?
(सही या ग़लत)
4. एडिटिंग के दौरान ऑडियो डालने के लिए MEDIA BROWSER से बैकग्राउंड म्यूज़िक सेलेक्ट किया जा सकता है?
(सही या ग़लत)
5. फुल HD resolutionवीडियो क्वालिटी में वीडियो नहीं फटता?
(सही या ग़लत)

प्रोजेक्ट गतिविधि

6. पिछले सत्र में shoot की गयी वीडियो फाइल को सम्पादित करके एक छोटी कहानी के रूप में पेश कीजिए।
7. गाँव के मुद्दों पर 5 अलग-अलग वीडियो सम्पादित करके यू-ट्यूब (Youtube)पर अपलोड करिये।

ई-मेल (E-Mail)

सीखने और समझने के लिए :

- ई-मेल की उपयोगिता और हमारी ज़रूरतों के लिए।
- संचार, संवाद, मीडिया फाइलों और दस्तावेज़ों के आदान-प्रदान के लिए।
- ऑनलाइन पहचान के लिए।

परिचय

कंप्यूटर के जरिये सूचना दूसरी जगह पहुंचाने और उसे हासिल करने के लिए एक सबसे जरूरी चीज है इंटरनेट। इंटरनेट के बिना एक कंप्यूटर दूसरे कम्प्यूटर से संपर्क नहीं कर सकता। एक बार आपका कंप्यूटर या फोन इंटरनेट से जुड़ गया, तो वह पूरी दुनिया के हर उस कंप्यूटर और फोन से जुड़ जाता है, जिसमें इंटरनेट चलता हो। आप भले ही भारत में हों या अमेरिका में, आप चीन या अफ्रीका में बैठे लोगों से बाते कर सकते हैं, उन्हें चिट्ठी लिख सकते हैं या आमने-सामने बात कर सकते हैं। इस तरह भेजी जाने वाली चिट्ठी को EMAIL कहते हैं, और आमने-सामने बात करने को वीडियो कॉलिंग।

जैसा कि ऊपर बताया गया है, इंटरनेट के माध्यम से भेजी जाने वाली चिट्ठी पत्र को ईमेल कहा जाता है। इस तरह की चिट्ठी भेजने के लिए आपके पास एक URL जिसमें इंटरनेट कनेक्शन हो, और एक ईमेल खाता (Account) होना ज़रूरी है। साथ ही जिस व्यक्ति को आप यह चिट्ठी भेजना चाहते है, उसका पता होना भी अनिवार्य है। इस इंटरनेट पते को ही ईमेल कहते हैं। ईमेल के लिए खाता आप इंटरनेट पर उपलब्ध जगहों में से किसी भी जगह खोल सकते हैं, जैसे जी मेल, याहू मेल, रेडिफ मेल, आउटलुक, हॉटमेल, ऐओएल मेल, आईक्लाउड आदि।

Email ID के फायदे

गूगल की ईमेल आइ.डी. बनाने से आप उस के सभी प्रॉडक्ट इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन अगर आपके पास अपनी ईमेल IDहै पर वह Google की नहीं है याहू की है तो भी अपनी ईमेल IDहोने पर बहुत सारे फायदे होते हैं -

- एक ईमेल ID से हम किसी के भी पास उसकी ईमेल ID पर कोई भी डॉक्यूमेंट फाइल मैसेज भेज सकते हैं
- ईमेल ID का इस्तेमाल हम अपने संपर्क के रूप में कर सकते हैं। जैसे कि अगर आप किसी को अपना संपर्क नंबर देना चाहते हैं तो उसकी जगह आप अपनी ईमेल ID दे सकते हैं। आपकी ईमेल ID की मदद से कोई भी आप से संपर्क कर सकता है। आज लगभग सारे बिज़नेस संपर्क ईमेल की मदद से ही किए जाते हैं।
- ईमेल ID से आप अपने बिज़नेस को बढ़ा सकते हैं। आपके पास एक से ज़्यादा ईमेल ID भी हो सकती हैं

अगर आप ऑनलाइन होने के बारे में सोच रहे हैं तो सबसे पहला काम तो यही है कि आपका एक ई-मेल खाता (Account) होना चाहिए। अकेला जीमेल खाता (Account) ही बहुत काम का होता है। आप चाहे वेबसाइट बनाएं या YouTube पर खाता बनाएं, सबसे पहले आपके पास जीमेल खाता (Account) होना ज़रूरी है। अगर आप किसी नौकरी के लिए अप्लाइ कर रही हैं तो भी आपके पास एक जीमेल खाता (Account) होना चाहिए, जिसकी मदद से आप अलग अलग कंपनियों को अपना सीवी (Curriculum Vitae)या Resumeवग़ैरह भेज सकेंगे।

जीमेल खाता (Account) एक, फायदे अनेक। सिर्फ एक जीमेल खाता (Account) के बल पर आप गूगल के सभी प्रॉडक्ट चला सकते हैं। मान लो, आप YouTubeपर अपना वीडियो अपलोड करना चाहते हैं तो आप अपनी जीमेल आईडी से YouTubeपर साइन-इन कर YouTubeपर कोई भी वीडियो अपलोड कर सकते हैं। ऐसे ही अगर आप किसी दूसरी वेबसाइट पर अपना खाता (Account) बनाना चाहते हैं जैसे कि Facebookपर, तो वहां पर भी आप अपनी गूगल की जीमेल आईडी देकर अपना खाता (Account) बना सकते हैं। ठीक ऐसे ही समूचे इंटरनेट पर कहीं भी अपनी जीमेल IDदेकर अपना खाता (Account) फ्री में बना सकते हैं।

Gmail क्या है?

Gmail गूगल की एक फ्री Email सेवा है। Google ने G-mail को 1 अप्रैल 2004 में लॉन्च किया था। यह Email सेवा 74 भाषाओं में उपलब्ध है। गूगल के शोधकर्ता पॉल बखाइट जीमेल के रचयिता और लीड डेव्लपर थे। ये पहले इंटेल, और बाद में गूगल कंपनी में कम्प्यूटर प्रोग्रामर और सॉफ्टवेयर डेवलपर थे। आज की तारीख में जीमेल के 1.2 अरब से भी ज्यादा यूज़र्स हैं। लगभग 25% अमेरिकी काम करते समय जीमेल का उपयोग करते हैं। लगभग 75% लोग अपने मोबाइल पर जीमेल का इस्तेमाल करते हैं। हर महीने लगभग 1 अरब लोग अपने फोन पर जीमेल का इस्तेमाल करते हैं। जीमेल इस्तेमाल करने वालों की औसत आयु 31 साल है।

ईमेल के बारे में तो हम सब जानते हैं और आज हर जगह ईमेल मांगी जाती है क्योंकि कोई भी ज़रूरी जानकारी ईमेल पर डाल जा सकती है। ई-मेल का मतलब है इलेक्ट्रॉनिक-मेल। कंप्यूटर, टैबलेट और मोबाइल फोन जैसे डिजिटल उपकरणों से ईमेल का उपयोग कर लोगों के बीच डिजिटल संदेशों का आदान प्रदान किया जा सकता है।

ईमेल के आविष्कार के समय किसी को यह नहीं पता था कि इसका उपयोग इतना महत्वपूर्ण हो जाएगा। आज सारे ऑफिशियल काम ईमेल की मदद से किए जाते हैं। बड़ी-

बड़ी कंपनियां लगभग अपना सारा काम ईमेल की मदद से करती हैं। अगर आपकी ईमेल ID(पहचान)नहीं है तो आपको तुरंत अपनी ईमेल IDबना लेनी चाहिए। एक ईमेल ID के बहुत फायदे हैं जिनके बारे में शायद आप नहीं जानते हों।

नोट- जीमेल खाता (Account) बनाने के लिये भारत में कम से कम उम्र 13 वर्ष और अधिकतम कितनी भी हो सकती है।

जीमेल खाता कैसे बनाएं?

गूगल पर खाता (Account) बनाने की चरण इस तरह हैं, जिससे आप सिर्फ 5 मिनट में अपना गूगल खाता (Account) बना सकते हैं -

आप सबसे पहले तो Gmail.Comपर जाएं, More Optionपर क्लिक करें। फिर Create Account पर क्लिक करें। Create account पर क्लिक करते की एक form आएगा। इसमें आप अपनी सारी जानकारी भर दें -

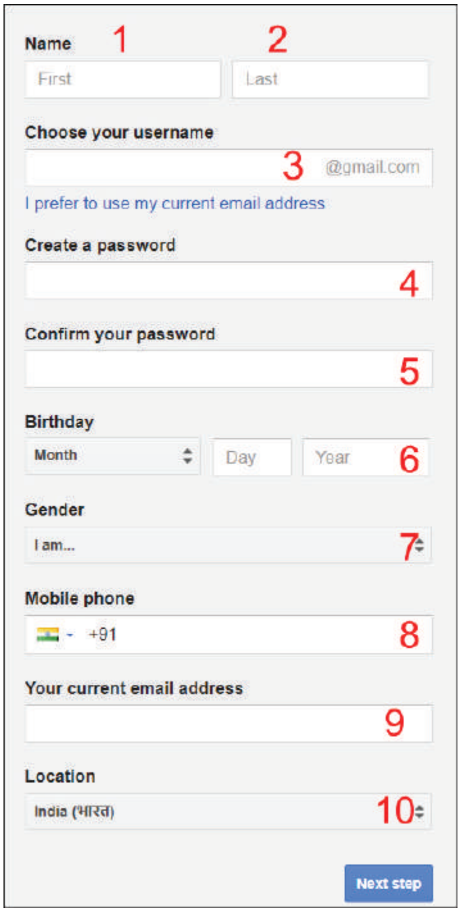

जीमेल बनाने की प्रक्रिया

- अपना पूरा नाम भरना है (जैसे अगर आपका नाम है रमेश कुमार तो First Name रमेश और Last Name कुमार)
- Username- यह आपको सोच समझ कर भरना है। एक बार जिस Username से Account बना दिया फिर वो नाम दोबारा बदला नहीं जायेगा। इसमें आप अपना नाम भर सकते हैं। अगर आपके नाम से खाता (Account) नहीं बन रहा तो उसमें नंबर लगा दें जैसे कि Rameshkumar1234, कोई भी नंबर या फ़ोन नंबर लगाकर देखें, जब तक कि गूगल आपके यूज़रनेम को स्वीकार न कर ले
- अब पासवर्ड बनाएं और भरें। पासवर्ड ऐसा होना चाहिए आपको याद रहे। कम से कम 8 अक्षरों-अंकों का पासवर्ड बनाएं
- Confirm पासवर्ड में भी यही पासवर्ड डालें
- फिर अपने जन्मदिन की तारीख डालें
- फिर जेंडर सेलेक्ट करें। अगर आप पुरुष हैं तो MALE और अगर आप महिला हैं हो तो FEMALE
- अब वह फ़ोन नंबर डालें जो चलता हो, क्योंकि उसी नंबर पर वेरीफिकेशन कोड आएगा और अगर आप कभी पासवर्ड भूल गये तो दोबारा पासवर्ड लेने के लिए उसी नंबर का इस्तेमाल करना पड़ेगा
- फिर किसी ऐसे दोस्त की Gmail ID भरें जिस पर आपको भरोसा हो, क्योंकि अगर आप अपना पासवर्ड भूल गये तो उस Gmail Id से दोबारा पासवर्ड ले सकते हैं
- फिर अपनी Country का नाम डालें
- अब नेक्स्ट स्टेप पर क्लिक करें। Gmail की Term Of Service And Private Policy को Agree कर दें। ये लीजिये, आपकी ईमेल ID तैयार।

अगर फ़ोन नंबर Verify का फॉर्म आए तो वह फोन नंबर दें जिस पर कोड मंगवाना है। अब Continue पर क्लिक करें और जो कोड SMS से आए उसे भरें। अगर SMS न आए तो Call का ऑप्शन Select करें और कोड लें और भर दें। अब Next पर क्लिक करें, फिर एक Form आएगा वहां “नो थैंक्स”पर क्लिक करें। लीजिये, आपका Gmail खाता (Account) बन गया।

अगर आपने नयी ईमेल ID बनाई है या Gmail पर अपना खाता (Account) बनाया

है तो हम ईमेल भेज सकते हैं और किसी की ईमेल का जवाब दे सकते हैं और अपनी इनबॉक्स से अनचाही ईमेल डिलीट कर सकते हैं। यह पूरी जानकारी आपको नीचे दी गयी है -

जब हम Gmail खोलते हैं तो हमे एक पेज दिखाई देता है जैसा कि फोटो में दिखाया गया है। हमारे फ़ोन के मैसेज Box और जीमेल में ज़्यादा अंतर नहीं है।

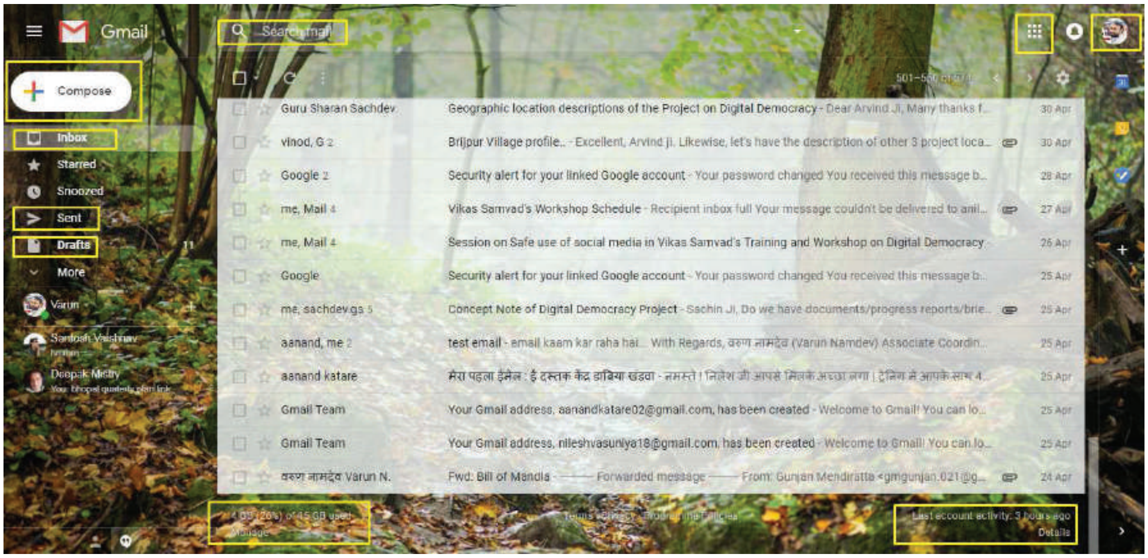

कंपोज़ (Compose)

कंपोज़ का मतलब है कुछ भी लिखना या बनाना या संलग्न करना। किसी को ईमेल भेजने के लिए हम कंपोज़ का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप किसी के पास ईमेल भेजना चाहते हैं तो इसके बारे में हमने एक अलग पोस्ट में पूरी जानकारी दी है। इसका इस्तेमाल किसी के पास कोई डॉक्यूमेंट, फोटो, मैसेज, वीडियो; कोई भी फाइल भेजने के लिए किया जाता है।

इनबॉक्स (Inbox)

इनबॉक्स का ऑप्शन आपको एक साधारण फोन में भी देखने को मिलता है और ईमेल में भी इनबॉक्स का वही काम होता है, जो हमारे एक सामान्य फोन में होता है। जब कोई व्यक्ति आपके पास कोई मेल भेजेगा तो वह आपको इनबॉक्स में दिखाई देगी जहां से आप उस ईमेल को पढ़ सकते हैं या उसे डिलीट कर सकते हैं।

स्टार्रेड (Starred) और इम्पोर्टेन्ट (Important)

हमारे पास बहुत सारी ईमेल आती हैं जिनमें से कुछ ईमेल हमारे बहुत काम की होती हैं और काफी ईमेल हमारे कुछ काम की नहीं होतीं या बहुत थोड़े काम की होती हैं। इन सभी ईमेलों को अलग अलग रखने, बरतने के लिए हम Important और Starred फीचर का इस्तेमाल करते हैं। अगर कोई ईमेल बहुत ज्यादा ज़रूरी है तो उसे हम Important या Starred लगाकर अलग से सुरक्षित (Save) कर सकते हैं।

सेंट मेल (Sent Mail)

जब हम कोई ईमेल कंपोज़ करके किसी के पास भेजते हैं और वह ईमेल Successfully भेजी जाती है तो उसके बाद वह हमें Sent Mail फोल्डर में मिलेगी। अगर कोई ईमेल 'सेंड'नहीं होती तो वह आपको इनबॉक्स के फोल्डर में मिलेगी और अगर आपने कोई ईमेल लिख कर छोड़ दी है तो वह आपको 'ड्राफ्ट'नाम के फोल्डर में मिलेगी।

ड्राफ्ट (Drafts)

जैसा कि मैंने आपको ऊपर बताया कि अगर आप कोई ईमेल लिखकर रिपोर्ट देते हैं या उसे भेजना भूल जाते हैं तो वह ईमेल आपको ड्राफ्ट फोल्डर में मिलेगी। ड्राफ्ट फोल्डर के और भी बहुत फायदे हैं जैसे कि अगर आप कोई ईमेल सुरक्षित (Save) रखना चाहते हैं, तो उसे ड्राफ्ट फोल्डर में सुरक्षित (Save) करके रख सकते हैं और बाद में उसे दोबारा एडिट करके किसी के भी पास भेज सकते हैं।

डिलीटेड आइटम (Deleted Items)

जब हम कोई भी ईमेल डिलीट कर देते हैं तो वह हमें 'डिलीटेड आइटम्स'नाम के फोल्डर में मिलेगी। अगर मान लीजिए आपने कोई ईमेल ग़लती से डिलीट कर दी है और उसे अब आप वापस पाना चाहते हैं तो आप डिलीटेड आइटम फोल्डर से उसे वापस रीस्टोर कर सकते हैं ।

इनके अलावा Gmail का और भी उपयोग होता है जैसे कि आप एक जीमेल की मदद से गूगल के सभी प्रॉडक्ट और वेबसाइट को एक्सेस कर सकते हैं, और यदि आपको यूट्यूब चैनल बनाना है तो आप अपनी ईमेल ID की मदद से YouTube पर लॉग-इन करके अपनी एक यूट्यूब चैनल बना सकते हैं। इसी तरह Google के और भी बहुत सारे प्रॉडक्ट और वेबसाइटें हैं जिनमें आपको Gmail ID की ज़रूरत पड़ती है।

समीक्षा प्रश्न

1. GMail का उपयोग सिर्फ इलेक्ट्रोनिक चिट्ठी का आदान प्रदान के लिए ही होता है? (हाँ या ना)
2. जीमेल खाता (Account) बनाने के लिए फ़ोन नंबर होना आवश्यक होता है? (हाँ या ना)
3. जीमेल खाता (Account) बनाने के लिए फीस देनी पड़ती है? (हाँ या ना)
4. जीमेल खाता (Account) में कितना डेटा स्टोरेज उपलब्ध होता है? (1GB, 15GB, 25GB)
5. भारत देश में जीमेल खाता (Account) बनाने के लिए कम से कम आयु क्या रखी गई है? (18 / 13 / 10 वर्ष)
6. जीमेल खाता (Account) के क्या क्या फायदे हैं?
7. जीमेल खाता (Account) के बाद हम और कौन-कौन सी वेबसाइट्स पर अपनी प्रोफाइल बना सकते हैं? (कोई 10 के नाम बताइए)
8. ईमेल भेजने की प्रक्रिया बताइए?

आइये देखते है ईमेल का उपयोग। आप अपने किसी अनुभव जैसे परिवार में आयोजित कोई कार्यक्रम, या गांव से जुड़ी कोई घटना का विवरण, कोई अच्छी सीख भरी कहानी या सन्देश या फिर गांव के हित और विकास से जुडी हुई कोई बात, मांग या सुझाव आप किसी दोस्त, रिश्तेदार, सरपंच, सचिव, प्रशासनिक अधिकारी, विभाग के अफसर, नेता, मंत्री, पत्रकार के साथ साझा करना चाहते हैं। आपको सिर्फ उस व्यक्ति की ई मेल आईडी को खोजना होगा और स्मार्टफोन के माध्यम से भेज देना होगा, ताकि उन तक आपकी सूचना, मुद्दा, समस्या या अनुभव पहुँच सके और उस पर आपको कोई प्रतिक्रिया या जबाब मिल सके। चलो तो फिर पता लगाओ और लिख डालो एक ईमेल सभी को।

प्रोजेक्ट गतिविधि

1. अपने अलावा, परिवार या समुदाय के 10 लोगों का ईमेल खाता (Account) बनाने में मदद करिए।
2. अपने खाता (Account) से किन्हीं लोगों को सन्देश भेजिए।

गूगल ड्राइव (Google Drive)

सीखने और समझने के लिए :

- गूगल ड्राइव की उपयोगिता समझने के लिए।
- समस्त डिजिटल दस्तावेज़ और मीडिया फाइल के ऑनलाइन संग्रहण (क्लाउड) के लिए।
- बड़ी परिमाण के संग्रहित दस्तावेज़ और मीडिया फाइल की ऑनलाइन शेयरिंग के लिए।

परिचय

गूगल ड्राइव दस्तावेजों को एक तरह से ऑनलाइन संग्रहण करने की ऍप्लीकेशन है। गूगल ड्राइव पर आप 15GB तक फाइल, डाक्यूमेंट्स, ऑडियो, वीडियो, Mp3, सॉफ्टवेयर; कुछ भी अपलोड कर सकते हैं। गूगल ड्राइव आपको मुफ्त में बहुत सारे फीचर देती है। 15GB तक निशुल्क अपना डाटा संग्रहण कर सकते हैं। अगर आपको 15GB डाटा संग्रहण स्थान कम पड़ता है तो आप आवश्यकता अनुसार ऑनलाइन भुगतान कर अतरिक्त डाटा संग्रहण के लिए ड्राइव पर स्थान खरीद सकते हैं। जब पहली बार गूगल ड्राइव शुरू की गई थी, तो इसका उपयोग फाइलों को क्लाउड (Cloud) में सुरक्षित रखने के लिए होता था ताकि उन्हें कहीं से भी देखा और उपयोग किया जा सके। जैसे-जैसे ड्राइव विकसित हुई, तो इसमें गूगल डॉक्स (Google Docs) की भूमिका भी सम्मिलित हो गई और अब इसका उपयोग गूगल पर ही ऑनलाइन दस्तावेज़ बनाने के रूप होता है।

गूगल ड्राइव पर फाइल अपलोड कैसे करें?

सबसे पहले तो अपने गूगल ड्राइव खाता (Account) में जीमेल आईडी से लॉग-इन करें :-

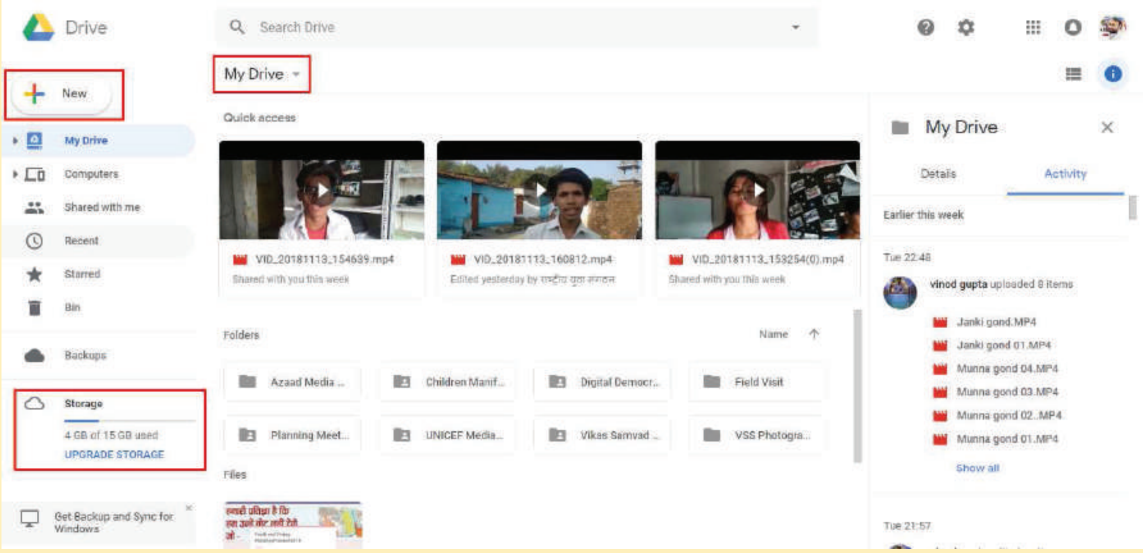

आपको बाएँ तरफ 'न्यू' का बटन दिखेगा उस पर क्लिक करें :-

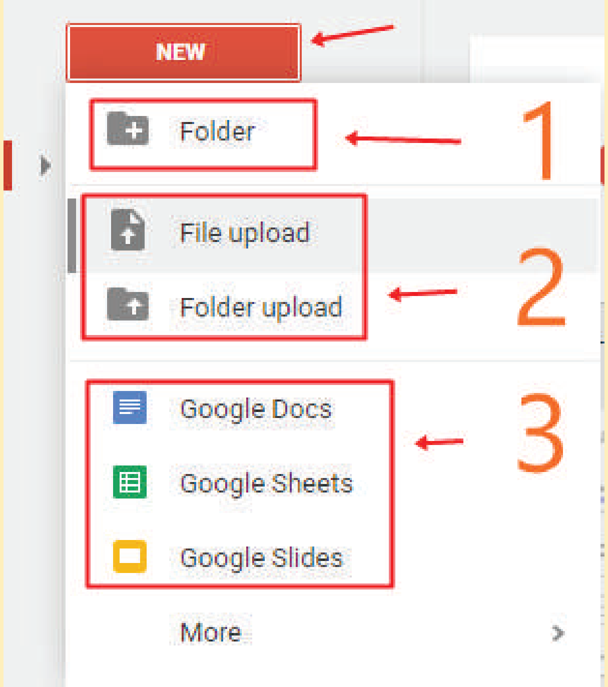

आपको कुछ विकल्प दिखाई देंगे, जो 3 हिस्सों में हैं :-

1. **Folder:** यह ऑप्शन आपके ड्राइव में न्यू फोल्डर बनाने के लिए इस्तेमाल होता है
2. **File / Folder Upload :-** अगर आपको सिर्फ एक फाइल अपलोड करनी है तो फाइल अपलोड पर क्लिक करते हुए आप एक फाइल सिलेक्ट कर एक फाइल अपलोड कर सकते हैं, लेकिन अगर आपको पूरा फोल्डर अपलोड करना है, तो फोल्डर पर क्लिक करते हुए फोल्डर सिलेक्ट करके पूरा फोल्डर भी अपलोड कर सकते हैं।
3. **Google Docs / Sheets / Sliders :-** यह ऑप्शन फाइल अपलोड करने के लिए नहीं बल्कि फाइल बनाने के लिए इस्तेमाल होता है। अगर आपको कोई दस्तावेज़ (Docs), शीट(Sheet), स्लाइडर(Sliders) की फाइल बनानी है तो आप उसे ऑनलाइन ही बना कर अपनी गूगल ड्राइव में सुरक्षित (Save) कर सकते हैं ।

आपने फाइल तो अपलोड कर दी, लेकिन यह फाइल किसी को भी दिखेगी नहीं, क्योंकि यह फाइल प्राइवेट मोड में है। इसे साझा करने के लिए आपको इसे पब्लिश(Publish) करना पड़ेगा या इसका साझा करने वाला लिंक लेना पड़ेगा। तब आप इस फाइल को डाउनलोड कर सकते हैं और दूसरों से साझा कर सकते हैं।

गूगल ड्राइव फाइल का लिंक साझा कहाँ से करें?

अपलोड की गयी फाइल पर जब आप दायाँ क्लिक करेंगे तो आपको उस फाइल के लिए कुछ विकल्प दिखेंगे ।

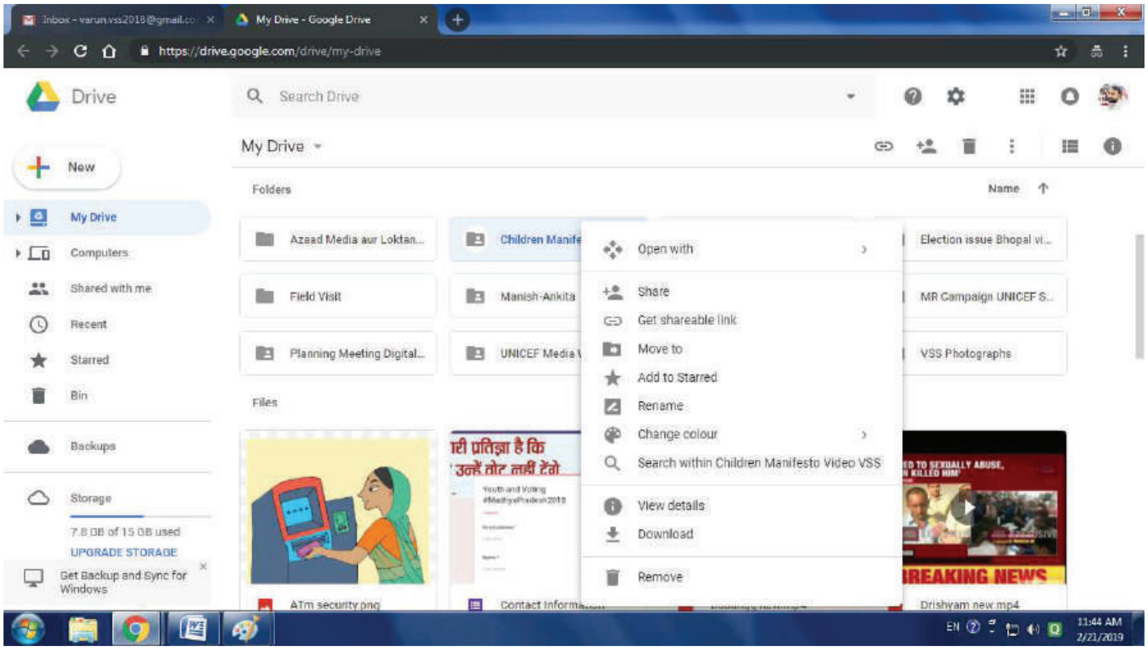

साझा (Share) के ऊपर क्लिक करें। साझा (Share) पर क्लिक करते ही आपके सामने डब्बा खुलेगा उस डब्बे के नीचे दाएँ तरफ में 'एडवांस' (Advance) नाम के विकल्प पर क्लिक करें।

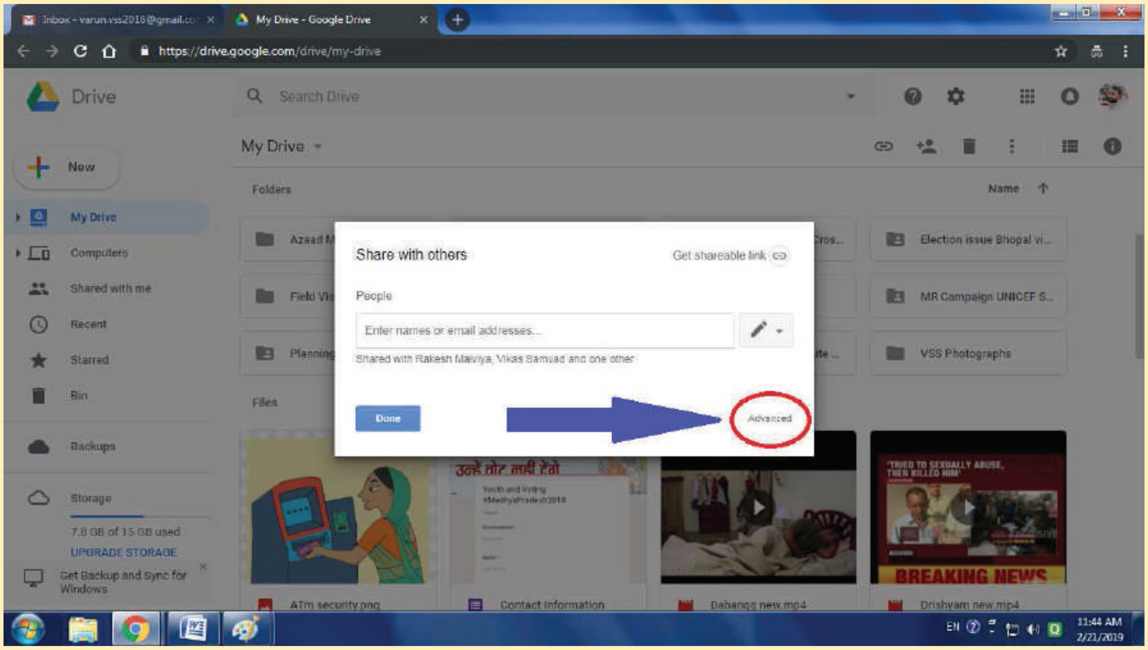

'एडवांस' पर क्लिक करते ही एक और डब्बा खुलेगा जहां आपको "Private – Only You Can Access" ऑप्शन के सामने 'चेंज' (Change) पर क्लिक करना होगा।

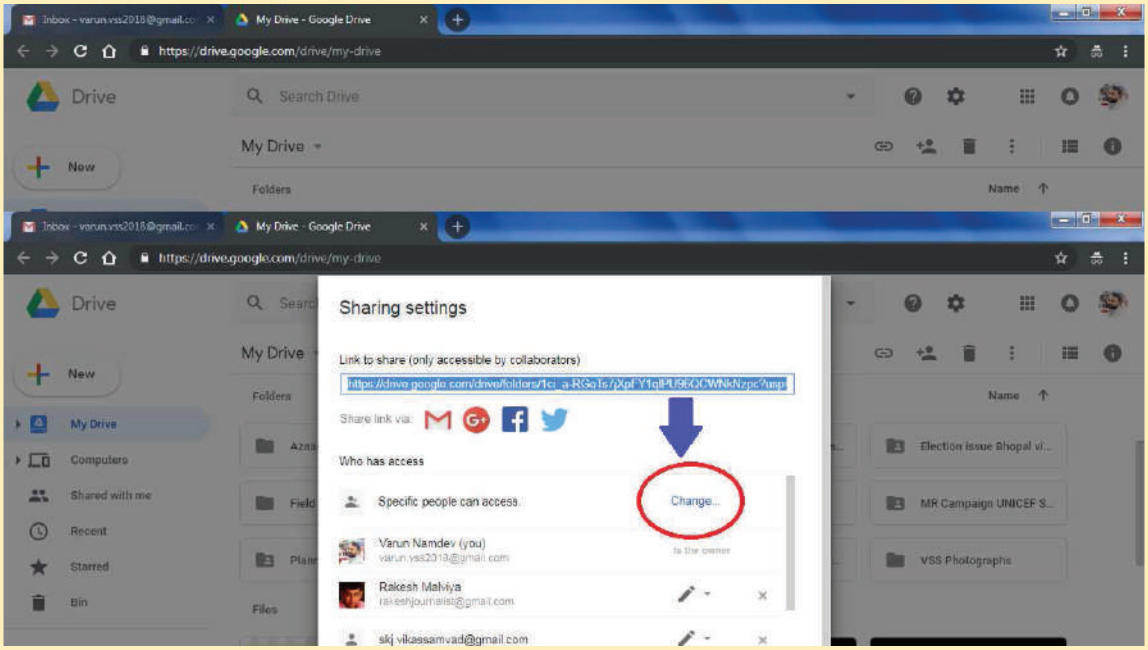

अब आपके सामने एक और डब्बा खुलेगा जहां आपको 3 विकल्प दिखेंगे ।

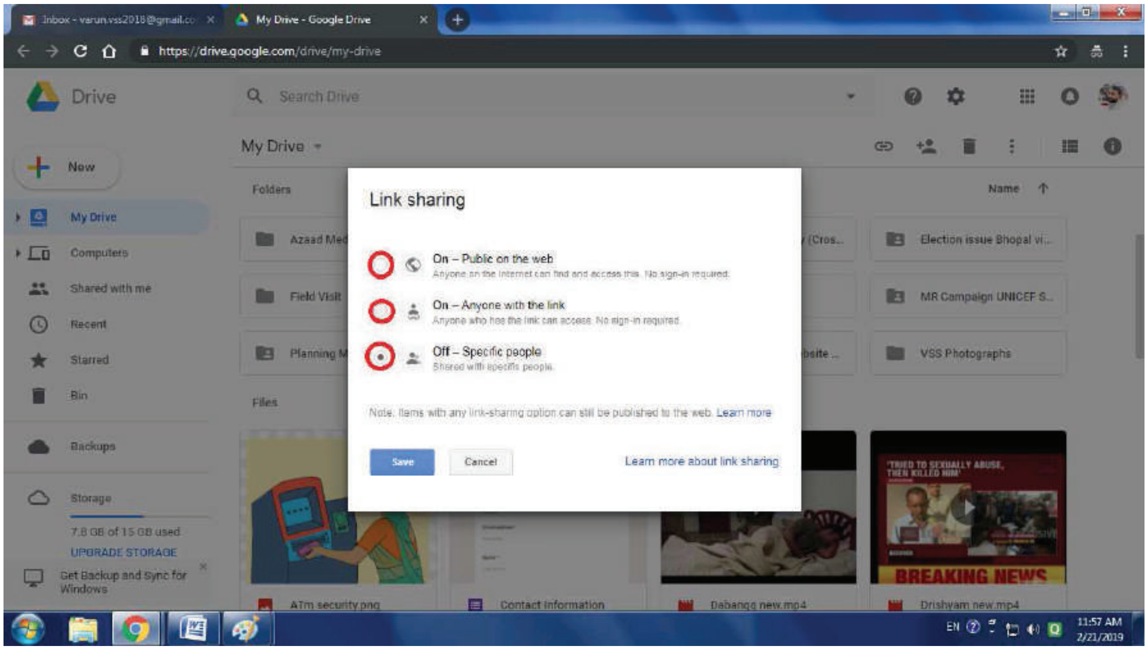

1. **Public :-** सबसे पहला ऑप्शन है, फाइल को पब्लिक के लिए साझा (Share) करना । अगर कोई गूगल में कुछ सर्च करेगा तो आपकी फाइल गूगल सर्च में भी आएगी और उसे कोई भी डाउनलोड कर सकता है ।

2. **Anyone :-** यह ऑप्शन फ़ाइल को Shareable तो बना देगा, लेकिन जिसके पास फाइल लिंक होगा केवल वही डाउनलोड कर सकता है। इससे आपकी फाइल गूगल सर्च में नहीं आएगी ।

3. **Off :-** यह एक प्राइवेट मोड है जिसमें कुछ खास लोगों को छोड़, किसी को भी फाइल नहीं दिखेगी । ये फाइल सिर्फ आपको और उन खास लोगों को दिखेगी जिन्हें आपने 'साझा (Share)' लिंक दिया है ।

अब जब आपको इन तीनों विकल्पों की जानकारी हो गयी है, तो आप अब सिर्फ Anyone विकल्प का चुनाव करें और सुरक्षित (Save) कर दें । सुरक्षित (Save) करते ही आप पहले वाले डब्बे पर आ जाएंगे जहां ऊपर "Link To Share" के डब्बे में आपको फाइल का लिंक मिलेगा। आप यह लिंक किसी को भी देकर अपनी फाइल उसे भेज सकते हैं ।

इस फाइल को आप यहां से सीधे आपके फेसबुक ट्वीटर खाता (Account) पर भी साझा (Share) कर सकते हैं। जब कोई इस लिंक पर क्लिक करेगा तो वह आपकी फाइल के डाउनलोड पेज पर आएगा और फाइल को डाउनलोड कर सकेगा।

ज़रूरी सावधानियां :

- कभी किसी को भी अपना पासवर्ड न दें।
- एंड्रॉइड के लिए गूगल ड्राइव को किसी भी असत्यापित स्रोत से डाउनलोड न करें। गूगल प्ले स्टोर, अमेज़न एप्प स्टोर, या उनके जैसी सर्विसेज़ की सिफारिश की जाती है।
- अपनी फाइल्स को अनजान लोगों के साथ साझा (Share) न करें। इसके लिए आप अपनी प्राइवेसी सेटिंग्स का चुनाव कर सकते हैं।
- अगर आप अपनी ड्राइव के फ़ोल्डर्स को मूव कर रहे हैं, या किसी नये कंप्यूटर पर स्थानांतरित हो रहे हैं, या आपको वह हार्ड ड्राइव बदलनी पड़े, जिस पर आपका फोल्डर है, तो आपको क्लाउड से सब कुछ फिर से डाउनलोड करना होगा। इस बात के लिए गूगल की ओर से कोई सपोर्ट या दूसरा रास्ता नहीं है। "This is not your original Google Drive folder"सर्च करें। अगर आपके कनेक्शन में डेटा सीमित है तो यह एक बड़ी समस्या हो सकती है।

समीक्षा प्रश्न

1. गूगल ड्राइव से हम किस किस प्रकार की फाइल्स साझा (Share) कर सकते हैं?
2. गूगल ड्राइव से 25 MB से ज्यादा बड़े दस्तावजों को भी साझा किया जा सकता है? (हाँ या नहीं)
3. गूगल ड्राइव पर मुफ्त संग्रहण के लिए कितने GB डेटा उपलब्ध रहता है?
4. गूगल ड्राइव और जीमेल दोनों के लिए अलग-अलग आईडी-पासवर्ड बनाना पड़ता है? (सही या ग़लत)
5. जीमेल या ड्राइव के सुरक्षित उपयोग के लिए हमें किन बातों का ध्यान रखना होगा?

प्रोजेक्ट गतिविधि

1. अपने गूगल ड्राइव पर डिजिटल डेमोक्रेसी नाम से एक फोल्डर बनाइए।
2. ऊपर बताये गए फोल्डर में व्यवस्थित रूप से 5 अलग-अगल नाम से सब-फोल्डर बनाइये। (1. फोटो 2. वीडियो 3. डॉक्यूमेंट्स 4. ऑडियो 5. एक्सेल शीट्स)
3. प्रोजेक्ट से जुडी हुई सामग्री जो आपके द्वारा रिकॉर्ड की गई या बनाई गई है उसे इन फोल्डरों में व्यवस्थित रूप से अपलोड करिए।
4. डिजिटल डेमोक्रेसी वाले फोल्डर की शेयरिंग के लिए उसमे अपने ब्लॉक समन्वयक, कम्युनिटी ई-मोबिलाइज़र, संस्था प्रमुख और स्टेट समन्वयकों को जोड़ें।
5. गूगल ड्राइव सीखने और उपयोग करने के अपने व्यक्तिगत अनुभवों को ट्वीटर पर #EVolunteer #DigitalDemocracy #VikasSamvad हैशटैग के साथ पोस्ट करें।

आप और क्या कर सकते हैं?

- आपको अपने दोस्तों के साथ एक बार गूगल ड्राइव के उपयोग की जानकारी साझा करनी चाहिए
- अपने अनुभव को लगातार बढ़ाते रहना चाहिए
- कोई समस्या आ रही है तो अपने दोस्तों को बताएं
- लगातार गूगल ड्राइव का इस्तेमाल करें, लेकिन पुरानी फाइलों को डिलीट भी करते जाएं, जिनका इस्तेमाल नहीं किया जाना है
- अपने आसपास के उन लोगों को गूगल ड्राइव के बारे में बताएं जो फोन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसके बारे में नहीं जानते
- गूगल ड्राइव के उपयोग के लिए सप्ताह में एक बार यूट्यूब पर नई वीडियो को देखें कि गूगल ड्राइव का और क्या इस्तेमाल हो सकता है

गूगल मैप एंड्रॉइड ऍप्लीकेशन

सीखने और समझने के लिए :

- डिजिटल माध्यम से नक्शे देखना।
- मनचाही या आवश्यकता अनुसार जगहों को खोजना।
- एक स्थान से दूसरे स्थान के बीच उपलब्ध रास्ते (रूट) देख दिशानिर्देश लेना।
- अपने आसपास के जन-संसाधनों को गूगल पर जोड़ना ताकि उसका लाभ सभी लोग ले सकें।
- गूगल पर जोड़ी गई लोकेशन को सटीक रूप से सम्पादित कर सही जानकरी अपलोड करना।

परिचय

आज इंटरनेट से जुड़ी हुई तमाम सेवाओं में गूगल (Google) ही टॉप पर है जिसका लोग सबसे ज़्यादा उपयोग करते हैं। गूगल (Google) आज सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होने वाला सर्च इंजन है। गूगल (Google) का प्रयोग 99% यूज़र करते हैं। गूगल ड्राइव (Google Drive), ब्लॉगर (Blogger), गूगल मेल (GMail), गूगल मैप (Google Map), यू-ट्यूब(YouTube), गूगल क्रोम (Google Chrome) और गूगल ट्रांसलेट (Google Translate) ये सभी आज गूगल (Google) की उच्च सेवाएं हैं। इन सभी साईट्स का प्रयोग विश्व में सबसे ज़्यादा होता है।

गूगल मानचित्र (Google Maps) गूगल द्वारा निःशुल्क रूप से प्रदत्त (गैर-व्यावसायिक उपयोग के लिए) एक वेब मैपिंग सर्विस ऍप्लीकेशन तकनीक है जिसके द्वारा गूगल मानचित्र वेबसाइट, गूगल राइड फाइंडर, गूगल ट्रांजिट और गूगल मानचित्र एपीआई के माध्यम से तीसरे पक्ष की वेबसाइटों में सन्निहित मानचित्रों सहित कई मानचित्र-आधारित सेवाएं संचालित होती हैं। यह दुनिया भर के अनेक देशों के लिए सड़कों के नक़्शे उपलब्ध कराता है जो पैदल, कार या सार्वजनिक वाहन से यात्रा करने वालों और शहर में व्यवसायों की खोज करने वालों के लिए मार्ग योजनाकार का काम करता है। गूगल मानचित्र के उपग्रह से लिये गये चित्र वास्तविक समय को नहीं दर्शाते हैं; ये कई महीनों या वर्षों पुराने होते हैं।

गूगल मानचित्र, मर्केटर प्रोजेक्शन के एक करीबी संस्करण का उपयोग करते हैं, इसलिए यह ध्रुवों के आसपास के क्षेत्रों को नहीं दिखा सकते हैं। इसका एक संबंधित उत्पाद गूगल अर्थ (Google Earth) अकेला ऐसा प्रोग्राम है जो ध्रुवीय क्षेत्रों सहित ग्लोब को दिखाता है और साथ ही कई सुविधाएं भी प्रदान करता है।

गूगल नक़्शे (Google Map) के फायदे

- इसकी की मदद से आप विश्व में कहीं भी किसी भी जगह को घर पर बैठे-बैठे ही ऑनलाइन देख सकते हैं।
- इससे आप कोई भी रास्ता देख सकते हैं।
- यह हमें सही दिशा दिखाता है।
- इसकी मदद से आप किसी भी जगह पहुंच सकते हैं।
- इसकी मदद से आप कोई भी जगह ऑनलाइन ट्रैक कर सकते हैं। अपनी जगह को ट्रैक करके हम यह देख सकते हैं कि हम कितनी दूरी पर हैं और और हमें गंतव्य पर पहुंचने में कितना समय लगेगा?
- आप ड्राइविंग करते हुए भी अपनी लाइव पोज़ीशन देख सकते हैं कि आप कहां पर है कौन-सा रास्ता बीच में है और किस रास्ते से आपको कम समय लगेगा या यूँ कहे की शॉर्टकट पड़ेगा।
- आप बिना इंटरनेट के भी गूगल मैप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको जिस जगह का नक्शा देखना है, पहले उसका नक्शा डाउनलोड करना होगा जिसे फिर आप कभी भी ऑफलाइन देख सकते हैं।
- आप बैंक, ऐटीएम, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, स्कूल, कॉलेज आदि का नाम टाइप कर आसानी से लोकेशन पता कर सकते हैं।
- इसके ज़रिए ही आप ऑनलाइन गाडी/टैक्सी बुक कर सकते हैं और सिटी बस की जानकारी ले सकते हैं।
- आप गूगल मैप पर पूरी हिस्ट्री निकाल कर देख सकते हैं कि आपने किन-किन रास्तों पर सफ़र किया है।
- आप अपने शहर के किसी भी हिस्से के ट्रैफिक का हाल-चाल देख सकते हैं। इससे आपको ड्राइविंग करने और अपने गंतव्य पर पहुँचने में मदद मिलेगी।
- इससे आप ड्राइविंग के दौरान पड़ने वाली गैस स्टेशन और पेट्रोल पंप भी देख सकते हैं।

- अगर आपकी गाड़ी खराब हो जाए आप इसकी मदद से पास का कोई सर्विस स्टेशन भी देख सकते हैं।

गूगल (Google) Map पर नया लोकेशन कैसे सेट करें?

अगर आप चाहते हैं कि आपके गांव की कोई जगह गूगल (Google) Map पर हो जो कि गूगल में अभी तक सबमिट नहीं की गयी है तो यह काम आप खुद से भी कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर का ऍड्रेस या ऑफिस या फिर अपनी दुकान का पता भी गूगल (Google) Map पर डाल सकते हैं। ऐसा करने के लिए आप एंड्रॉइड स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मोबाइल से गूगल नक़्शे में किसी स्थान का पता कैसे जोड़े ?

मोबाइल से गूगल (Google) Map पर अपना ऍड्रेस डालने के लिए आपके फोन में गूगल (Google) Map की ऍप्लीकेशन होनी चाहिए। अगर यह आपके फ़ोन में नहीं है तो गूगल प्ले स्टोर से गूगल (Google) Map डाउनलोड करें।

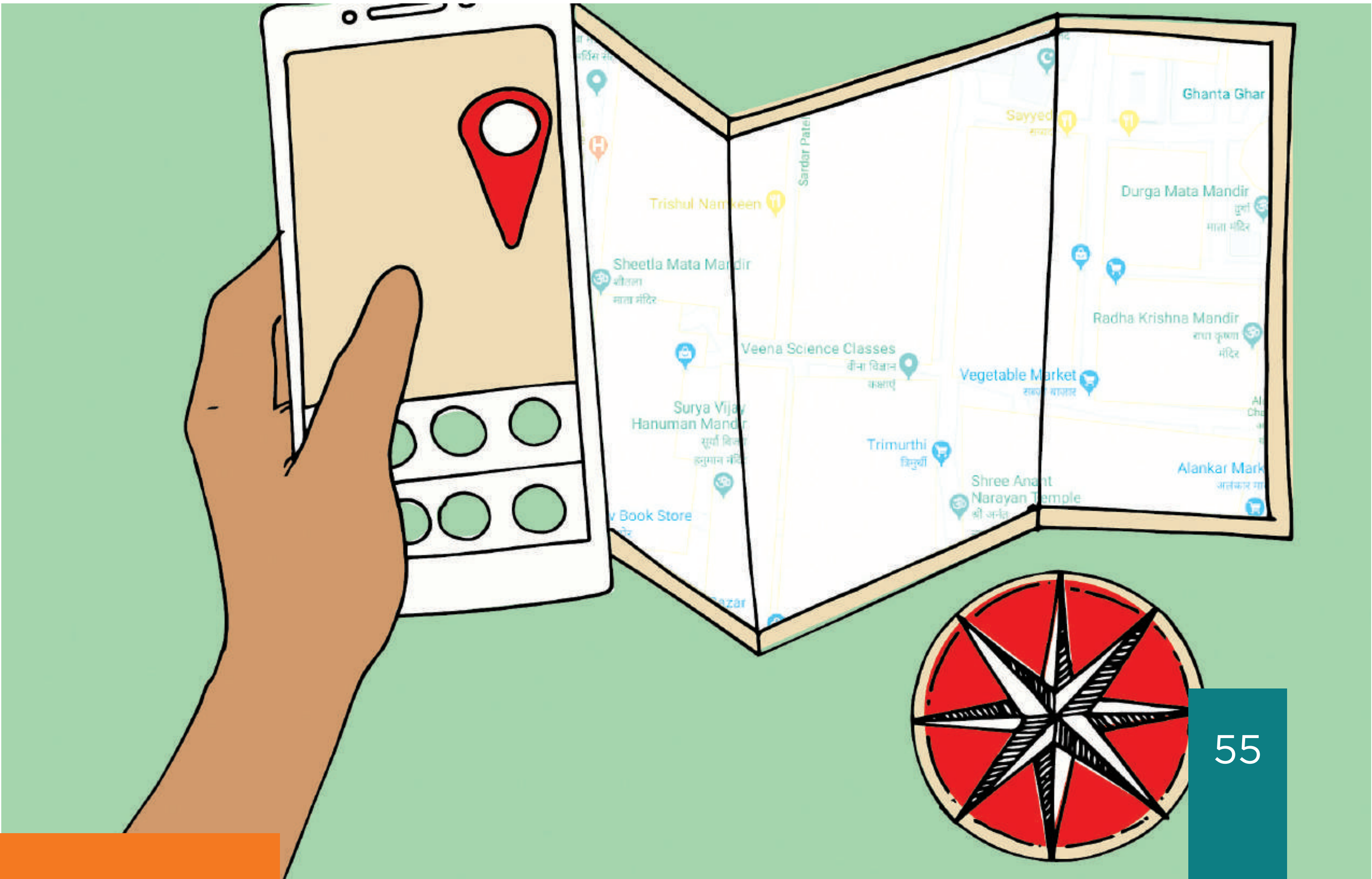

1. सबसे पहले आप गूगल (Google) Map ओपन करें।
2. मोबाइल की GPS लोकेशन ऑन कर लें।
3. अब आपको गूगल मैप में अपनी जीमेल आईडी डालनी होगी।
4. Search डब्बे के पास आपको 3 बिंदी वाले निशान पर क्लिक करना है।
5. वहां पर आपको Sign-in का विकल्प मिलेगा।
6. इस पर क्लिक करने के बाद आप 'Add Account' पर क्लिक करें।
7. अब अपनी जीमेल और पासवर्ड को डालकर अपना खाता (Account) लाग-इन कर लें।
8. अब उस स्थान का पता सर्च डब्बे में डालें।
9. अब सर्च डब्बे 3 लाइन पर क्लिक करें।
10. जब आपके सामने विकल्प आएंगे तो उनमें से 'Missing Place' पर क्लिक करें।
11. यहाँ पर आप अब उस स्थान से जुड़ी पूरी जानकारी भर दें।
12. जिस पते को आप गूगल मैप पर डालना चाहते हैं उसका कुछ विवरण आपको देना होगा, जैसे उस जगह का नाम, उस जगह के इलाके का नाम आदि। अपने गांव या शहर के नाम के साथ-साथ आप अपने प्रदेश का नाम भी डाल सकते हैं।
13. उसके बाद नीचे 'Mark Location On Map' पर क्लिक करें।
14. अपनी लोकेशन चुनें । इसके लिए आप उस जगह को अच्छे से सत्यापित कर लें या फिर उस जगह पर जाकर अपनी लोकेशन सेट करें।
15. कैटेगरी का चुनाव करें जैसे मंदिर के लिए, हिंदू टैंपल। इसी तरह आप स्कूल, कॉलेज, ऑफिस, घर, शॉप के लिए भी सर्च कर सिलेक्ट कर सकते हैं।
16. इसके अलावा आप उस जगह से सम्बंधित फोटो, वेबसाइट, फोन नंबर भी जोड़ सकते हैं।
17. सारी डिटेल भरने के बाद सबसे ऊपर दिये गये तीर के निशान पर क्लिक करें।
18. इसके बाद 'Thank You For Improving' गूगल का सन्देश दिखाई देगा; नीचे 'Done' पर क्लिक करें।

Google Maps

नोट - गूगल मैप में आपके द्वारा जोड़े गए स्थान का पता जमा होने में 24 से 48 घंटे लग सकते हैं। गूगल 2 दिन के अंदर आपके द्वारा जोड़ी गई जानकारी की समीक्षा (Review) करेगा उसका विवरण सही होने पर ही वह उसे जोड़ेगा ।

अगर आप जानकारी में कुछ सुधार करना चाहते हैं तो आप ऊपर बतायी गयी प्रक्रिया को दोबारा करके फिर से सम्पादित (Edit) कर सकते हैं।

चलिए फिर हम सब आपने गाँव और आसपास की महत्वपूर्ण स्थानों और संसाधनो को गूगल में नक़्शे पर जोड़ते हैं। सोचिये ऐसे कौन-कौन से ज़रूरी स्थान है जहाँ तक पहुँचने के लिए समुदाय या बाहर से आये नए व्यक्ति को रास्ता खोजने की आवश्यकता पड़ती है ? जैसे की राशन का सामान खरीदने के लिए राशन की दुकान, आंगनवाडी केंद्र, पाठशाला, स्वास्थ केंद्र, बैंक, हैंडपंप, कुआं, घाट, तालाब, किले, प्राचीन इमारतें, मंदिर, मस्जिद, प्रार्थना स्थल, सामूहिक केंद्र, बगीचा, खाद विक्रय केंद्र, पुलिस थाना, हाट-बाज़ार, मुख्य चौराहे, बस अड्डा/स्टाप, चाय-नाश्ते की दुकाने या अन्य ऐसे कोई भी स्थान जो आपके हिसाब से लोगो को पता होना चाहिए । अब हमे इनके बारे ज़रूरी जानकरी के साथ फ़ोटो/वीडियो लेकर गूगल नक़्शे (Google Map) पर जोड़ना शुरू करना चाहिए ताकि आपके गाँव और क्षेत्र की पहचान ऑनलाइन की दुनिया में भी स्थापित हो सके और सभी लोगों तक आपके क्षेत्र की महत्वपूर्ण जानकारी जनहित में उपलब्ध हो सके ।

समीक्षा प्रश्न

1. गूगल मैप, गूगल का एक व्यवसायिक प्रोडक्ट है? (सही या ग़लत)
2. गूगल मैप और गूगल अर्थ, दोनों एक ही ऍप्लीकेशन हैं? (सही या ग़लत)
3. गूगल मैप पर कोई भी यूज़र अपनी लोकेशन डाल सकता है? (हां या ना)
4. गूगल मैप सिर्फ शहरों के नक्शे और नागरिकों के लाभ के लिए बनाया गया है? (सही या ग़लत)
5. आप गूगल मैप की मदद से दो स्थानों के बीच की दूरी और समय पता कर सकते हैं? (सही या ग़लत)
6. गूगल मैप अन्तरिक्ष में भेजे गए उपग्रहों की मदद से मानचित्र दिखाता है? (सही या ग़लत)
7. क्या गूगल मैप से आप अपने घर, दुकान, स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ केंद्र, पानी के स्त्रोतों की लोकेशन और फोटो भी डाल सकते हैं? (हां या ना)
8. गूगल मैप के कोई 10 फायदे बताइए?
9. किसी नई जगह जाने के लिए गूगल मैप का उपयोग कैसे करेंगे?

प्रोजेक्ट गतिविधि

1. अपने घर से ई-दस्तक केंद्र, जिला अस्पताल, डाक घर, पुलिस थाना, मुख्य बाज़ार/हाट, आंगनवाड़ी, बिजलीघर और पेट्रोल पंप के बीच की दूरी और समय पता कर उनकी एक सूची में बनाएं और ईमेल पर साझा करें (चाहे तो उनके स्क्रीन शॉट्स लेकर भी संग्लन कर भेज सकते हैं)।
2. गाँव की 10 जगहों (जो गूगल मैप पर उपलब्ध न हों) के फोटो खींच कर गूगल मैप पर अपलोड और टैग करके जोड़ें।
3. आपके द्वारा जोड़े गए स्थान के 'approve' और 'publish' होने के बाद उसका स्क्रीन शॉट लेकर ट्वीटर पर #EVolunteer हैशटैग के साथ अपना अनुभव पोस्ट करें।
4. गूगल मैप पर अपने ई-दस्तक केंद्र और विकास संवाद भोपाल की लोकेशन खोज कर 25 शब्दों का रिव्यू लिख कर स्टार रेटिंग दें।
5. आप पिछले महीने जिस जगह पर घूमने गए थे उस जगह को गूगल मैप पर खोजिये और अलग कुछ अलग चीजें हों, तो उन्हें बताएं।
6. अपने दोस्तों को गूगल मैप के बारे में बताएं।
7. जिन रास्तों को गूगल मैप पर नहीं दिखाया है और आपके आसपास वो हैं, उनके बारे में जानकारी दें।
8. आप कहीं जा रहे हैं तो इस बार गूगल मैप पर देखते हुए जाएं और देखें कि यह कितना सही है।

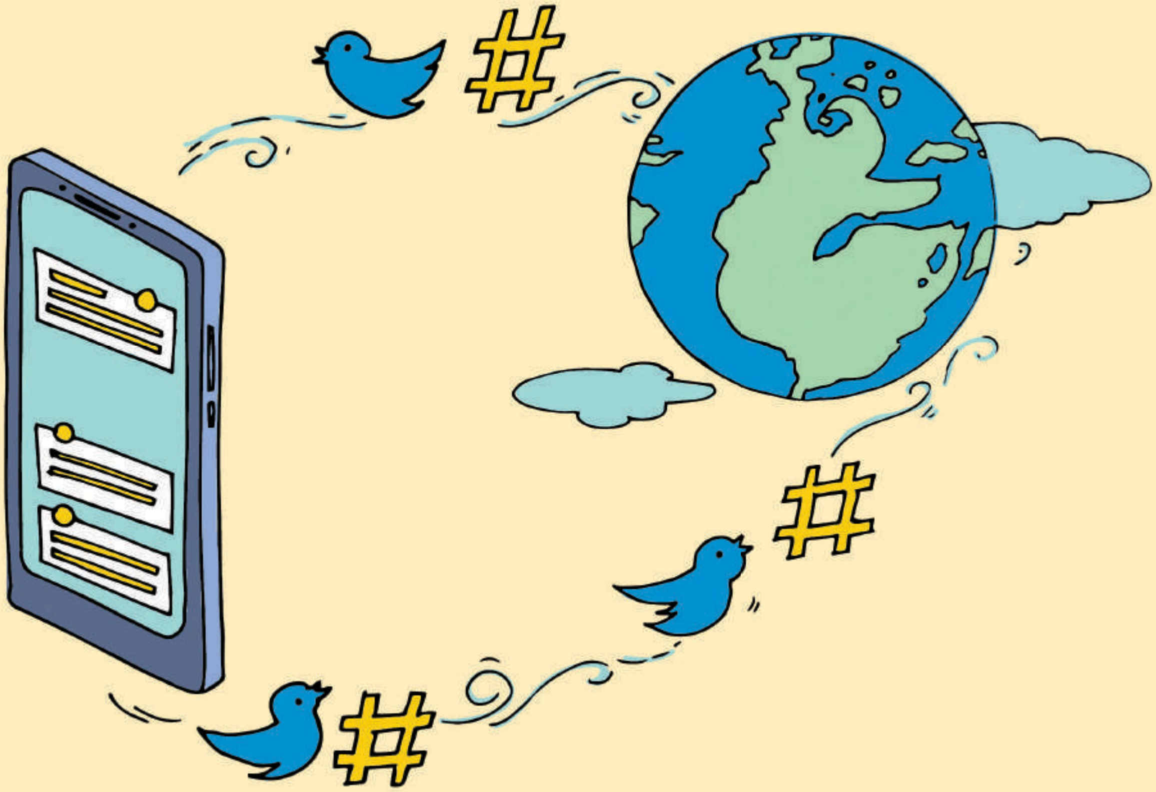

ट्वीटर

आजकल आप बातचीत में ट्वीटर, हैशटैग, वायरल, सोशल मीडिया जैसे कई शब्द सुन रहे होंगे। अगर आप इनसे परिचित नहीं हैं और बातचीत में इन शब्दों के आने से सहम जाते हैं तो यह चैप्टर आपके काम का है। आप कल्पना कीजिए कि आप जिस मोहल्ले, गांव में रहते हैं वहां आपके घर के बाहर एक दीवार है और उस दीवार पर आपने एक बोर्ड टांग रखा है, जिसपर आप जब चाहें हर रोज, बल्कि कुछ घंटे, कुछ मिनट में अपनी कोई भी बात लिख सकते हैं। वह भी 280 शब्दों में, तो कैसा रहेगा। हर आने जाने गुजरने वाला आपकी बात को पढ़ेगा और उस पर अपनी राय भी देगा। बस मौटे तौर पर यही ट्वीटर है, लेकिन इंटरनेट की दुनिया की आपकी दीवार।

असल में, ट्वीटर एक सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट है। इसकी स्थापना वर्ष 2006 में की गयी थी। बाकी सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट की तरह ट्वीटर भी एक सोशल साइट है, पर ट्वीटर को चलाने का कॉन्सेप्ट थोड़ा अलग और मज़ेदार है। ट्वीटर में 280 वर्ण के संदेशों को आप एक बार में भेज सकते हैं जिसे ट्वीट कहते हैं। ट्वीटर की डिज़ाइन ऐसे की गयी है कि जिन विषयों के बारें मे आप रुचि रखते हैं, उनके बारे में लेटेस्ट जानकारी प्राप्त करने के लिए आप बस उन्हें ही फॉलो करें।

ट्वीटर का उपयोग कैसे करें?

दुनिया भर में क्या चल रहा है, लोग किस विषय पर बात कर रहे हैं, आदि के बारे में जानने के लिए ट्वीटर से अच्छा माध्यम कोई नहीं। किसी व्यक्ति विशेष, वस्तु, स्थान की नवीनतम जानकारी के लिए उन्हें फॉलो करें।

ट्वीटर में अकाउंट कैसे बनाते हैं?

चरण 1: पहली स्टेप में आपको अपने स्मार्टफोन या कंप्यूटर के Browser URLबॉक्स में https://www.twitter.com टाइप करना है जो कि ट्वीटर की आधिकारिक (Official) वेबसाइट है। इससे आप ट्वीटर की वेबसाइट पर रिडाइरेक्ट हो जाएंगे और इस प्रकार का पेज आपके स्क्रीन पर आएगा। अब आप Sign Up बटन पर क्लिक करें, जैसा कि इमेज में ग्रीन बॉक्स के माध्यम से दिखाया गया है। आप अपने स्मार्टफ़ोन पर ट्वीटर एप्प भी डाउनलोड करके अपना अकाउंट बना सकते हैं।

चरण 2: Sign UP बटन पर क्लिक करने पर एक रजिस्ट्रेशन फॉर्म आएगा, जिसमें आप अपना नाम, मोबाइल नंबर और अपने खाते की सुरक्षा के लिए सुरक्षित पासवर्ड एंटर कर सकते हैं। फिर नीचे दिए हुए Sign Up बटन पर क्लिक करें।

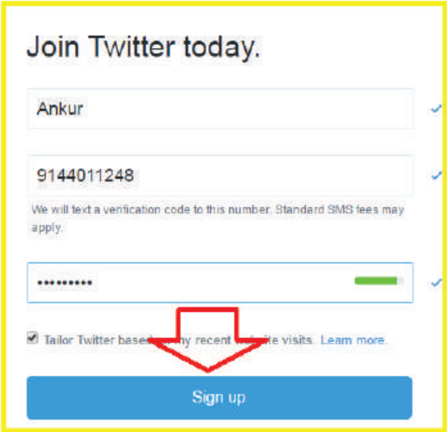

चरण 3: ट्वीटर द्वारा आपके मोबाइल में भेजा गया छः अंकों का वेरिफिकेशन कोड एंटर करें। यदि आपके मोबाइल में कोड नहीं आया हो तो विकल्प 1, Re-send SMS पर क्लिक करें। यदि आपने ग़लत मोबाइल नंबर एंटर किया हो तो विकल्प 2 को चुनें और सही मोबाइल नंबर एंटर करें। कोड एंटर करने के बाद Verify बटन पर क्लिक करें।

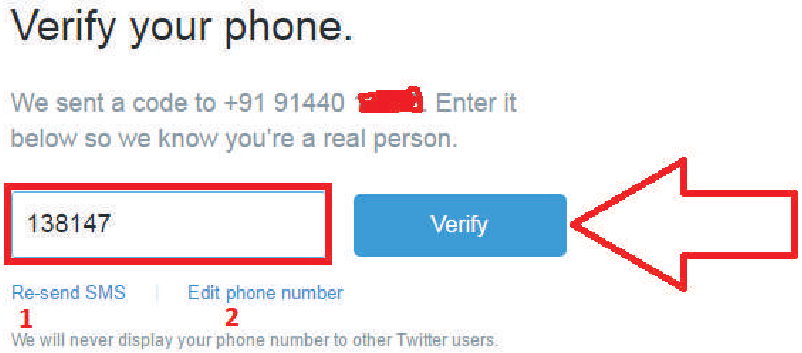

चरण 4: अब आप अपनी E-Mail Address एंटर करें। आप चाहें तो नीचे दिए हुए बटन पर क्लिक करके आगे भी बढ़ सकते हैं। पर हम बताना चाहेंगे कि आपके खाते की सुरक्षा के लिए ज़रूरी है कि आप अपनी E-Mail Address ज़रूर लिखें।

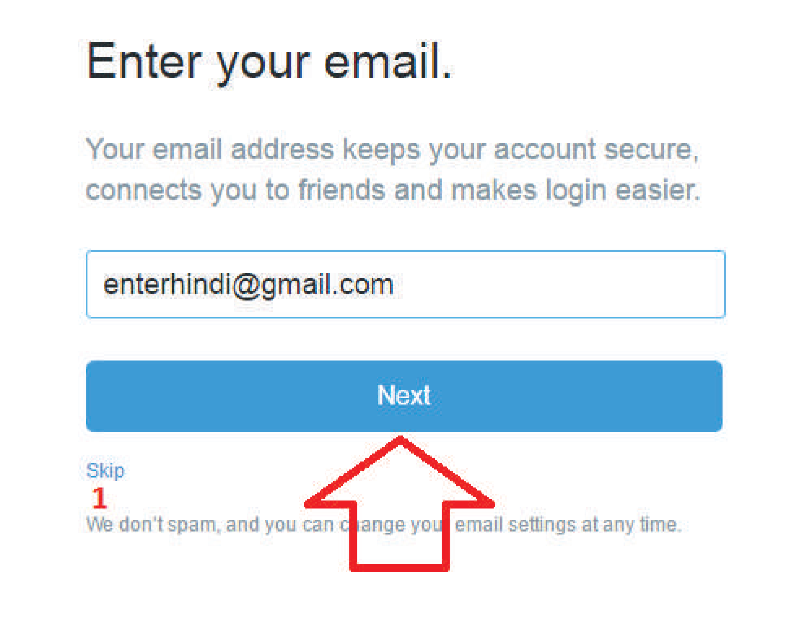

चरण 5: अब अपना User Name चुनें, User Name यूनिक होता है। आप को ऐसा यूज़रनेम लिखना होता है जो किसी और का यूज़रनेमन हो। आप चाहें तो दिये गये सुझावों में से भी कोई यूज़रनेम चुन सकते हैं। अब NEXT बटन पर क्लिक करें।

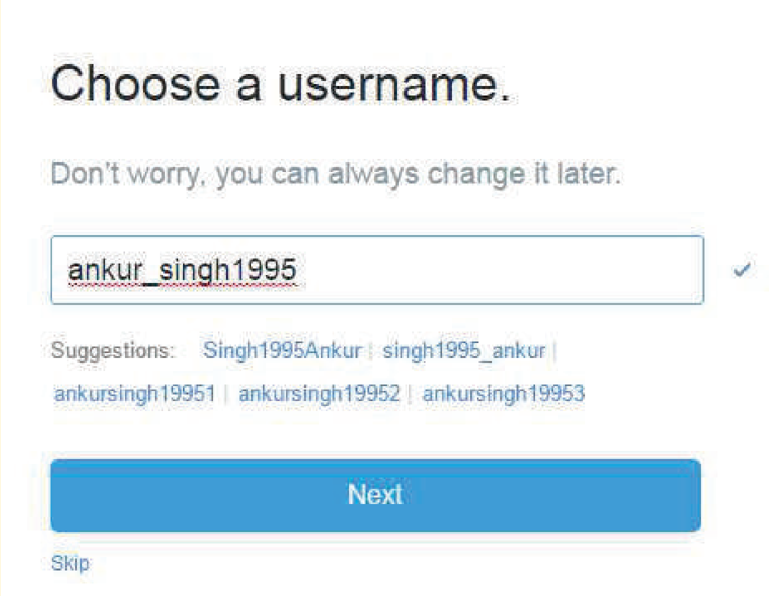

चरण 6: अब तक आपकी ट्वीटर प्रोफाइल लगभग बन चुकी होती है सो Let's go बटन पर क्लिक करें और आगे बढ़ें।

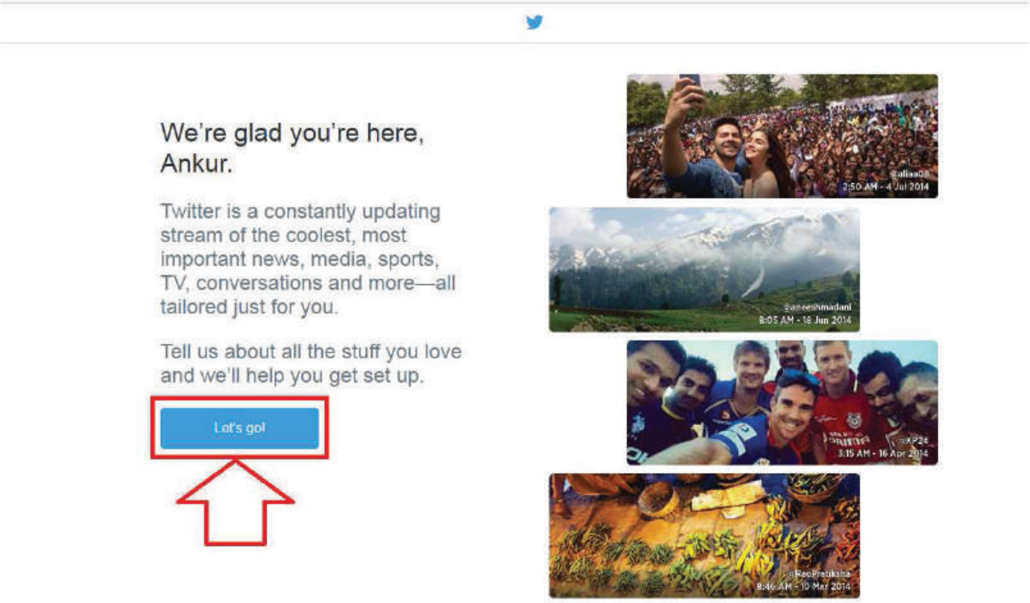

चरण 7: Continue बटन पर क्लिक करें।

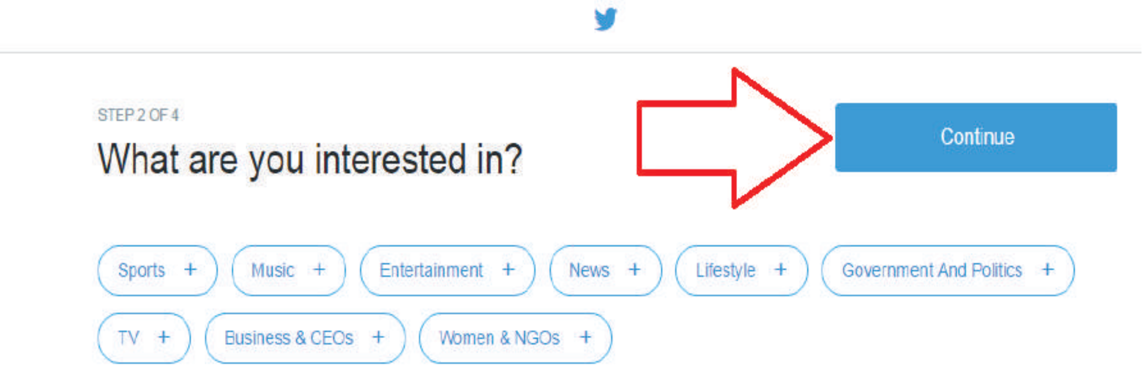

चरण 8: No Thanks बटन पर क्लिक करें।

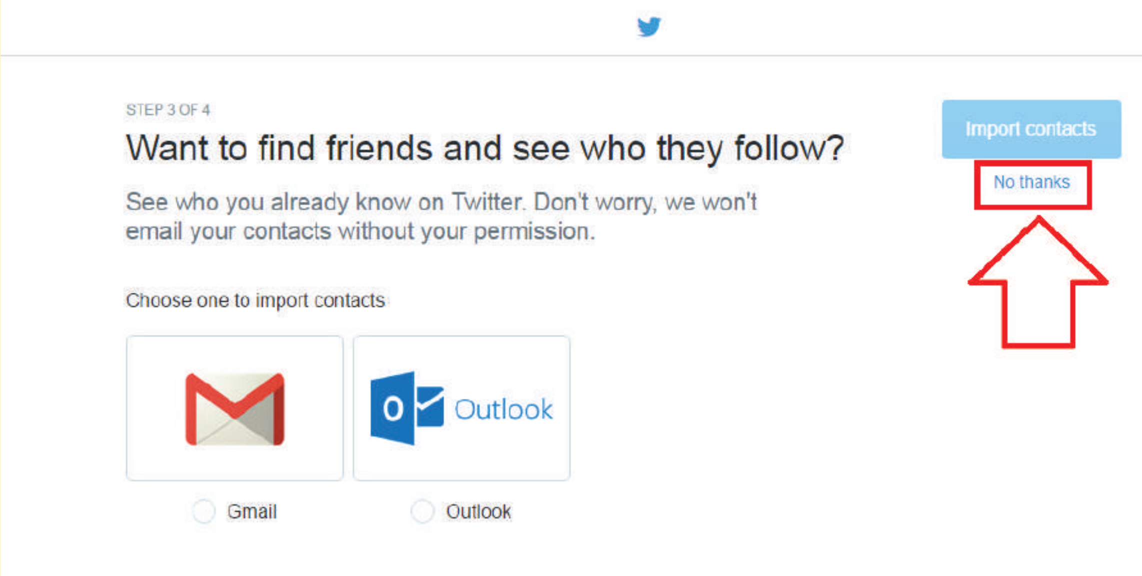

चरण 9: अब अंतिम Follow & Continueबटन पर क्लिक करें। आपकी प्रोफाइल तैयार होने में कुछ सेकंड्स का वक्त लगेगा, और फिर आपकी ट्वीटर प्रोफाइल बन जाएगी।

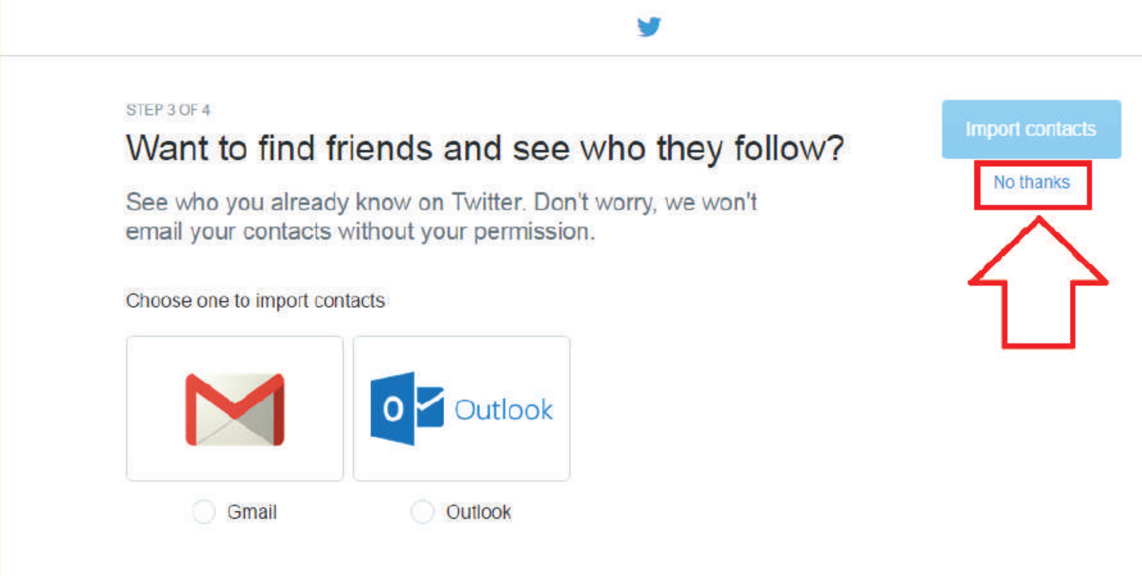

चरण 9: क्रॉस बटन पर क्लिक करें जैसा कि इमेज में दिखाया गया है। अब आप सोशल नेटवर्किंग साइट ट्वीटर का उपयोग करना शुरू कर सकते हैं।

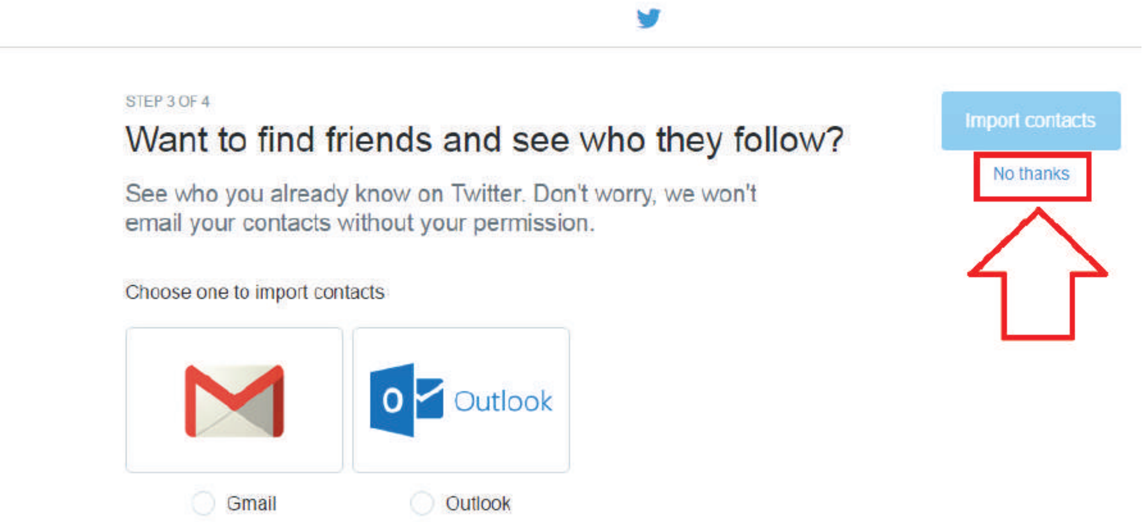

समीक्षा प्रश्न

1. ट्वीटर के लोगो में पीले रंग की चिड़िया बनी होती है? हाँ या ना
2. ट्वीटर में हम कितने वर्ण का सन्देश लिख सकते हैं?
3. ट्वीट करते समय #HASHTAG का उपयोग किसलिए किया जाता है?
4. ट्वीट करते समय @(ऍट)का उपयोग किस लिए किया जाता है?
5. ट्वीटर अकाउंट खोलने के लिए इसमें से किस चीज़ की ज़रूरत पड़ती है?
   A. फ़ोन नंबर, B. ईमेल अकाउंट, C. कोई एक, D. दोनों
6. ट्वीटर पर हम अधिकतम कितने अकाउंट्स को फ़ॉलो कर सकते हैं?

प्रोजेक्ट गतिविधि

1. अपने गाँव के 10 व्यक्तियों को ट्वीटर अकाउंट खोलना सिखाइए (सरपंच, सचिव और पार्षद को भी शामिल कीजिये)
2. अपने जिले के सरकारी अधिकारीयों तथा प्रतिनिधियों के ट्वीटर अकाउंट फ़ॉलो कीजिये
3. आपको अपने गाँव/वार्ड के बारे में क्या अच्छा लगता है और क्या ख़ास बात पसंद है (कोई 5 बातें) ट्वीट पोस्ट करिए? इसके लिए hashtag #MyArea #EVolunteer का उपयोग करें और @VikasSamvad को टैग करें
4. ट्वीट करके बताइए कि आप अपने गाँव/वार्ड का कैसा विकास चाहते हैं? (#VillageDevelopment #EVolunteer hastags का उपयोग करते हुए अपने सरपंच, सचिव, पार्षद और जिला प्रतिनिधियों को टैग करें)
5. अपने दोस्तों के साथ मिलकर किसी समस्या को हैशटैग के माध्यम से प्रसारित कीजिये।
6. ट्वीटर का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने वाले अपने 10 दोस्तों की लिस्ट बनाइये और उनसे इस बारे में और ज्यादा सीखिये।
7. ऐसे 10 लोगों को ढूंढिये़ जिनका ट्वीटर अकाउंट नहीं है और उनके ट्वीटर अकाउंट बनाइये।
8. आपने पिछले दिनों खेती से संबंधित कौन सी नई बात सीखी। इसे 30 सेकेंड के वीडियो के जरिये ट्वीटर पर पोस्ट करिये।
9. आपके आसपास ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं, जो आपके गांव या मोहल्ले की पहचान हैं, उनके बारे में लिखिये और ट्विटर पर वीडियो के साथ पोस्ट कीजिए।
10. ट्वीटर में जो हैशटैग ट्रेंड कर रहा है, उस पर अपने विचार लिखिये और पोस्ट कीजिए।

facebook

फेसबुक (facebook)

दोस्तो, पिछले चैप्टर में आपने ट्वीटर के बारे में जाना। ट्वीटर की तरह ही फेसबुक भी सोशल मीडिया में अपनी बात कहने का एक और साधन है। इसकी खासियत ट्वीटर से अलग यह है कि इसमें आप कितने भी शब्दों में अपनी बात कह सकते हैं। ट्वीटर पर जहां 280 शब्दों के भीतर अपनी बात कहने की सीमा है, वहीं फेसबुक पर ऐसी कोई सीमा नहीं है और आप लिखकर, फोटो के जरिये और वीडियो के जरिये अपनी बात कह सकते हैं। भारत में फेसबुक का उपयोग सोशल मीडिया के लिए सबसे ज्यादा होता है।

फेसबुक एक सामाजिक नेटवर्किंग वेबसाइट है जो दुनिया की सबसे ज्यादा उपयोग की जाती है। यह एकदम मुफ्त है और कोई भी इस पर अपनी प्रोफाइल आईडी दर्ज कर सकता है किन्तु उसके लिए उपयोगकर्ता की उम्र 13 वर्ष और ऊपर होना अनिवार्य है। फेसबुक का सदस्य बनने के बाद आप बड़ी आसानी से अपनी सामाजिक गतिविधियों की जानकारी अपने ऑनलाइन प्रोफाइल पर साझा कर सकते हैं। आप अपने दोस्तों और परिवार के लोगों के साथ जुड़े रह सकते हैं बशर्ते आपने उन्हें अपनी दोस्तों की सूची या फेसबुक की भाषा में कहे तो फ्रेंड लिस्ट में जोड़ के रखा हुआ हो। फेसबुक पर आप पोस्ट के माध्यम से अपने विचार, लेख और जानकारियों के साथ-साथ फोटो और वीडियोज भी साझा (Share) कर सकते हैं। आज के युग में फेसबुक हमरी सामाजिक जिंदिगी का एक अहम् हिस्सा बन चुका है ।

फेसबुक के इतिहास की बात करे तो इसे सन 2004 में मार्क ज़ुकरबर्ग और उनके दोस्तों ने हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ते हुए बनाया था। यह तब सिर्फ यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों के लिए बनाई थी ताकि सभी आपस में एक दूसरे से कनेक्ट हो कर जान सकें। आज दुनिया भर में फेसबुक में लगभग 85 करोड़ सदस्य हैं और यह 37 अलग अलग भाषाओं में उपलब्ध है।

फेसबुक मुख्यतः निम्न कार्यों के लिए उपयोग किया जाता है :-

- अपने मित्रों, परिजनों और परिचितों से जुड़ने और उनके बारे में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए
- अपने पसंद के क्षेत्र से जुड़े लोगों से जुड़ने के लिए
- अपने जीवन से जुडी महत्वपूर्ण घटनाओं और जानकारियों को अपने परिचितों के साथ साझा (Share) करने के लिए
- फेसबुक की फ्री वीडियो कालिंग सुविधा के लाभ के लिए
- फेसबुक मेसेंजर चैट - फेसबुक से जुड़े लोगों से मुफ्त में संवाद के लिए
- फेसबुक ग्रुप और फेसबुक पेज बना कर किसी एक विषय पर अन्य लोगों से संवाद और संचार के लिए
- महत्वपूर्ण व्यक्तियों से जुड़ने और जानकारियाँ हासिल करने के लिए
- अपने पसंद की कंपनियों और प्रतिष्ठानों से जुड़ने और जानकारियाँ हासिल करने के लिए
- किसी व्यक्ति, वस्तु या विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने के लिए

- मनोरंजन के लिए – फोटो, वीडियो, लिंक इत्यादि
- अपने बिज़नेस / कारोबार के प्रसार-प्रचार के लिए
- ऑनलाइन विज्ञापन करने के लिए

फेसबुक प्रोफाइल आपके व्यक्तिव को दर्शाती है, इसलिए फेसबुक का इस्तेमाल करते वक्त ध्यान रखने वाली सावधानियाँ निम्न है –

प्रोफाइल बनाने के बाद अपनी प्राइवेसी और सिक्यूरिटी सेटिंग्स को कस्टमाइज करें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी को निज़ी (प्राइवेट) ही रखें।

- हमेशा स्वच्छ भाषा के माध्यम से अपनी पोस्ट का उपयोग अच्छे विचार, सही जानकरियां और ज़रूरी बातों के लिए ही करें।

- अपनी प्रोफाइल की वाल पोस्ट पर अपनी निजी जानकारियाँ जैसे यात्रा की योजनाएं का जिक्र न करें।
- अनजान और संदिग्ध फेसबुक रिक्वेस्ट को स्वीकार (एक्सेप्ट) न करें।
- फेसबुक पर किसी भी व्यक्ति के अपशब्द, गलियाँ, धमकी और अभद्र भाषा का उपयोग बिलकुल भी न करें।
- किसी व्यक्ति विशेष को धर्म, जाति, लिंग, रंग भेद के आधार पर टिप्पणी/कमेंट करने से बचें।
- कभी भी फर्जी नाम से प्रोफाइल न बनाएँ और अगर कोई फर्जी प्रोफाइल आपके ध्यान में आती है तो उसे तुरंत फेसबुक को रिपोर्ट करे। ऐसी फर्जी प्रोफाइल बुरे लोगों द्वारा गलत काम के लिय बनाई जाती है।
- अपनी वाल पर आपत्तिजनक, भ्रामक और अफ़वाह फ़ैलाने वाली सामग्री न तो पोस्ट करें और न ही किसी और की पोस्ट को साझा (Share) करें।

- संदिग्ध वीडियो लिंक, वेबसाइट लिंक, पोर्नोग्राफी लिंक, अनजान विज्ञापन लिंक पर कभी क्लिक न करें। यह आपके कंप्यूटर, फ़ोन और आपकी गरिमा को हानि पहुँचा सकते हैं।
- अपनी आईडी पासवर्ड किसी अन्य व्यक्ति को कभी न बताएं और फेसबुक का उपयोग करने के बाद हमेशा लॉगआउट करें।

आप क्या कर सकते हैं फेसबुक पर

1. अपने गांव और समाज के हालात के बारे में लिखें
2. अपने गांव की समस्याओं के बारे में लोगों को बताएं
3. अपने आसपास कोई व्यक्ति अगर अच्छा काम कर रहा है, जैसे शिक्षा, किसानी, रोजगार, स्वास्थ्य, महिला मुदा़दा आदि पर तो उसके बारे में फेसबुक पर लिखें और उसकी फोटो भी साझा करें।
4. किसी सरकारी योजना का हाल आपके गांव मोहल्ले में क्या है इस बारे में लोगों को जानकारी दें।
5. अगर कोई व्यक्ति गलत काम कर रहा है तो उसके बारे में वीडियो, फोटो आदि के माध्यम से बताएं।

6. किसानी के बारे में जानकारी साझा करें और अगर कोई दिक्कत आ रही है तो फेसबुक पर मदद मांगने से भी पीछे न रहें।
7. अपने आसपास फेसबुक का इस्तेमाल करने वाले लोगों को समझाएं कि यह सिर्फ अपने फोटो डालने और अफवाहें उड़ाने का ही साधन नहीं है, बल्कि अच्छी सूचनाएं भी फेसबुक पर डाली जानी चाहिए।
8. अपना फेसबुक मित्र समूह बनाएं और उसमें हर सप्ताह फेसबुक के जरिये सामाजिक बदलाव कैसे लाया जा सकता है, इसके लिए बातचीत करें।
9. फेसबुक से होने वाले खतरों से अपने आसपास के लोगों को परिचित कराएं।
10. फेसबुक के सुरक्षित उपयोग के बारे में अपने आसपास के लोगों और जानने वालों से जानकारी लें।

क्या न करें

- बहुत ज्यादा अपने फोटो या अपने करीबियों के फोटो फेसबुक पर न डालें। इनका कोई गलत इस्तेमाल कर सकता है।
- सीमित जानकारी ही साझा करें।
- एप का बहुत ज्यादा इस्तेमाल न करें।
- फेसबुक जब भी खोलें ता यह तय कर लें कि आपको कितनी देर इस्तेमाल करना है। घंटों फेसबुक को ही न देखते रहे।
- दोस्ती फेसबुक पर करें लेकिन अपने जमीनी और हकीकत के दोस्तों को भी समय दें।

व्हाट्सएप (WhatsApp)

दोस्तो आप सोशल मीडिया के दो अहम फोरम ट्वीटर और फेसबुक के बारे में जान चुके हैं। इसी सोशल मीडिया का एक और प्रचलित माध्यम है व्हाट्सएप।

व्हाट्सएप मोबाइल के जरिये अपने मित्रों से बातचीत का एक साधन है। यह मोबाइल पर बिना एस.एम.एस (SMS) के पैसे खर्च किये अपने संपर्क वाले लोगों से सन्देश का आदान-प्रदान करने के लिए सबसे प्रचलित मोबाइल एप्प है।

आज विश्व भर में करोड़ों लोग इसका प्रयोग कर रहे हैं, और किसी भी मोबाइल पर कोई और एप्प डाउनलोड हो या न हो यह एप्प जरूर सबसे पहले डाउनलोड कर इनस्टॉल किया जाता है।

व्हाट्सएप्प शब्द का हिंदी में मतलब है "क्या चल रहा है?" Whatsapp सन्देश भेजने और प्राप्त करने के पुराने तरीके को पूरी तरह बदल चुका है या यूँ कहें कि यह एक क्रांतिकारी मोबाइल सॉफ्टवेर है। इसमें आप मोबाइल डेटा, वाई.फाई. इत्यादि का प्रयोग कर बिना किसी अन्य शुल्क है, अनगिनत सन्देश, फोटो, वीडियो, डॉक्यूमेंट, ऑडियो सन्देश और मुफ्त फ़ोन कॉल कर सकते है। यह एप्प एंड्राइड, एप्पल, विंडोज, ब्लैकबेरी और नोकिआ सहित अन्य कई प्रकार के फ़ोन के लिए उपलब्ध है, इनमे से किसी भी प्रकार के फ़ोन के बीच में संवाद के लिए उपयोग किया जा सकता है।

व्हाट्सअप कहाँ से करें डाउनलोड (WhatsApp Download) ?

व्हाट्सअप का मोबाइल एप्प बिलकुल मुफ्त है और इस मोबाइल एप्प को आप अपने मोबाइल पर निम्न लिंक पर जाकर डाउनलोड कर सकते है: https://www.whatsapp.com/dl/इसे डाउनलोड करने के बाद इनस्टॉल करें, इनस्टॉल करने समय आपको अपना मोबाइल नंबर डालने और सत्यापित (Verify) करने को कहा जाएगा। मोबाइल नंबर डालते समय अपना देश चुने फिर, 10 अंकों वाला मोबाइल नंबर डालें।

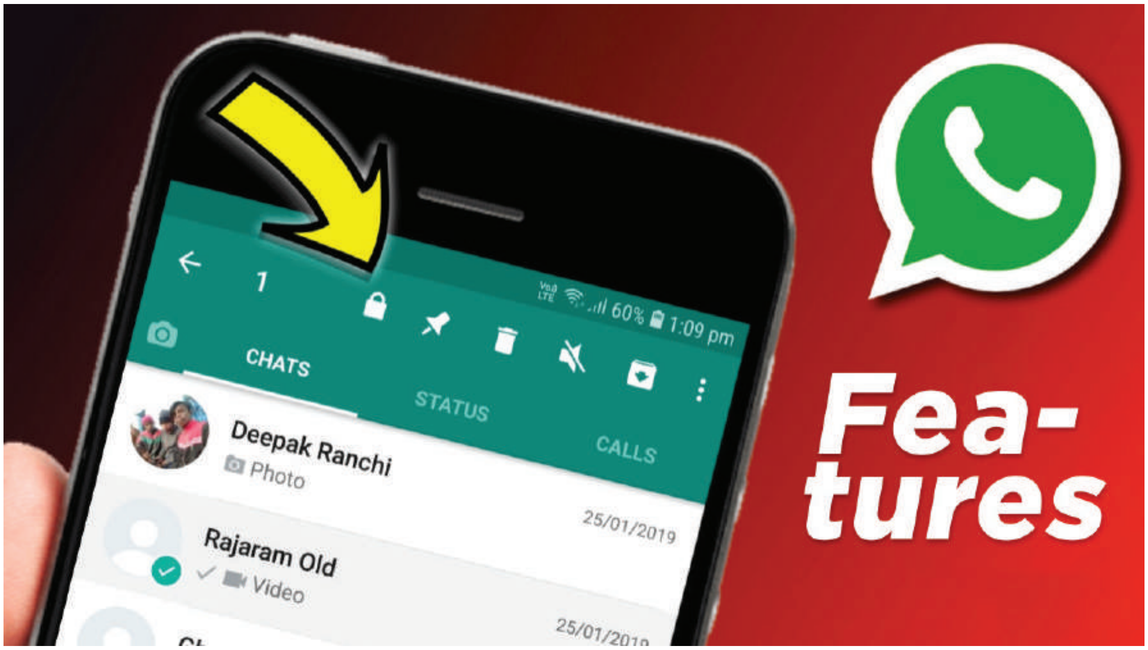

व्हाट्सएप के विभिन्न उपयोग

आइये जानते है कि फ़ोन में WhatsApp(व्हाट्सएप) डाउनलोड करने के बाद, किन-किन कार्यों के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।

1. **लिखित सन्देश (SMS) भेजने और प्राप्त करने के लिए:-**पहले जो काम आप SMS से करते थे, वही कार्य आप WhatsApp की मदद से बिना किसी अतिरिक्त SMS शुल्क के कर सकते हैं।

2. **फोटो और वीडियो भेजें और प्राप्त करें :-** WhatsApp से आप अपने संपर्क और समूहों में अपने फोटो और वीडियो साझा कर सकते हो और अन्य लोगों से प्राप्त कर सकते हो।

3. **डॉक्यूमेंट भेजें और प्राप्त करें :-** इस एप्प के माध्यम से आप न सिर्फ टेक्स्ट, फोटो और वीडियो बल्कि डॉक्यूमेंट फइलें भी साझा (Share) कर सकते हैं, इससे आप बिना ईमेल के प्रयोग किये सीधे ही फाइलों का आदान-प्रदान बड़ी आसानी से कर सकते हैं।

4. **अपने मोबाइल से कोई संपर्क को किसी अन्य मित्र को भेजें :-** यदि आपसे कोई किसी का नंबर मांगे तो अब उन्हें नंबर SMS करने की कोई आवश्यकता नहीं, कोई भी नंबर आप WhatsApp के माध्यम से भी अपने मोबाइल से किसी अन्य संपर्क के साथ साझा (Share) कर सकते हैं।

5. **अपनी लोकेशन भेजें :-** लोगों को बहुत बार अपनी वर्तमान स्थान की लोकेशन दूसरों को भेजने की आवश्यकता पड़ती है, WhatsApp से किसी को भी अपनी लोकेशन भेज सकते हैं, जिससे वो आप तक आसानी से पहुँच सके।

6. **ऑडियो सन्देश भेजें और प्राप्त करें :-** यदि आप किसी कोई बोल कर कोई सन्देश भेजना चाहते है, तो आप व्हाट्सप्प में आसानी से ऑडियो रिकॉर्ड कर के भेज या प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए व्हाट्सप्प में उस व्यक्ति या समूह पर जाकर “माइक्रोफोन” के चिन्ह दबाकर ऑडियो रिकॉर्ड करें और छोड़ते ही आपका ऑडियो सन्देश भेज दिया जाएगा।

7. **मुफ्त फ़ोन कॉल करें :-** यदि आपके पास अच्छा इंटरनेट डेटा कनेक्शन या वाई-फाई है और जिसे कॉल करना चाहते हैं वह भी बढ़िया इंटरनेट से जुड़ा है, तो आप व्हाट्सएप के माध्यम से मुफ्त कॉल कर सकते हैं।

8. **व्हाट्सएप ग्रुप चैट:-** समूहों से जुड़ें और अपने समूह बनाएं:- व्हाट्सएप के माध्यम से आप अपने मोबाइल संपर्कों के समूह बना कर एक साथ कई लोगों को सन्देश, फोटो, वीडियो और अन्य सामग्री भेज सकते हैं और ग्रुप चैट भी कर सकते हैं।

9. **व्हाट्सएप वेब से अपने कंप्यूटर ब्राउज़र में व्हाट्सएप का प्रयोग करें :-** जब आप कंप्यूटर पर काम कर रहे हों, तो आपको व्हाट्सएप का उपयोग करने के लिए बार बार मोबाइल प्रयोग न करने पड़े तो इसके लिए आप व्हाट्सएप वेब का प्रयोग कर सकते हैं।

    - अपने कंप्यूटर में इस लिंक पर जाएँ: https://web.whatsapp.com/
    - यहाँ आपको QR code दिखाई देगा
    - अपने मोबाइल में "Settings > WhatsApp Web" पर क्लिक करें
    - मोबाइल से ब्राउज़र में खुले उपरोक्त QR code को स्कैन करें

इससे आपके व्हाट्सएप की स्क्रीन आपके कंप्यूटर ब्राउज़र में खुल जायेगी, जिससे आप व्हाट्सएप का वेब के माध्यम से उपयोग करने में सक्षम होंगे।

गंभीर मसला यूं हो जाता कि WhatsApp मैसेज end-to-end encrypted होते हैं. इसका मतलब ये है कि सिर्फ भेजने वाला और उसे रिसीव करने वाला ही मैसेज पढ़ सकता है. अथॉरिटीज के पास कोई नियंत्रण नहीं जिससे वो गलत सूचनाओं पर लगाम लगा सकें. ये पता लगाना लगभग नामुमकिन है कोई फेक न्यूज़ शुरू कहां से हुई. तो एक तरह से एनक्रिप्शन प्राइवेसी को तो बनाए रखता है, लेकिन फेक न्यूज़ में भी मददगार बनता है.

20 करोड़ लोग WhatsApp उपयोग करते हैं. हर रोज हजारों नए लोग जुड़ रहे हैं. यह एप्प बिना जांच की हुई फर्जी खबरों का अड्डा बनती जा रही है. सिर्फ इसलिए किसी संदेश पर यकीन न करें क्योंकि वो आपकी राजनीतिक सोच से मिलता है.

क्या करें क्या न करें

1. आपको कोई सूचना मिली है, तो उसे अपने दोस्तों को पहुंचाए, लेकिन उसके पहले यह सुनिश्चित कर लें कि सूचना सही है।
2. जिस बारे में जानकारी पुख्ता न हो उसके बारे में बहस से बचें।
3. व्हाट्सएप समूह में कोई अफवाह की सूचना मिलने पर उसके बारे में तुरंत पता लगाएं और अफवाह फैलाने वाले को चेताएं।
4. अपने कार्यक्रम या घूमने फिरने के बहुत ज्यादा फोटो किसी को न भेजें। इससे डेटा खर्च होता है और लोग आपको नापसंद भी कर सकते हैं।
5. सुबह सुबह गुड मॉर्निंग या रात में गुड नाइट जैसे मैसेज भेजने से बचें।
6. अनजान नंबरों से आने वाले मैसेज को फारवर्ड करने से पहले बहुत सोच समझ लें।
7. निजी बातचीत करें तो यह सुनिश्चित कर लें कि जिससे बात कर रहे हैं वही व्यक्ति चैट कर रहा है।
8. व्हाट्सएप पर दोस्ती होने पर एकदम से किसी पर भरोसा न करें।
9. अपने आसपास की जरूरी जानकारी को व्हाट्सएप पर जारी करें।
10. 11 लोगों को फलां मैसेज भेजने से लाभ होगा, नहीं भेजोगे तो हानि होगी जैसे चैन मैसेज को बढ़ावा न दें।

`

फर्जी संदेश या अफ़वाह (FAKE NEWS)

अब आप फेसबुक, ट्वीटर, व्हाट्सएप के बारे में जान चुके हैं और अगर इनका इस्तेमाल करते हैं, तो फर्जी संदेश या अफवाहों का या तो हिस्सा बने होंगे या फिर इनसे परेशान हुए होंगे। इन्हें इंटरनेट की भाषा में हॉक्स मैसेज कहा जाता है। यानी ऐसे मैसेज जिनमें थोड़ी बहुत सच्चाई मिलाकर भावनाओं के जरिये झूठ फैलाया जाता है।

एक आंकड़े के मुताबिक, देश में करीब 20 करोड़ लोग वॉट्सऐप का इस्तेमाल करते हैं। इसके जरिए एक-दूसरे को भेजे जाने वाले कई मैसेज, फोटो और वीडियो नकली और फर्जी होते हैं, लेकिन बिना सोचे समझे उन्हें आगे साझा (Share/Forward) कर देने के चलते ये देखते ही देखते वायरल हो जाते हैं। वॉट्सएप्प पर मौजूद फर्जी संदेश सिरदर्द बन चुके हैं। हिंदू-मुस्लिम, सवर्ण-दलित, गोरक्षा जैसे मुद्दों से संबंधित 'फर्जी संदेश' आग में घी का काम कर रहे हैं। हाल के दिनों में सांप्रदायिकता, जातिवाद और बच्चा चोरी से जुड़े तमाम ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें 'फेक न्यूज' से अफवाह फैली, जिनकी वजह से निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

फेक न्यूज के तेजी से फैलने के कारण क्या है?

फेक न्यूज़ फैलने के पीछे दो बड़ी वजहें मानी जा रही हैं। इनमें पहली वजह हाल के सालों में सस्ते दामों के चलते स्मार्टफोन की बढ़ती संख्या है, जबकि दूसरी वजह इंटरनेट डेटा के दामों में आने वाली कमी है। स्मार्टफोन गांव-गांव तक पहुँच चुका है, लेकिन लोगों में जागरूकता की भारी कमी है। यही वजह है कि गांवों में रहने वाले ज्यादातर लोग सोशल मीडिया पर तैर रही लगभग हर बात पर भरोसा कर लेते हैं।

'बेवकूफ ' बनने से बचें :-

अगर आप फेसबुक और वॉट्सएप्प का इस्तेमाल करते हैं तो आपका वास्ता फेक न्यूज़ से जरूर पड़ेगा। तो चलिए हम आपको बताते हैं कि फेक न्यूज को कैसे पहचानें और वेबकूफ बनने से बचें।

फेक संदेश को ऐसे पहचानें :-

वॉट्सएप्प पर फेक संदेश की सबसे बड़ी पहचान ये है कि जब इस तरह का कोई सन्देश "फॉरवर्ड" होता है, तो उसमें ना तो कोई तारीख लिखी होती है और ना किसी सही सोर्स का कोई हवाला होता है। ऐसे में फॉरवर्ड की जा रही खबर कब की है? सही है भी या नहीं? इस बारे में लोगों को जानकारी नहीं होती। लेकिन अकसर वे इस तरह के लंबे और भावनात्मक संदेशों को पढ़कर अनजाने में उन पर भरोसा कर लेते हैं जल्दबाजी और गुस्से में फैलाते चले जाते हैं।

लेकिन WhatsApp पर सच कैसे पता करें? सच ये है कि लोग पता करना चाहते ही नहीं हैं। अगर कोई मैसेज उनकी विचारधारा से मेल खाता है तो वो उस पर यकीन कर लेते हैं. ये 'खास झुकाव'है।

वजह 1: **खास झुकाव:-** ये फेक न्यूज के पॉपुलर होने की सबसे बड़ी वजह है।

वजह 2: **दोस्तों और परिवार पर भरोसा :-** अब मान भी लीजिए. करीबियों के फॉर्वर्ड WhatsApp मैसेज पर हम कम ही शक करते हैं। जैसे वो भरोसेमंद अंकल, चाचा, मामा या अन्य परिजन जिनके मैसेज पर शक होने पर आप सोचते हैं कि नहीं...शायद ठीक ही होगा। वो फेक न्यूज क्यों भेजेंगे? भेजा है तो सही ही होगा! इतना लंबा है, जरूर कुछ सच है।पर रुकिए! फेक न्यूज के जाल में कोई भी फंस सकता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वैसे वो कितने भरोसे के काबिल हैं।

वजह 3: **एनक्रिप्शन यानी पूरी तरह सुरक्षित :-** व्हाट्सएप्प सन्देश एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड होते हैं। इसका मतलब ये है कि सिर्फ भेजने वाला और उसे रिसीव करने वाला ही मैसेज पढ़ सकता है। कंपनी और सरकार के अधिकारियों के पास कोई कंट्रोल नहीं जिससे वो गलत सूचनाओं पर लगाम लगा सकें। ये पता लगाना लगभग नामुमकिन है कोई फेक न्यूज शुरु कहां से हुई। तो एक तरह से एनक्रिप्शन प्राइवेसी को तो बनाए रखता है, लेकिन फेक न्यूज में भी मददगार बनता है।

वजह 4: **पैरोडी एकाउंट के स्क्रीनशॉट :-** फेसबुक और ट्वीटर के नकली (पैरोडी) अकाउंट्स के जरिए भी आपको मूर्ख बनाया जाता है। अब इन दो ट्वीटर खाता (Account) को देखिए। दाएँ तरफ है रिपब्लिक टीवी का खाता (Account) और बाएँ तरफ है उसी का पैरोडी खाता (Account)। अब ये खाता (Account) ट्वीटर पर नहीं है, लेकिन जब ये था तब इसने काफी फेक न्यूज फैलाई।

जैसे रिपब्लिक टीवी के फेक खाता (Account) ने शेहला रशीद के नाम से फर्जी कोट डाल दिया। जिसके बाद WhatsApp पर ट्वीट के स्क्रीनशॉट घूमने लगे। जब आप WhatsApp पर स्क्रीनशॉट रिसीव करते हैं और देखते हैं कि @republicTv ने इसे साझा (Share) किया है तो शायद आप सोचते भी नहीं कि हो सकता है शेहला रशीद ने ऐसा कुछ न कहा हो। आप शायद ये भी नोटिस न करें कि ये एक फर्जी खाता (Account) है, असली रिपब्लिक टीवी नहीं। यही वजह है कि पैरोडी खाता (Account) के स्क्रीनशॉट काफी खतरनाक हो सकते हैं। तो आगे से जब भी किसी ट्वीट का स्क्रीनशॉट मिले तो ये चेक जरूर करें कि वो ट्वीट किया भी गया है या नहीं।

तो सवाल ये है कि आप इससे कैसे बच सकते हैं?

- सर्च इंजन की मदद से खबर की जाँच करें।
- किसी खबर को तब तक साझा (Share) न करें जब तक आप उसकी प्रमाणिकता के बारे में निश्चित न हों।

इन साइट पर जाकर पता कर सकते हैं कि आप जो शेयर कर रहे हैं वह सच है या झूठ

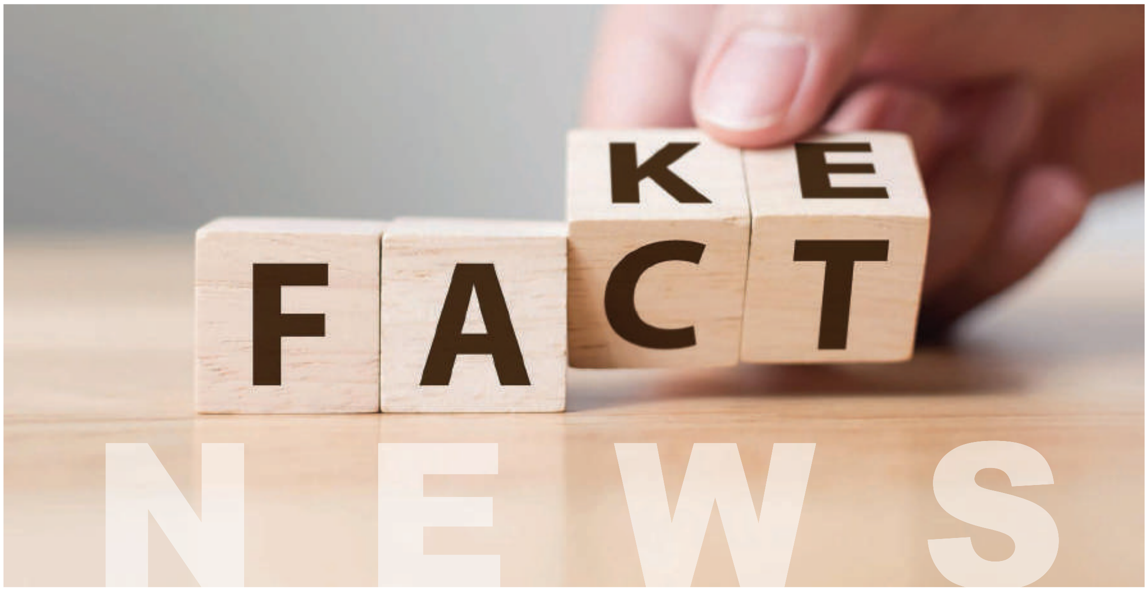

सोशल मीडिया पर आने वाली फेक न्यूज़ (Fake News) से अगर आप परेशान हैं और उनकी सही पड़ताल करना चाहते हैं, तो यह बहुत आसान नहीं है, लेकिन बहुत मुश्किल भी नहीं है। असल में, इन दिनों सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़ (Fake News) या अफवाहों से सरकार, प्रशासन से लेकर आम नागरिक तक सभी परेशान हैं। माना जा रहा है कि सोशल मीडिया की बढ़ती पहुंच और तेजी के बीच अफवाहों, फेक न्यूज़ की संख्या भी बढ़ती जाएगी। ऐसे खतरों से निपटने के लिए फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्ट्राग्राम, ट्वीटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपने स्तर पर कदम उठा रहे हैं और फेक न्यूज़ (Fake News) की पहचान के लिए तकनीक को बेहतर कर रहे हैं, तो वहीं विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सरकारें भी अपने स्तर पर कानून बनाकर फेक न्यूज़ पर लगाम कसने की तैयारी कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर पुलिस और जिला प्रशासन भी फेक न्यूज़ (Fake News) प्रसारित न करने और अफवाहों से बचने की सलाहें देते हैं।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि फेक न्यूज या अफवाह (Fake News) की पहचान कैसे हो! आमतौर पर फेक न्यूज़ को फैलाने वाले इसे इस तरह से पेश करते हैं कि यह सच के बेहद करीब लगती है। किसी सामान्य व्यक्ति के लिए फेक न्यूज़ की पहचान करना लगभग नामुमकिन होता है। हमारे देश में जहां व्हाट्सएप और फेसबुक को जहां महज मनोरंजन का साधन माना जाता है, वहां तो हालात और भी भयावह हैं।

हालांकि इसी बीच अच्छी बात यह है कि देश दुनिया की विभिन्न वेबसाइट और समूह फेक न्यूज (Fake News) की पड़ताल को अंजाम दे रहे हैं। यह कोशिश और बेहतर हो सकती है कि अगर जागरूक सोशल मीडिया यूजर इसमे सक्रिय भूमिका निभाएं।

हम यहां ऐसी ही कुछ वेबसाइट की लिंक दे रहे हैं। इन वेबसाइट के जरिये आप फेक न्यूज (Fake News) से बच सकते हैं। इनमें से कुछ वेबसाइट सिर्फ फैक्ट चैक के लिए ही काम कर रही हैं, तो कई खबरिया वेबसाइट ने इसके लिए अलग से एक पेज बना रखा है।

- **हॉक्स आर फैक्ट (www.hoaxorfact.com):** देश—दुनिया की वायरल खबरों की जांच करने वाली वेबसाइट। यह अंग्रेजी में है।
- **बूमलाइव (www.boomlive.in):** हिंदी और अंग्रेजी के अलावा बांग्ला में खबरों की सच्चाई जांचने का काम कर रही है यह साइट।
- **फैक्टचैक (www.factcheck.org):** खबरों की सही जानकारी पाने के लिए यह विश्वसनीय स्रोत है।
- **स्नूप (www.snopes.com):** यह फेक न्यूज की पड़ताल को समर्पित वेबसाइट है।

- **विश्वास न्यूज (www.vishvasnews.com):** फेक न्यूज की पड़ताल करने वाली जागरण समूह की स्वतंत्र वेबसाइट।
- **फेक्टचैकर (www.factchecker.in):** खबरों की पड़ताल के लिए इस साइट पर भी सटीक और तुरंत जानकारी पाई जा सकती है।
- **पॉलिटीफैक्ट (https://www.politifact.com):** अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक खबरों के तथ्यों की जांच को समर्पित वेबसाइट।
- **आल्ट न्यूज (www.altnews.in):** भारत में फेक खबरों की पड़ताल को समर्पित एक विश्वसनीय स्रोत। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है।

इसके अलावा कई लोकप्रिय वेबसाइट भी फेक न्यूज की पड़ताल के लिए काम कर रही हैं। जैसे—

- **आज तक का फैक्ट चैक (https://aajtak.intoday.in/fact-check.html):** भारत की लोकप्रिय साइट में से एक आजतक अपने एक सेक्शन में फेक न्यूज (Fake News) की हकीकत बताती है। यह हिंदी में है। इसके अलावा आजतक की अंग्रेजी वेबसाइट (www.indiatoday.in/fact-check)पर भी आप फैक्ट चैक कर सकते हैं।
- **नवभारत टाइम्स का वायरल अड्डा (https://navbharattimes.indiatimes.com/viral-adda/category/fake-news-buster):** इस लिंक पर जाकर भी आप झूठी खबरों के बारे में जानकारी ले सकते हैं।
- **लल्लनटॉप की पड़ताल (https://www.thelallantop.com/videos-category/padtaal):** युवाओं के बीच लोकप्रिय वेबसाइट लल्लनटॉप अपने वीडियो सेक्शन में पड़ताल के जरिये फेक न्यूज पर जानकारी दे रही है।
- **एबीसी का फैक्ट चैक (https://www.abc.net.au/news/factcheck):** अंग्रेजी की लोकप्रिय साइट एबीसी भी फैक्ट चैक के लिए अलग से काम कर रही है। यहां अंग्रेजी में जानकारी उपलब्ध है।

इसके अलावा :-

- एमएसएन (www.msn.com/en-us/news/factcheck)
- टाइम्स आफ इंडिया (timesofindia.indiatimes.com/times-fact-check)

- पॉइंटर https://www.poynter.org/news/fact-checking
- सीएनए https://edition.cnn.com/specials/politics/fact-check-politics
- समेत कई वेबसाइट हिंदी अंग्रेजी समेत अन्य भाषाओं में फैक्ट चैकिंग कर रही हैं।

आगे से आपके पास कोई खबर आए तो उसे इन वेबसाइट पर चैक कर सकते हैं। यदि यहां नहीं मिलती है, तो इन वेबसाइट से संपर्क कर पुन: जांच के लिए कह सकते हैं। सोशल मीडिया पर आने वाली हर न्यूज और सूचना की पड़ताल जरूरी हो गई है। कई बार फर्जी मामलों की वजह से वायरल करने वाले की फजीहत होती है। इसलिए कोई भी सूचना आने पर उसे आगे तभी वायरल करें जब उसकी पुष्टि हो। अगर सूचना फर्जी निकले तो उसे तत्काल अपने मोबाइल फोन से हटा दें। उसे डिलीट कर दें ताकि कोई दुरुपयोग न कर सके।

कैसे बढ़ती जा रही हैं फेक न्यूज (Fake News)

अभी हाल ही में फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि 2016 में अमेरिकी चुनाव के बाद फर्जी राजनीतिक खबरों पर अमरीकी सरकार की तरफ से कार्रवाई में नाकामी के कारण ऑनलाइन स्तर पर गलत सूचनाओं की बाढ़ आ गई। यह एक हद तक सही बात भी है। अगर फेक न्यूज फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो तो यह रोकी जा सकती हैं, लेकिन उन्हें पकड़ने में तकनीकी मदद की दरकार भी इन्हीं सोशल मीडिया कंपनियों की चाहिए।

पुलिस प्रशासन कर रहा है कोशिश

विभिन्न जिलों से ऐसी खबरें आती हैं कि वहां बिना पड़ताल कोई सूचना वायरल करना भारी पड़ सकता है। या फैक्ट चेक की जांच करके पुलिस सच्चाई बताएगी। सोशल मीडिया पर होने वाली गतिविधियों की निगरानी के लिए जिला स्तर पर कई एसपी या कलेक्टर ने टीम भी बनाई है। लेकिन इसमें लोगों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

कंपनियां भी सक्रिय

सोशल मीडिया कंपनियां भी फेक न्यूज पर लगाम की कोशिश कर रही हैं। इसके लिए नियमों को सख्त किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद व्हाट्सएप ने साफ कहा है कि थोक में यानी बल्क में मैसेज करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि व्हाट्सएप ने नया नियम 7 दिसंबर से लागू करने की बात कही है। इससे पहले व्हाट्सएप ने इस साल के शुरुआत में मैसेज भेजने की संख्या पर लगाम लगाई थी।

ग्लोबल फैक्ट चेक समिट में उठा था मामला

फेक न्यूज (Fake News) के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने में ग्लोबल फैक्ट-चेकिंग समिट बड़ी भूमिका निभा रहा है। यह सम्मेलन तथ्यों की पड़ताल करने वालों, पत्रकारों और

विद्वानों को एकजुट करने की कोशिश कर रहा है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन की यूनिवर्सिटी में जून 2019 में तक छठवां फैक्ट चैकिंग सम्मेलन किया गया। सम्मेलन में 250 से अधिक फैक्ट चेकिंग पहलकदमियों की जानकारी दी गई।

आप क्या करें

- आपके पास कोई अफवाह आए तो उसकी सूचना तुरंत दूसरे समूहों को दें कि यह अफवाह फैलाई जा रही है।
- अफवाह को जांचने के लिए इंटरनेट के जानकार लोगों की मदद लें।
- जानकारी को लगातार सर्च करते रहे और यह देखें कि आखिर किसी मैसेज से किसी खास व्यक्ति को फायदा तो नहीं हो रहा है।
- अफवाह फैलाने वाले समूह या व्यक्ति की शिकायत अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में करें।
- फेसबुक पर अफवाह फैलाने वाली पोस्ट को रिपोर्ट करें। हर पोस्ट के दाहिने तरफ सबसे ऊपर तीन बिंदू होते हैं, उसके जरिये आप रिपोर्ट कर सकते हैं।

शक करें... जांचें... सिर्फ सच फैलाएं

साइबर अपराध (Cyber Crime)

इन दिनों बातचीत में या फिर इंटरनेट या खबरों में आपने साइबर क्राइम के बारे में सुना ही होगा। असल में, कंप्यूटर/मोबाइल तथा इंटरनेट के उपयोग से होने वाले अपराध को साइबर क्राइम कहा जाता है। दिक्कत की बात यह है कि आप कभी भी साइबर क्राइम का शिकार हो सकते हैं और जब तक आपको इसका पता चलेगा तब तक अपराधी जो बहुत दूर कहीं किसी देश में होगा, वह अपनी सारी पहचान मिटा सकता है।

आप जानते हैं कि किसी भी अपराध का शिकार सबसे कमजोर लोग सबसे पहले होते हैं, तो इस तरह के तकनीक आधारित अपराधों का शिकार भी वही लोग होते हैं, जो तकनीक की समझ नहीं रखते हैं, या फिर कम समझ रखते हैं। इसलिए अगर आप इंटरनेट, सोशल मीडिया, मोबाइल आदि का इस्तेमाल करते हैं, तो इन अपराध और उनको कैसे अंजाम दिया जाता है इसकी जानकारी रखना बहुत जरूरी है।

साइबर क्राइम क्या है ?

कंप्यूटर/मोबाइल तथा इन्टरनेट के उपयोग से होने वाले अपराध को साइबर क्राइम कहा जाता है :-

- साइबर क्राइम के प्रकार :-
- कंप्यूटर शिकार के रूप में (Computer as a Target)
- कंप्यूटर हथियार के रूप में (Computer as a weapon)
- साइबर क्राइम के प्रकार
- हैकिंग
- वायरस
- डिनायल ऑफ़ सर्विस अटैक
- साइबर आतंकवाद
- साफ्टवेयर
- अश्लीलता
- एटीएम फ्रॉड
- मोबाइल फ़ोन हैकिंग

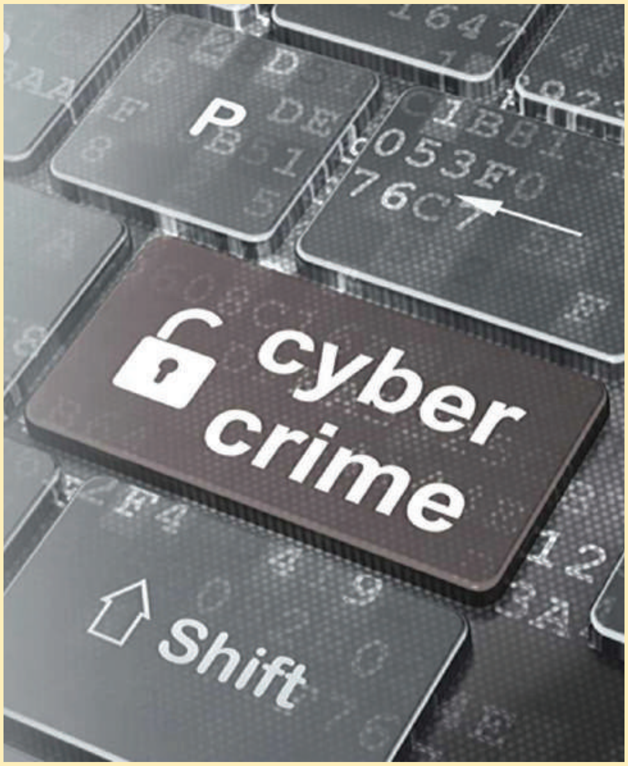

हैकिंग :- किसी कंप्यूटर में अनाधिकृत प्रवेश करना या डाटा को अनुचित तरीके से चुराना हैकिंग कहलाता है। अपराधी इसका उपयोग महत्पूर्ण डाटा को चुराने या उसमे बदलाव करने के लिए करते है, कुछ लोग इसे सिर्फ आनंद के लिए या अकारण भी करते है।

वायरस/ वर्म/ ट्रोजन :- ऐसे प्रोग्राम जिसे कंप्यूटर समझ नहीं पाता है, और असामान्य व्यवहार करने लगता है, उसे वाइरस कहते हैं। जो वाइरस आपके डाटा की जासूसी करते हैं, उन्हें ट्रोजन हॉर्स कहा जाता है।

"डिनायल ऑफ़ सर्विस" अटैक :- यह ऐसी स्थिति है जिसमे अपराधी आपकी बैंडविड्थ का उपयोग इस प्रकार करता है की आप अपने कंप्यूटर पर इन्टरनेट से जुड़कर कुछ भी खोल नहीं पाते है, अपराधी की मंशा आपको अपना डाटा खोलने और देखने से रोकने की होती है, यह वेबसाइट और व्यक्ति दोनों के लिए हो सकती है।

साइबर आतंकवाद :- इस प्रक्रिया में इन्टरनेट को सबसे बड़ा माध्यम बनाकर साइबर क्राइम को फैलाया जा रहा है, साइबर अपराधी अग्रिम तकनीक की सहायता से कंप्यूटर की पूरी जानकारी को ऐसी भाषा में बदल देते हैं, जिसे वापिस समझने योग्य भाषा में बदलना असंभव हो जाता है।

साफ्टवेयर पायरेसी :- अन्ट्रस्टेड ऑपरेटिंग सिस्टम अथवा पायरेटेड साफ्टवेयर के द्वारा सिस्टम के प्रोग्राम्स को क्षति पहुंचाना एवं अवैध रुप से वैधिक प्रोग्राम्स को कॉपी करना सोफ्टवेयर पायरेसी कहलाता है। पायरेटेड सोफ्टवेयर का उपयोग करने से वाइरस अटैक आसान हो जाता है।

अश्लीलता (Obscene Content) :- ऐसी तस्वीरों या कंटेंट को इन्टरनेट के द्वारा संचार करना जो सभी समाज के लिए नहीं है उसे अश्लीलता कहते हैं अपराधी इसका उपयोग किसी को बदनाम करने के लिए करता है।

फ्रॉड और आइडेंटिटी थेफ़्ट :- किसी अन्य व्यक्ति का संघटन की आइडेंटिटी का गलत उपयोग कर महत्पूर्ण सूचनाएं हासिल करना फ्रॉड और आइडेंटिटी थेफ़्ट कहलाता है। अपराधी इसका उपयोग डाटा को हासिल करके ब्लैकमेल करने के लिए भी कर सकता है।

फिशिंग (Phishing) :- पहचान को छुपाकर या गलत पहचान बताकर आपकी महत्पूर्ण सूचनाओं को चोरी करना फिशिंग कहलाता है । इसका उपयोग मेल भेजकर वेबसाइट बनाकर या वेब पेज का क्लोन बनाकर भी किया जाता है।

स्पैम (Spam) :- लगातार अवांछित या गलत डाटा भेजकर किसी को परेशान करना अथवा बैंडविड्थ का उपयोग कर लेना स्पैम कहलाता है। अपराधी इसका उपयोग व्यक्ति का समय और बैंडविड्थ को व्यर्थ में बर्बाद करने के लिए करता है।

एटीएम फ्रॉड :- आपके एटीएम कार्ड की गुप्त सूचनाओं को चुराकर जालसाजी करना एटीएम फ्रॉड कहलाता है इसके लिए कैमरा स्केनर आदि का उपयोग किया जाता है।

मोबाइल फ़ोन हैकिंग :- आपके मोबाइल फ़ोन का डाटा अवैध रूप से चुराना या आपके मोबाइल पर सतत निगाह रखना मोबाइल हैकिंग कहलाता है। अपराधी इसके द्वारा आपकी गुप्त सूचनाएं जैसे व्यक्तिगत जानकारी या बैंकिंग डिटेल्स चुरा सकते हैं।

सुरक्षा के उपाय

- लीगल एंटीवाइरस का उपयोग करें
- अनावश्यक सॉफ्टवेयर को अनस्टाल करें
- सिस्टम की इनफार्मेशन का या अपने डाटा का नियमित बैकअप लेते रहें
- सिक्यूरिटी सेटिंग को चेक करते रहें
- अपना पूरा नाम एवं पता अनजान व्यक्ति को न दें
- इन्टरनेट प्राइवेसी के बारे में ज्यादा इनफार्मेशन लें

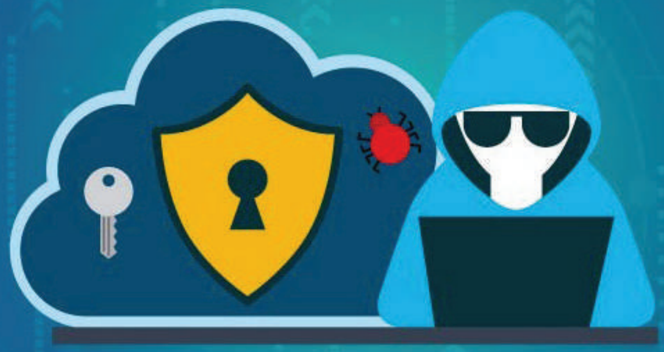

- सुरक्षित इन्टरनेट का ही उपयोग करें
- ईमेल द्वारा आए संलग्न/अटैचमेंट को सावधानी पूर्वक खोलें
- स्ट्रोंग पासवर्ड का उपयोग करें, जो आसानी से हैक न किया जा सके

सोशल नेटवर्किंग साइट को विजिट करते समय क्या-क्या सावधानियां रखें?

- व्यक्तिगत जानकारियों को कम से कम पोस्ट या साझा करें
- मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें
- किसी मित्र की अथवा पारिवारिक जानकारियों देते हुए भी सावधानी बरतें
- सिस्टम में एंटीवाइरस साफ्टवेयर का उपयोग करें
- अपना पिन नंबर किसी को ना बतायें
- किसी अन्य व्यक्ति के सामने अपना पिन नंबर ना डालें

- डेबिट कार्ड से ऑनलाइन खरीदारी करते समय अपना कार्ड तथा अन्य जानकारियां सुरक्षित (Save) नहीं करना चाहिए
- अगल बगल देख ले कोई व्यक्ति या कैमरा आपकी निगरानी ना कर रहा हो
- एटीएम का उपयोग करने के बाद कैंसल का बटन दबाएं
- **साइबर क्राइम के खिलाफ शिकायत कहां दर्ज की जा सकती है?**

  किसी भी नजदीकी पुलिस स्टेशन में जाकर शिकायत रजिस्टर करवा सकते हैं।

- **शिकायत दर्ज करने के दौरान अन्य क्या जानकारियां देनी होंगी?**

  उपयोगकर्ता को निम्न सूचनाएं अपनी शिकायत के साथ दर्ज करवाना होता है– आपका नाम, आपका मेल आईडी, आपका फोन नंबर, आपका पता इत्यादि ।

सूत्र –

कैसे रहें इंटरनेट पर सुरक्षित :-

- http://bit.ly/2nU3udA
- http://www.hindigyanbook.com
- https://hi.wikihow.com
- http://www.hindimai.com
- https://hindi.thequint.com/news/india/why-fake-news-are-dangerous

ISBN 9789381408445
9 789381 408445